



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 337]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 20, 2016/आश्विन 28, 1938

No. 337]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 20, 2016/ASVINA 28, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अक्तूबर, 2016

(अंतिम जाँच परिणाम)

विषय : आस्ट्रेलिया और चीनी जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक” के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच ।

संख्या 14/9/2015-डीजीएडी.—यतः भारत में “लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक” के घरेलू उत्पादकों नामतः मेसर्ज सौराष्ट्र फ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्ज गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड, मेसर्ज कार्बन एज इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मेसर्ज भाटिया कोक एंड एनर्जी लिमिटेड और मेसर्ज बसुधा उद्योग प्राईवेट लिमिटेड (जिन्हें आगे “याचिकादाता कंपनियां” अथवा “आवेदक” उद्योग कहा गया है) की ओर से मेसर्ज इंडियन मेटल्लर्जिकल कोक मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमओएम) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उनसे अनुरोध किया है कि वे आस्ट्रेलिया और चीनी जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक” (जिसे आगे “संबद्ध वस्तुएं” अथवा “मेट कोक” अथवा “विचाराधीन उत्पाद” कहा गया है) के आरोपित पाटन के आयातों पर पाटित आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच शुरू करें और उन पर पाटन रोधी शुल्क लगाएं ।

2. यतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दिनांक 30 दिसंबर, 2015 को एक अधिसूचना जारी की थी, जो कि भारत के राजपत्र आसाधारण में प्रकाशित हुई थी, जिसमें नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करने तथा आरोपित आयात के विद्यमान होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा ऐसे पाटन-रोधी शुल्क का निर्धारण करने, जिसे यदि लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, की सिफारिश करने का उल्लेख किया गया था।

क. क्रिया-विधि

3. इस जांच के संबंध में निम्नोक्त निर्धारित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-

- i. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार जांच की कार्यवाई शुरू करने से पहले आवेदकों से आरोपित पाटन से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित कर दिया है।
- ii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं/एसोसिएशनों को जांच शुरू करने की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे यह अनुरोध किया कि वे पाटनरोधी नियमावली के अनुसार जांच शुरू करने की अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार प्रकट करें।
- iii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति भेजी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई।
- iv. भारत में संबद्ध देश के दूतावास को भी यह अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को परामर्श दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने उत्तर दाखिल करें।
- v. प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को उनसे संबद्ध सूचना मंगाने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेज दी हैं :-
 - (i) ब्लू स्कोप स्टील डारेक्ट लुकड, आस्ट्रेलिया
 - (ii) वन स्टील लिमिटेड, आस्ट्रेलिया
 - (iii) शंघाई पेसिफिक केमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड
 - (iv) चीन नेशनल कोल इंडस्ट्रीज इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन
 - (v) चीन नेशनल मिनरल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन
 - (vi) चीन आयरन एंड स्टील इंडस्ट्री एंड ट्रेड ग्रुप कार्पोरेशन
 - (vii) चीन नेशनल इम्पोर्ट/एक्सपोर्ट हंबाई कंपनी
 - (viii) सांक्सी कोल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ग्रुप कंपनी
 - (ix) टिआन्जिन कुनशिडा इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड
 - (x) चीन नोर्थ इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन
 - (xi) चीन माईनमेटल्स कार्पोरेशन
 - (xii) सांक्सी माईनमेटल इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड

VI. प्राधिकारी को संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए हैं:-

- (i) मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील डारेक्ट लुकड, आस्ट्रेलिया ।
- (ii) मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (iii) मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और
- (iv) मेसर्ज माईनमेटल्स साउथ-ईस्ट एशिया कार्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर
- (v) मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन
- (vi) मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन
- (vii) मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (viii) मेसर्ज हेबल रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन
- (ix) मेसर्ज हेबेल सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन
- (x) मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (xi) मेसर्ज टिआन्जिन टाईजिन ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन।
- (xii) मेसर्ज मिलियन लिंक (टिआन्जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन
- (xiii) मेसर्ज मेसर्ज मिलियन लिंक (चीन) इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, चीन ।
- (xiv) मेसर्ज सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन
- (xv) मेसर्ज टिआन्जिन लिटोंग एनर्जी डेवलेपमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (xvi) मेसर्ज टिआन्जिन किसचुआन मिनरल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (xvii) मेसर्ज सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन,
- (xviii) मेसर्ज सिनोकेम इंटरनेशनल (ओवरसीज) प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर
- (xix) मेसर्ज स्टील मोंट ट्रेडिंग लिमिटेड, यूनाईटेड किंगडम ।

vii. चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण का कोई दावा नहीं किया है अथवा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

viii. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और उनकी एसोसिएशनों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं :-

- (i) मेसर्ज इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग्स लिमिटेड
- (ii) मेसर्ज अपेरेंट आयरन एंड स्टील प्राईवेट लिमिटेड
- (iii) मेसर्ज हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड
- (iv) मेसर्ज ऊषा बेल्ट्रोन लिमिटेड
- (v) मेसर्ज इस्पात मेटेल्लिक्स इंडिया लिमिटेड

- (vi) मेसर्ज टिस्को लिमिटेड
- (vii) मेसर्ज कल्याणी फेरस इंडिया लिमिटेड
- (viii) मेसर्ज किरलोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (ix) मेसर्ज जायसवाल नेको लिमिटेड
- (x) मेसर्ज ऊषा इस्पात लिमिटेड
- (xi) मेसर्ज इंडियन फेरोज एल्वायज प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन
- (xii) मेसर्ज एसोसिएशन ऑफ इंडियन मिनि-ब्लास्ट फर्नेसिज

ix. संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं और भारत में उनकी एसोसिएशनों ने इस जांच के उत्तर में आयातक की प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं/निवेदन किए हैं :-

- (i) मेसर्ज एसोसिएशन ऑफ इंडियन मिनि-ब्लास्ट फर्नेसिज
- (ii) मेसर्ज मुकन्द लिमिटेड
- (iii) मेसर्ज सोना एल्वायज (प्राईवेट) लिमिटेड
- (iv) मेसर्ज कल्याणी स्टील लिमिटेड
- (v) मेसर्ज इंडियन फेरोज एल्वायज प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन
- (vi) मेसर्ज टाटा मेटेलिक्स लिमिटेड
- (vii) मेसर्ज बालासोर एल्वायज लिमिटेड
- (viii) मेसर्ज इंडियन मेटल्स एंड फेरो एल्वायज लिमिटेड
- (ix) मेसर्ज सनफ्लेग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड
- (x) मेसर्ज इस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड
- (xi) मेसर्ज टाटा स्टील लिमिटेड
- (xii) मेसर्ज किरलोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (xiii) मेसर्ज मिलियन लिंक (इंडिया) स्मेल्टिंग प्राईवेट लिमिटेड
- (xiv) मेसर्ज एल्वॉय स्टील प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
- (xv) मेसर्ज इंडियन स्टील एसोसिएशन
- (xvi) मेसर्ज एसएलआर मेटललिंक्स
- (xvii) स्टील फर्नेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया

x. जांच शुरूआत करने संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन चेम्बर ऑफ कामर्स आफ मेटल्स, मिनरल्स एंड केमिकल्स इंपारटर्स एंड एक्सपोर्टर्स (सीसीसीएमसी) ने भी निवेदन किए हैं।

- xi. आंध्र प्रदेश लेम कोक मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ने भी पाटन-रोधी शुल्क लगाने के समर्थन में अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं।
- xii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त, हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाईल के रूप में खुले उपलब्ध करा दिए हैं।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की प्राधिकारी द्वारा उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करें।
- xiv. आवेदकों और हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यकता के अनुसार आगे की जानकारी की मांग की गई थी।
- xv. जब भी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना सुलभ करने से इंकार किया है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में रुकावट उत्पन्न की है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- xvi. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और संबद्ध वस्तुओं के निर्माण व बिक्री की लागत के आधार पर गैर-क्षतिकारी कीमत (एतद्पश्चात् इसे "एनआईपी" कहा गया है) की गणना की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xvii. जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2014 से शुरू हुई थी, जो कि 30 जून, 2015 तक थी। तथापि, क्षति का विश्लेषण करने के परिप्रेष्य में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2011-12, 2012-13, 2013-14 तथा जांच की अवधि (पीओआई) भी शामिल है।
- xviii. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महा निदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयात के व्यौरों की व्यवस्था करें। इस जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त कारोबार-वार के आंकड़ों पर विश्वास किया गया है।
- xix. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 09.08.2016 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में अपने मौखिक विचारों से अवगत कराने का अवसर भी प्रदान किया था। इस सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने मौखिक विचार प्रकट किए थे, उनसे यह भी अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए लिखित निवेदनों/प्रत्युत्तरों में दिए गए प्रासंगिक तर्कों पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- xx. घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों की जितनी आवश्यक समझी गई थी, जांच की गई थी। सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में ऐसी जांच तालिका-अध्ययन के आधार पर की गई थी।
- xxi. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया है, इस अंतिम जांच परिणाम में निदान किया गया है।
- xxii. 03.10.2016 को सभी हितबद्ध पक्षकारों को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था, जिसमें इस जांच से संबंधित ऐसी अनिवार्य सूचना निहित थी, जो कि अंतिम जांच परिणाम का आधार बनती है। प्रकटन पश्चात् विवरण पर किए गए निवेदनों पर जितना प्रासंगिक पाया गया है, उन पर इस अंतिम जांच परिणाम की अधिसूचना में विचार किया गया है।
- xxiii. इस अधिसूचना में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की परिचायक है और प्राधिकारी ने इसे नियमावली के अंतर्गत गोपनीय माना है।
- xxiv. इस जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर, 1 संयुक्त राज्य अमरीकी डालर = 62.13 रूपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और "समान वस्तु"

4 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद, "लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक (मेट कोक)" है। विचाराधीन उत्पाद में ऐसे मेटल्लर्जिकल कोक शामिल नहीं है, जिसमें ऐश की मात्रा 18% से अधिक है। मेट कोक का उत्पादन, उच्च तापमान (जो कि 1100 से 1350 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच होता है) में ऑक्सीजन की अनुपस्थिति/विनियमित उपस्थिति में कोकिंग कोयले की विनाशक डिस्टिलेशन द्वारा किया जाता है, जिससे कोयला मुलायम और तरल होता है तथा उसके बाद उसे फिर से सख्त बनाया जाता है, लेकिन उसमें पोरस सूक्ष्मरंध्र पिंड होते हैं। मेट कोक कार्बन के रूप में होने के साथ-साथ कुछ खनिज और अवशिष्ट वाष्पशील सामग्री के रूप में होता है। मेट कोक का प्रयोग ऐसे उद्योगों में प्राथमिक ईंधन के रूप में किया जाता है, जहां भट्टों और भट्टियों में समान और उच्च तापमान की आवश्यकता होती है। मेट कोक का प्रयोग विभिन्न उद्योगों में किया जाता है, जिनमें पिग आयरन, फाउंडरियां, रसायनिक, एकीकृत स्टील संयंत्रों और अन्य शामिल हैं। मेट कोक को सामान्यतया किलोग्राम अथवा मी.टन में व्यक्त किए जाने वाले भार के रूप में निर्मित और बेचा जाता है। संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क के शीर्ष 27040030 में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क के अध्याय शीर्ष 27040030 में वर्गीकृत किया गया है, संबद्ध वस्तुओं के आयात, सीमा शुल्क के अन्य शीर्षों नामतः 27040090, 27040010, 27040020 आदि के अंतर्गत भी किए जाते हैं। सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

5. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएं उनके भौतिक और रासायनिक लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। संबद्ध देशों से पाटित वस्तुएं और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिकीय रूप से दोनों वस्तुएं प्रतिस्थापन करने योग्य हैं।

घरेलू उद्योग और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद के बारे में हितबद्ध पक्षकार द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नानुसार हैं :-

(i) विचाराधीन उत्पाद को गलत ढंग से अभिज्ञात किया गया है और इसमें 15 % से कम ऐश की मात्रा युक्त कम ऐश के मेट कोक को शामिल करने के लिए, इसमें संशोधन किया जाना चाहिए। ऐसा कोई कारण विद्यमान नहीं है, जिससे ऐसा पता चलता हो कि विचाराधीन उत्पाद में 10% तक की मात्रा में ऐश युक्त मेट कोक को शामिल किया जाए, जबकि पहले दो मामलों में मेटलर्जिकल कोक के आयातों से संबंधित अंतिम जांच परिणामों में डीजीएडी ने विचाराधीन उत्पाद में 15% तक की मात्रा में ऐश युक्त मेट कोक को जांच किए जाने के अधिकार-क्षेत्र में प्रतिबंधित किया था। यह भी नोट किया गया था कि डीजीएडी के इनपुट-आउट मानदंडों से ऐसा पता चलता है कि 15% तक अथवा उससे कम की मात्रा में ऐश, कम ऐश युक्त मेट कोक को अभिज्ञात करने के लिए उपयुक्त सूचक है।

(ii) विचाराधीन उत्पाद को गलत ढंग से अभिज्ञात किया गया है और ऐसे मेट कोक को जिसमें कम ऐश (12.5% तक) है, कम फास्फोरस (0.018 % तक) है और कम सल्फर (0.65 % तक) है, इससे बाहर कर दिया जाना चाहिए।

(iii) विचाराधीन उत्पाद को गलत ढंग से अभिज्ञात किया गया है और ऐसे मेट कोक को जिसमें कम ऐश (12 % तक) है, कम नमी (5 % तक) है, कम फास्फोरस (0.035 % तक) है, और कम सल्फर (0.035 % तक) है, इससे बाहर कर दिया जाना चाहिए।

(iv) स्टील का उत्पादन करने वाली कंपनियां अपनी ब्लॉस्ट भट्टियों में लम्प कोक का इस्तेमाल करती हैं, इसलिए उन्हें विचाराधीन उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र से बाहर रखा जाए क्योंकि इसका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है।

(v) विचाराधीन उत्पाद को गलत ढंग से परिभाषित किया गया है और कम ऐश (12.5% तक) निहित मेट कोक को इससे बाहर रखा जाए।

7. विचाराधीन उत्पाद के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नानुसार हैं :-

(i) हितबद्ध पक्षकार 15% से अधिक ऐश की मात्रा युक्त मेट कोक का बाहर रखे जाने का कोई कानूनी आधार प्रकट करने में विफल रहे हैं। यह मामला हितबद्ध पक्षकारों का नहीं है कि 15% से अधिक ऐश की मात्रा युक्त मेट कोक, 15% - 18% अथवा विपर्यय ऐश की मात्रा युक्त मेट कोक से प्रतिस्थानापन योग्य नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों ने विगत में मेट कोक के लिए की गई जांच से उद्धरण मात्र प्रस्तुत किए हैं।

(ii) कम ऐश (12.5%) कम फासफोरस (0.018 % तक) और कम सल्फर (0.65 % तक) अथवा 5 % तक की नमी युक्त मेट कोक को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखे जाने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन वास्तविकता से दूर हैं। घरेलू उद्योग सभी विनिर्देशनों, जिनमें आरोपित बाहर रखे जाने के लिए विनिर्देशन भी शामिल है, के मेट कोक का उत्पादन करने में पूर्णतया सक्षम है। यह भी देखा जा सकता है कि दुबारा यह मामला हितबद्ध पक्षकारों का नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित मेट कोक प्रतिस्थापन योग्य नहीं हो सकता है। आयातित मेट कोक और देश में ही निर्मित मेट कोक को एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किया जा सकता है। यह भी देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग सभी विनिर्देशनों के मेट कोक का उत्पादन करने में सक्षम है, क्योंकि मेट कोक का विनिर्देशन, प्रयुक्त होने वाले गुणवत्ता युक्त और कोयले की किस्म पर सीधा निर्भर करता है। इसलिए इस किस्म के मेट कोक को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने के हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों का कोई महत्व नहीं है।

(iii) लम्प कोक को बाहर रखने के बारे में निर्यातकों के निवेदन के समर्थन में तथ्य नहीं हैं और ये गलत हैं। ब्लॉस्ट भट्टियों का अपेक्षित आकार 30-80 एमए से 40-100 एमएम तक की श्रृंखला के बीच होता है। घरेलू उद्योग इस आकार का कोकिंग बना रहा है और उनकी आपूर्ति इस्पात संयंत्रों को कर रहा है। उनका यह तर्क भी सही नहीं है कि ब्लॉस्ट भट्टियों के लिए 70 से अधिक सीआरआई तथा 19 से कम के सीआरआई की आवश्यकता होती है। घरेलू उद्योग एकीकृत इस्पात संयंत्रों के साथ-साथ पिग ऑयरन उत्पादकों दोनों को मेट कोक की नियमित रूप से आपूर्ति कर रहा है।

(iv) 12.5% से कम मात्रा में ऐश युक्त मेट कोक को बाहर रखने के प्रयोक्ताओं/हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों के संबंध में प्रयोक्ता उद्योग पूर्णतया अनिश्चित है। प्रारंभ में और बाद में अपने निवेदनों में वे 15% से अधिक मात्रा में ऐश युक्त मेट कोक को बाहर रखने का अनुरोध कर रहे थे, अब वे उसके पूर्णतया विपरीत निवेदन कर रहे हैं और जांच के अंतिम परिणाम दिए जाने के समय 12.5% से कम मात्रा में ऐश युक्त मेट कोक को बाहर रखने का निवेदन कर रहे हैं। इसलिए उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र के बारे में उनके विरोधाभासी निवेदनों को ध्यान में रखते हुए विचाराधीन उत्पाद के अधिकार-क्षेत्र से ऐसे उत्पादों को बाहर रखने के उनके दावों को अस्वीकार किए जाने की आवश्यकता है। यह दोहराया जाता है कि मेट कोक को निर्मित किए जाने में प्रयुक्त किए जाने वाले कोकिंग कायले में ऐश का इस्तेमाल करना पूर्णतया एक प्रक्रिया है। घरेलू उद्योग, प्रयोक्ता उद्योग की मांग के आधार पर 12.5% से कम, 12.5% से 15% तक के बीच तथा 15% से 18% तक के बीच ऐश के विभिन्न अंशों में युक्त मेट कोक का उत्पादन करता है। यह देखा जा सकता है कि तृतीय पक्षकार की ओर ऐसी पर्याप्त जांच रिपोर्टें हैं, जिनसे पता चलता है कि घरेलू उद्योग 12.5% से कम ऐश युक्त मेट कोक का विनिर्माण करता है। इसलिए 12.5% से कम ऐश युक्त मेट कोक को बाहर रखने के प्रयोक्ता उद्योग/हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन कोई विशेष महत्व नहीं रखते हैं और उन पर किसी प्रकार से विचार किए जाना उपयुक्त नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद, आस्ट्रेलिया और चीनी जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक है। विचाराधीन उत्पाद में 18% से अधिक उच्च ऐश युक्त अन्य मेटल्लर्जिकल कोक शामिल नहीं है।

9. लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक का उत्पादन, उच्च तापमान (जो कि 1100 से 1350 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच होता है) में ऑक्सीजन की अनुपस्थिति/विनियमित उपस्थिति में कोकिंग कोयले की विनाशक डिस्टिलेशन द्वारा किया जाता है जिससे कोयला मुलायम और तरल होता है तथा उसके बाद उसे फिर से सख्त बनाया जाता है। मेट कोक कार्बन के रूप में होने के साथ-साथ कुछ खनिज और अवशिष्ट वाष्पशील सामग्री के रूप में होता है। मेट कोक का प्रयोग ऐसे उद्योगों में प्राथमिक ईंधन के रूप में किया जाता है, जहां भट्टों और भट्टियों में समान और उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।

10. मेट कोक का प्रयोग विभिन्न उद्योगों में किया जाता है, जिनमें पिग आयरन, फाउंडरियां, रसायनिक, एकीकृत स्टील संयंत्रों और अन्य शामिल हैं। मेट कोक को सामान्यतया किलोग्राम अथवा मी.टन में व्यक्त किए जाने वाले भार के रूप में निर्मित और बेचा जाता है। भारत में आयातित मेट कोक में ऐश की मात्रा कम होती है और इसमें ऐश की मात्रा 18% से अधिक नहीं होती है। लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय शीर्ष 27040030 में वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

11. हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसा कोई औचित्य प्रस्तुत किए बिना कि 15% से अधिक ऐंश युक्त मेट कोक को वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से कैसे बाहर रखा जा सकता है, विगत में की गई मेट कोक की जांच का उदाहरण मात्र दिया है। घरेलू उद्योग द्वारा यह बताया गया है कि 15% - 18% के बीच सीमा में ऐंश युक्त मेट कोक का उपयोग, तकनीकी और वाणिज्यिकी रूप से 15% से कम ऐंश युक्त मेट कोक के बदले किया जा सकता है। 15% से कम ऐंश युक्त मेट कोक के बदले 15% - 18% के बीच सीमा में ऐंश युक्त मेट कोक का उपयोग करने का यह प्रभाव पड़ेगा कि उत्पादकता कम होगी और इसकी प्रतिपूर्ति, 15% से कम ऐंश युक्त मेट कोक की तुलना में 15% - 18% के बीच सीमा में ऐंश युक्त मेट कोक की कम कीमत होने के कारण उसकी लागत में बचत होने से होगी। इसके अतिरिक्त डीजीएफटी द्वारा निर्धारित इनपुट-आउटपुट के मानदंड, पाटन-रोधी जांच में उत्पाद की परिभाषा पर बाध्यकारी नहीं है क्योंकि उन्हें विभिन्न प्रयोजनार्थ परिभाषित किया गया है। कम ऐंश (12.5% तक), कम फासफोरस (0.018% तक) और कम सल्फर (0.65% तक) युक्त अथवा 5% तक की नमी युक्त मेट कोक को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखे जाने के बारे में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने ऐसे पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं जिनसे पता चलता है कि उसने उपरोक्त विनिर्देशन की संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और आपूर्ति की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि लम्प कोक को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने का कोई मामला नहीं है। घरेलू प्रस्तुत की गई तृतीय पक्षकार की जांच रिपोर्टों से नोट किया जाता है कि वह 12.5% से कम ऐंश युक्त मेट कोक का विनिर्माण करता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को कम या अधिक ऐंश युक्त मेट का विनिर्माण करने में किसी विशिष्ट प्रौद्योगिकी की कोई आवश्यकता नहीं होती है। मेट कोक का उत्पादन, कोकिंग कोयले में युक्त ऐंश पर निर्भर करता है। कोकिंग कोयले में ऐंश की मात्रा कम होने से मेट कोक में भी ऐंश की मात्रा कम होगी और इसी प्रकार विपर्यय होगा। इसलिए विचाराधीन उत्पाद को किसी भी प्रकार से जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने का हितबद्ध पक्षकारों का कोई मामला नहीं बनता है।

12. नियमावली के नियम 2 (घ) के समान वस्तु के संबंध में की गई व्यवस्था निम्नानुसार है :-

“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जो कि यद्यपि सभी प्रकार से समरूप नहीं हैं, परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

13. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएं, उनके भौतिक और रासायनिक लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यो और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। प्रयोक्ता संबद्ध देशों से पाटित वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं परस्पर रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं।

ग. घरेलू उद्योग और आधार

प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग के विचार

14. घरेलू उद्योग के आधार के बारे में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नानुसार हैं :-

(i) ऐसे उत्पादकों को जो मेट कोक के प्रयोक्ता हैं, वैधिक रूप से घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जा सकता है। घरेलू उद्योग के केवल कुछ भागों की जांच करने से समग्र घरेलू उद्योग का उचित मूल्यांकन सुनिश्चित नहीं हो जाता है क्योंकि इसके फलस्वरूप पक्षपात पूर्ण विश्लेषण हो सकता है और इससे भारतीय बाजार में मांग की सही छवि अथवा बिक्रियों की कुल राशि का पता नहीं चल पाएगा। जापान से कुछ होट रोलड स्टील उत्पादों पर संयुक्त राज्य अमरीका – पाटन रोधी उपायों और पाकिस्तान से संयुक्त सूती यार्न पर संयुक्त राज्य - पारगमन सुरक्षा उपाय के मामले में विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय निकाय ने भी ऐसा निर्धारण करने की अवधारणा का समर्थन किया है।

(ii) ऐसे उत्पादकों को जो मेट कोक के प्रयोक्ता हैं, आधार सिद्ध करने के लिए इच्छानुसार चुन-चुन कर बाहर/शामिल नहीं किया जा सकता है। इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि जिंदल स्टेनलैस स्टील लिमिटेड को समर्थक उत्पादक के रूप में कैसे शामिल किया गया है, जब कि जिंदल स्टेनलैस स्टील लिमिटेड भी एक ऐसी उत्पादक है, जो कि केप्टिव प्रयोग के लिए विचाराधीन उत्पाद का इस्तेमाल करती है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड और साथावाहना इस्पात लिमिटेड ऐसी कंपनियां हैं, जिनकी घरेलू बाजार में पर्याप्त बिक्रियां होती हैं और जिन्हें विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है।

(iii) घरेलू उद्योग के आधार का निर्धारण करने के लिए बंगाल एनर्जी एंड विशा सन कोक लिमिटेड को बाहर नहीं रखा जा सकता है।

(iv) सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार याचिकादाता कंपनियों का योगदान, घरेलू उत्पादन के प्रमुख अंशदान से कम है और ये याचिकादाता कंपनियां प्राधिकारी को यह मानने के लिए पूर्णतया भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में उनका प्रमुख अंशदान है।

15. घरेलू उद्योग के आधार के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नानुसार हैं :-

(i) आवेदक कंपनियों के आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन निराधार हैं और ये कानूनी प्रावधानों और विधिशास्त्र को जाने बिना दिए गए हैं। यह देखा जा सकता है कि जापान से कुछ होट रोलड स्टील उत्पादों पर संयुक्त राज्य अमरीका – पाटन रोधी उपायों में अपीलीय निकाय ने घरेलू उद्योग के आधार पर कहीं भी अपना अभिमत व्यक्त नहीं किया है। इस मामले में अपीलीय निकाय ने आधार का निर्धारण करने के बाद घरेलू उद्योग की क्षति का विश्लेषण करने के रूप और तरीके के बारे में अपना अभिमत व्यक्त किया है। इसलिए उक्त मामले और वर्तमान मामले में अपीलीय निकाय की रिपोर्ट में उल्लिखित तथ्य पूर्णतया भिन्न हैं।

(ii) मौजूदा जांच में सूती यार्न का मामला भी प्रासंगिक नहीं है क्योंकि विवाद वस्त्रों और कपड़ों से संबंधित करार ("एटीसी") के प्रावधानों से संबंधित है और न कि पाटन-रोधी करार से और किसी भी स्थिति में अपील निकाय ने ऐसा कोई निर्णय नहीं दिया है कि आवेदक के आधार का निर्धारण करने के लिए क्या उसके केप्टिव उत्पादन पर विचार किया जाना चाहिए या नहीं और इसलिए सूती यार्न के मामले पर विश्वास करना कोई महत्व नहीं रखता है और यह अप्रासंगिक है। सीईएसटीएटी के विधिशास्त्र और प्राधिकारी की निजी प्रथा से ऐसा पता चलता है कि ऐसे उत्पादकों को, जो केप्टिव रूप से समान उत्पादों की खपत करते हैं, घरेलू उद्योग के आधार के साथ-साथ क्षति का विश्लेषण करने के लिए घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जा सकता है।

(iii) अपील निकाय का निर्णय, वस्त्रों और कपड़ों से संबंधित करार ("एटीसी") के अनुच्छेद 6.2 के अंतर्गत "घरेलू उद्योग" की परिभाषा के आधार पर है, जो कि पाटन-रोधी करार के अंतर्गत दी गई "घरेलू उद्योग" की परिभाषा से वास्तविक रूप से भिन्न है। अपील निकाय ने एक आवेदक के आधार के मुद्दे पर ऐसा निर्णय नहीं दिया था और इसलिए सूती यार्न के मामले पर विश्वास करना कोई महत्व नहीं रखता है और यह अप्रासंगिक है। इस मुद्दे पर भारतीय विधि स्थापित है। सीईएसटीएटी के विधिशास्त्र और प्राधिकारी की निजी प्रथा से ऐसा पता चलता है कि ऐसे उत्पादकों को, जो केप्टिव रूप से समान उत्पादों की खपत करते हैं, घरेलू उद्योग के आधार के साथ-साथ क्षति का विश्लेषण करने के लिए घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जा सकता है।

(iv) इस पर बल दिया जाता है कि माननीय सीईजीएटी (जिसे वर्तमान में सीईएसटीएटी कहा जाता है) ने पिग आयरन मेन्युफैक्चरर्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी 2000 (116) ईएलटी (ट्रिब्यूनल) के मामले में यह स्पष्ट निर्णय दिया है कि केप्टिव खपत के उत्पादक और व्यापारी उत्पादक, उत्पादकों की विभिन्न श्रेणियां हैं और इसलिए उत्पादकों की इन दो श्रेणियों का प्रतिपादन पृथक घरेलू उद्योग के रूप में किया जाए। इस प्रकार वैधिक प्रावधानों के अनुसार आवेदक कंपनियों ने सही निर्धारण किया है और उपरोक्त मामले में माननीय सीईजीएटी द्वारा भी इसकी संपुष्टि की गई है।

(v) जिंदल स्टेनलैस स्टील लिमिटेड को शामिल किए जाने के बारे में यह निवेदन है कि इसके पर्याप्त उत्पादन की बिक्री की जाती है और केप्टिव रूप से इसकी केवल कुछ मात्रा की खपत की जाती है क्योंकि कंपनी का थ्रस्ट व्यापारी क्रियाकलाप पर होता है, न कि केप्टिव उपयोग पर। जिंदल स्टेनलैस स्टील लिमिटेड को शामिल किया जाना भी उपरोक्त मामले में माननीय सीईजीएटी के निर्णय के अनुसार है।

(vi) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड के संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि कंपनी अपने पर्याप्त उत्पादन का उपयोग, केप्टिव प्रयोग के लिए करती है, जो कि वर्ष 2014-15 के लिए उपलब्ध सूचना के अनुसार 82.28% है। इसलिए इसे केप्टिव उत्पादक के रूप में माना जा सकता है और घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। साथावाहना प्राईवेट लिमिटेड के संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि इसके उत्पादन के पर्याप्त भाग को घरेलू बाजार में बेचा जाता है और लगभग 42% की खपत केप्टिव रूप से की जाती है। इसलिए इसे व्यापारी उत्पादक माना जा सकता है और इसे आवेदक उत्पादकों के लिए आधार का निर्धारण करने के लिए कुल घरेलू उत्पादन के एक भाग के रूप में शामिल किया जा सकता है। यह देखा जा सकता है कि साथावाहना प्राईवेट लिमिटेड को शामिल

करने के बाद घरेलू उद्योग का अंशदान 48.35 % बन जाता है और समर्थक उत्पादकों के अंशदान से घरेलू उद्योग का अंशदान 62.98 % बन जाता है। इस प्रकार पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए आवेदकों का स्पष्ट आधार है।

- (vii) बंगाल एनर्जी एंड विसा सन कोक को घरेलू उद्योग से बाहर रखा गया है, क्योंकि उसने जांच अवधि के दौरान अत्यधिक मात्रा में विचाराधीन वस्तुओं के आयात किए हैं और इस संबंध में घरेलू उद्योग ने भी ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं।
- (viii) याचिकादाताओं का यह निवेदन है कि किसी भी परिस्थिति में याचिकादाता, पाटन-रोधी नियमावली में यथा निर्धारित आधार को पूरा करते हैं। मूल मुद्दा यह निर्धारण करने का है कि क्या याचिकादाताओं का उत्पादन, कुल घरेलू उत्पादन का "प्रमुख अंशदान" बनता है या नहीं और याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार तथा "प्रमुख अंशदान" शब्दावली के सुस्थापित विवेचन को ध्यान में रखते हुए याचिकादाता, "घरेलू उद्योग" बनने के योग्य हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. आवेदन पत्र "लो एश मेटल्लर्जिकल कोक" के घरेलू उत्पादकों नामतः मेसर्ज सौराष्ट्र फ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्ज गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड, मेसर्ज कार्बन एज इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मेसर्ज भाटिया कोक एंड एनर्जी लिमिटेड और मेसर्ज बसुधा उद्योग प्राईवेट लिमिटेड की ओर से मेसर्ज इंडियन मेटल्लर्जिकल कोक मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमओएम) प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त आवेदन पत्र में यह बताया गया है कि मौजूदा आवेदन पत्र ऐसे विनिर्माताओं द्वारा और उनकी ओर से प्रस्तुत किया गया है जो कि मेट कोक के अपने उत्पादन का विपणन करते हैं/बेचते हैं। साथ ही यह भी बताया गया है कि भारत में मेट कोक के उत्पादकों की दो विभिन्न श्रेणियां हैं, नामतः केप्टिव प्रयोग के लिए मेट कोक का विनिर्माण और विपणन/बेचने के लिए मेट कोक का विनिर्माण। ऐसे विनिर्माताओं को जो कि अपने केप्टिव प्रयोग के लिए मेट कोक का विनिर्माण करते हैं, वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा रहा है, क्योंकि उनका उत्पादन आयातित संबद्ध वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्द्धा नहीं करता है। इसके अतिरिक्त केप्टिव खपत के उत्पादकों और बिक्री करने वाले उत्पादकों की अर्थव्यवस्था भिन्न हैं। पहले किस्म के उत्पादक विपणन बिक्री की लागत, माल सूची आदि को बचाते हैं। आवेदक ने बताया है कि कुछ ऐसे स्टील विनिर्माता भी हैं, जो अपनी केप्टिव क्षमता के लिए मेट कोक का उत्पादन करते हैं। आवेदक ने ऐसे स्टील विनिर्माताओं के नामों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, जिनके पास अपनी केप्टिव क्षमता के लिए मेट कोक का उत्पादन करने की क्षमता उपलब्ध है। इनके नाम इस प्रकार हैं : स्टील अथोरिटी ऑफ इंडिया, टाटा स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, ज़िंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, भूषण स्टील लिमिटेड, जायसवाल ने को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड, जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड और ऊषा मार्टिन लिमिटेड। आवेदक ने उपरोक्त कंपनियों की उनकी संबंधित रिपोर्टों से ब्यौरे भी प्रस्तुत किए हैं जिनसे ऐसा पता चलता है कि प्रमुख केप्टिव उत्पादकों द्वारा या तो मेट कोक की कोई बिक्री नहीं की गई है अथवा कुछ उत्पादकों के केप्टिव मेट कोक के उनके कुल उत्पादन की तुलना में बिक्री नगण्य है और कुछ मामलों में मेट कोक के उनके कुल उत्पादन की तुलना में उनकी घरेलू बिक्रियां नगण्य हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने रिकार्ड पर उपलब्ध प्रमाण से यह देखा है कि प्रथम दृष्टया ये कंपनियां मुख्यतया अपनी केप्टिव क्षमता के लिए मेट कोक का इस्तेमाल कर रही हैं और कुछ मामलों में मेट कोक के उनके कुल उत्पादन की तुलना में उनकी घरेलू बिक्रियां नगण्य हैं। इसके अतिरिक्त यह नोट किया जाता है कि नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड नामक एक और केप्टिव उत्पादक कंपनी है और यह देखा गया है कि इसकी बिक्रियां भी विशेष नहीं हैं। इसलिए केप्टिव उत्पादकों को उत्पादकों की पृथक श्रेणी के रूप में माना जा रहा है और इन्हें घरेलू उद्योग का निर्धारण करते समय वर्तमान जांच के अधिकार-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।

17. यह देखा गया है कि साथावाहना इस्पात लिमिटेड के उत्पादन के प्रमुख अंश को बाजार में बेचा जाता है और केवल 42% अंश की खपत केप्टिव रूप से की जाती है। इसलिए इसे व्यापारी उत्पादक के रूप में माना गया है और इसे आवेदक उत्पादकों के लिए आधार का निर्धारण करने के लिए कुल घरेलू उत्पादन के एक भाग के रूप में शामिल किया गया है। इस प्रकार रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के अनुसार उपरोक्त पांच याचिकादाताओं नामतः मेसर्ज सौराष्ट्र फ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्ज गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड, मेसर्ज कार्बन एज इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मेसर्ज भाटिया कोक एंड एनर्जी लिमिटेड और मेसर्ज बसुधा उद्योग प्राईवेट लिमिटेड का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख अंशदान 48.35 % बनता है और समर्थक तीन घरेलू उत्पादकों नामतः मेसर्ज ज़िंदल स्टेनलैस लिमिटेड, मेसर्ज श्री अरीहंत ट्रेड लिंक्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड और एन्नोर कोक लिमिटेड के उनके अंशदान के साथ घरेलू उद्योग का अंशदान, 62.98 % बन जाता है, जैसा कि नीचे तालिका में देखा जा सकता है :-

घरेलू उत्पादक	अप्रैल, 2011 – मार्च, 2012		अप्रैल, 2012 – मार्च, 2013		अप्रैल, 2013 - मार्च, 2014		जांच अवधि अप्रैल, 2014 – जून, 2015	
	मी. टन	हिस्सा	मी. टन	हिस्सा	मी. टन	अंश	मी. टन	हिस्सा
आवेदक/उत्पादक (घरेलू उद्योग)								
कार्बन एज इंडस्ट्रीज लिमिटेड	61287	2.01%	68304	2.20%	65873	2.77%	90490	3.36%
सौराष्ट्र फ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड	736309	24.18%	552777	17.84%	397122	16.71%	412313	15.31%
गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड	684413	22.48%	877729	28.32%	443778	18.67%	343833	12.76%
वसुधा उद्योग प्राईवेट लिमिटेड	52324	1.72%	51767	1.67%	59568	2.51%	142457	5.29%
भाटिया कोक एंड एनर्जी लिमिटेड	89102	2.93%	173742	5.61%	240310	10.11%	313181	11.63%
कुल – आवेदक (घरेलू उद्योग)	1623436	53.31%	1724319	55.63%	1206650	50.76%	1302273	48.35%
समर्थक उत्पादक								
जिंदल स्टेनलैस लिमिटेड	285368	9.37%	251593	8.12%	217193	9.14%	280068	10.40%
श्री अरीहंत ट्रेड लिक्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड	50549	1.66%	42653	1.38%	41876	1.76%	52415	1.95%
एननोर कोक लिमिटेड	25221	0.83%	50620	1.63%	76824	3.23%	61591	2.29%
कुल - समर्थक उत्पादक	361138	11.86%	344866	11.13%	335893	14.13%	394074	14.63%
कुल – आवेदक और समर्थक उत्पादक	1984574	65.17%	2069185	66.76%	1542543	64.89%	1696347	62.98%
अन्य घरेलू उत्पादक	810000	26.60%	690000	22.26%	510000	21.45%	580000	21.53%
साथवाहना इस्पात लिमिटेड	250624	8.23%	340178	10.98%	324532	13.65%	417278	15.49%
योग	3045198	113.05%	3099363	115.06%	2377075	88.25%	2693625	100.00%

18. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर तथा नियमावली को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा और उसकी ओर से आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है और आवेदन पत्र, पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत “आधार” के अपेक्षा को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त याचिकादाता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का प्रमुख भाग बनता है और याचिकादाता कंपनियां घरेलू उद्योग की पात्र हैं। इसलिए पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार याचिकादाता “घरेलू उद्योग” बनते हैं।

19. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है और यह पाते हैं कि संयुक्त राज्य अमरीका में अपीलीय निकाय रिपोर्टों - जापान और संयुक्त राज्य अमरीका से कुछ हॉट रोलड स्टील उत्पाद - पाकिस्तान से कॉम्बड सूती यार्न पर पारगमन सुरक्षा उपायों के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मामले, और वर्तमान जांच के तथ्य पूर्णतया भिन्न हैं। उनमें घरेलू उद्योग के आधार के बारे में कोई निर्धारण नहीं किया गया था। यह भी देखा गया है कि माननीय सीईजीएटी ने पिग आयरन मेन्युफेक्चरर्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी 2000 (116) ईएलटी (ट्रिब्यूनल) के मामले में यह स्पष्ट निर्णय दिया है

“5.2 आरआईएनएल को बाहर रखा जाना इसलिए यथोचित था क्योंकि उसके उत्पाद को केप्टिव रूप से प्रयुक्त किया जा रहा था। यह स्वीकार्य स्थिति है कि मेट कोक का विनिर्माण, विपणन के लिए नहीं बल्कि उसका और आगे निर्माण किए जाने के लिए किया जाता है। इसलिए इसका उत्पादन आयातित वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्द्धी नहीं है। केप्टिव खपत के लिए उत्पादकों की अर्थव्यवस्था, बिक्री करने वाले उत्पादकों से बहुत भिन्न होती है। पहले किस्म के उत्पादक विपणन, बिक्रियों और माल सूची आदि में बचत करते हैं। इसलिए घरेलू उद्योग का परिकलन करते समय ऐसे उत्पादकों को उचित रूप से एक पृथक बाजार में माना जाता है। ऐसी ही प्रथा यूरोपीय यूनियन में भी विद्यमान है। चूंकि आरआईएनएल ने जांच अवधि के दौरान अपने उत्पाद के कुछ भाग को बेचा था, इसलिए उसकी स्थिति ऐसे केप्टिव उपयोग करने वाले उत्पादक में नहीं बदल सकती है। नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार घरेलू उद्योग “का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण के किसी कार्यकलाप में लगे हुए हैं। तथापि, इस परिभाषा के परन्तुक में ऐसा प्रावधान है कि विशिष्ट परिस्थितियों में घरेलू उद्योग में दो अथवा उससे अधिक प्रतिस्पर्द्धी बाजारों और उत्पादकों को शामिल किया हुआ माना जाएगा जो कि ऐसे बाजारों के भीतर पृथक उद्योग माने जाते हैं। चूंकि केप्टिव खपत के उत्पादक और विपणन करने वाले उत्पादक, उत्पादकों की विभिन्न श्रेणियां बनते हैं, इसलिए परन्तुक के अंतर्गत उन्हें पृथक घरेलू उद्योग के रूप में माना जा सकता है। इस प्रकार नियम 2 (घ) के परन्तुक के आलोक में भी आरआईएनएल को बाहर रखना कानूनी रूप से ठीक है। इन परिस्थितियों में हम आधार के बारे में पीआर निर्यातकों द्वारा किए गए निवेदनों के महत्व को समझ पाने में असमर्थ हैं।”

20. माननीय ट्रिब्यूनल के उपरोक्त निर्णय से यह स्पष्ट होता है कि केप्टिव खपत के उत्पादक और व्यापारी उत्पादक, उत्पादकों की विभिन्न श्रेणियां हैं और इसलिए उत्पादकों की इन दो श्रेणियों का प्रतिपादन पृथक घरेलू उद्योग के रूप में किया जाए। इस प्रकार आधार का निर्धारण करने के संबंध में वैधिक प्रावधानों और माननीय सीईजीएटी के निर्णय को ध्यान में रखते हुए आवेदक कंपनियां आधार के मानदंड को पूरा करती हैं और वे इस जांच में घरेलू उद्योग माने जाने की पात्र हैं।

21. मेसर्स जिंदल स्टेनलैस लिमिटेड को शामिल करने के संबंध में यह देखा गया है कि इसके पर्याप्त उत्पादन को बेचा जाता है और केवल कुछ मात्राओं की खपत केप्टिव रूप से की जाती है और कंपनी का श्रष्ट व्यापारिक क्रियाकलाप के लिए है, न कि केप्टिव प्रयोग के लिए। इसलिए मेसर्स जिंदल स्टेनलैस लिमिटेड को शामिल किया जाना भी उपरोक्त मामले में माननीय सीईजीएटी के निर्णय के अनुरूप है।

22. नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड के संबंध में यह देखा गया है कि कंपनी अपने पर्याप्त उत्पादन का उपयोग, केप्टिव प्रयोग के लिए करती है, जो कि वर्ष 2013-14 के लिए उपलब्ध सूचना के अनुसार 82.28% है। इसलिए इसे केप्टिव उत्पादक के रूप में माना जा सकता है और घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। साथवाहना प्राईवेट लिमिटेड के संबंध में यह देखा गया है कि इसके उत्पादन के पर्याप्त भाग को घरेलू बाजार में बेचा जाता है और लगभग 42% की खपत केप्टिव रूप से की जाती है। इसलिए इसे व्यापारी उत्पादक माना जा सकता है और इसे आवेदक उत्पादकों के लिए आधार का निर्धारण करने के लिए कुल घरेलू उत्पादन के एक भाग के रूप में शामिल किया जा सकता है। यह देखा जा सकता है कि साथवाहना प्राईवेट लिमिटेड को शामिल करने के बाद घरेलू उद्योग का अंशदान 48.35 % बन जाता है और समर्थक उत्पादकों के अंशदान से घरेलू उद्योग का अंशदान 62.98 % बन जाता है। इस प्रकार पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए आवेदकों का स्पष्ट आधार है।

23. बंगाल एनर्जी एंड विसा सन कोक को घरेलू उद्योग से बाहर रखा गया है, क्योंकि उसने जांच अवधि के दौरान अत्यधिक मात्रा में विचाराधीन वस्तुओं के आयात किए हैं। इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकारों ने समग्र घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में उन्हें माने जाने के लिए अपने तर्कों के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं।

घ. विविध निवेदन

निर्यातकों/आयातकों/उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

24. निर्यातकों/आयातकों/उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- i. याचिकादाताओं ने याचिका में अनेक व्यौरों के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है जिससे प्रतिवादी पक्षकारों को अपने हितों की रक्षा करने की क्षमता अत्यधिक दुर्बल हुई है। घरेलू उद्योग ने कच्चे माल की लागत और सामान्य मूल्य के लिए प्रयुक्त खपत के मानदंड, बिक्रियों की मात्रा और निर्यात की मात्रा, निवेश, निवल मूल्य, विस्तार के लिए पूंजी निवेश, ब्याज लागत और मूल्यहास लागत, वार्षिक रिपोर्टों, नियोजित पूंजी, क्षति रहित कीमत, समर्थक उत्पादकों की क्षमता, उत्पादन और बिक्रियों के व्यौरों, बिक्रियों की मात्रा को गोपनीय रखा है। इसके अतिरिक्त यह भी बताया गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आईबीआईएस के कारोबार-वार अपरिष्कृत आयात के आंकड़ों का कैसे प्रयोग किया गया है। याचिकादाताओं को आईबीआईएस के कारोबार-वार अपरिष्कृत आयात के आंकड़ों के साथ-साथ एमएस-एक्सिल प्रपत्र में छांटे गए आयात के आंकड़े प्रस्तुत करने चाहिए थे।
- ii. बाजार आसूचना से ऐसा पता चलता है कि सभी याचिकादाता कंपनियां कोक विनिर्माण की नॉन-रिकवरी टेक्नालॉजी का प्रयोग करती है, जिसका अभिप्राय यह है कि वे अमोनिया, टॉर आदि जैसी अन्य उप-उत्पादों के लाभ प्राप्त नहीं कर सकती हैं।
- iii. अवस्थिति के लाभ और उप-उत्पाद बिक्री से प्राप्त होने वाले आय के लाभ के रूप में ब्लू स्कोप विशिष्ट लागत लाभ है।
- iv. प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे ब्लास्ट भट्टी का इस्तेमाल करने वाले पिग ऑयरन अथवा स्टील के विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले स्टील विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले पिग ऑयरन विनिर्माताओं तथा फेरो एलवाय के विनिर्माताओं को छूट प्रदान करें जैसे कि चीन जनवादी गणराज्य से मेटेल्लर्जिकल कोक के आयात से संबंधित पाटन-रोधी जांच में दिनांक 3 जनवरी, 2003 की अधिसूचना संख्या 5/2003-सीमा शुल्क द्वारा उनको ऐसी छूट प्रदान की गई है।
- v. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आयात के आंकड़े अविश्वसनीय और भ्रामक हैं और इसलिए उनको अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के विचार

25. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (i) जांच में भाग लेने वाले आस्ट्रेलिया और चीन के निर्यातकों ने अपनी प्रश्नावलियों के उत्तरों में प्रस्तुत की गई विभिन्न सूचना पर अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है, जो कि पाटन-रोधी नियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। जहां तक कि उन्होंने शेयरधारकों के नामों, संबंधित कंपनियों के नामों, आपूर्तिकर्ताओं/व्यापारियों के नामों आदि जैसी मूल सूचना को गोपनीय रखा है।
- (ii) घरेलू उद्योग ने सूचना पर गोपनीयता का दावा करते समय उसके कारण प्रस्तुत किए हैं, जैसा कि नियमावली और प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी की गई व्यापारिक सूचनाओं में दिया गया है और उसने अत्यधिक गोपनीयता का दावा नहीं किया है। निर्यात बिक्रियों के मूल्य, बिक्री मूल्य, नियोजित पूंजी आदि से संबंधित व्यौरों, सूचीबद्ध संख्याओं में "प्रपत्र IV क" के भाग के रूप में दिए गए हैं। ब्याज लागत और मूल्य हास लागत के व्यौरों को पृथक् रूप से घोषित किए जाने की आवश्यकता नहीं है। नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ के लिए ब्याज पूर्व लाभ और नकदी लाभ के व्यौरों आवेदन पत्र में दिए गए हैं। मेसर्स गुजरात एनआरई की वार्षिक रिपोर्टें, आवेदन पत्र के भाग के रूप में प्रदान की गई हैं। अन्य कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टों के बारे में यह निवेदन है कि निजी स्वामित्वाधीन कंपनियों तथा घनिष्ठ स्वामित्वाधीन कंपनियों के वार्षिक लेखे, केवल उनके अपने सदस्यों में परिचालन करने के लिए ही होते हैं और उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं कराया जाता है। इसलिए ऐसी सूचना पर गोपनीयता का दावा किया गया है।

(iii) आईबीआईएस के अपरिष्कृत आयात के आंकड़े और मूल आयात के आंकड़े आवेदन पत्र के एक भाग के रूप में दिए गए हैं। संबद्ध वस्तुओं के लिए आयात के आंकड़ों को कारोबार के विवरणों के आधार पर मिलाया गया है, जिनमें संबद्ध वस्तुओं को निर्दिष्ट किया गया है, जैसा कि आवेदन पत्र में दिए गए बयानों में देखा जा सकता है। आयातित वस्तुओं में एंश की मात्रा केवल 18% तक है और आईबीआईएस के आयात आंकड़ों में ऐसा कोई आयात कारोबार नहीं है जिससे ऐसा पता चलता हो कि आयातित वस्तुओं में एंश की मात्रा 18% से अधिक है।

(iv) याचिकादाता मेट कोक का उत्पादन करने के लिए नॉन-रिकवरी प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करते हैं और इस प्रकार मेट-कोप का उत्पादन किए जाने के समय किसी अन्य उप-उत्पाद का उत्पादन नहीं होता है। इसलिए किसी अन्य उप-उत्पाद को इस्तेमाल किए जाने पर विचार करने का कोई प्रश्न नहीं उठता है। ताप का इस्तेमाल किए जाने के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार एनआईपी का निर्धारण किए जाने के लिए याचिकादाताओं के उत्पादन की लागत के सभी संबद्ध आंकड़े प्रस्तुत कर दिए गए हैं। इसलिए मेट कोक का उत्पादन करने के लिए नॉन-रिकवरी प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल नहीं करने में घरेलू उद्योग की अपनी अकुशलता के कारण प्रभावित होने का प्रश्न नहीं उठता है।

(v) पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से किसी प्रयोक्ता को छूट देना, भारतीय-पाटन-रोधी विधि में कोई कानूनी आधार नहीं है। भारतीय-पाटन-रोधी विधि में ऐसा कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है, जिसमें प्रयोक्ता उद्योग के हित पर विचार करने की व्यवस्था निहित हो। ऐसा देखा जा सकता है कि पाटन के क्षति पहुंचाने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए पाटन-रोधी शुल्क लागू किया जाता है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति स्थापित की जा सके। पाटन-रोधी शुल्क लगाने का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं के पाटन के कारण मिलने वाले अनुचित लाभ की प्रथा पर नियंत्रण रखना और घरेलू उद्योग को उससे होने वाली क्षति की रोकथाम करना है। इसलिए प्रयोक्ता उद्योग ऐसा आरोप नहीं लगा सकता है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से उनकी लागत आदि में वृद्धि होगी क्योंकि पाटन-रोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन पाटन के कारण प्राप्त होने वाले ऐसे अनुचित लाभ को समाप्त करना है, जो कि उचित व्यापार प्रथा की स्थिति में प्राप्त नहीं होते। साथ ही यह भी निवेदन किया जाता है कि किसी भी अन्य उद्योग की अपेक्षाकृत प्रतिस्पर्धात्मकता पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने के प्रभाव, पाटन-रोधी जांच के अधिकार-क्षेत्र से बाहर हैं। यह भी देखा जा सकता है कि वर्ष 1998 में जारी मेट कोक से संबंधित अंतिम जांच परिणाम में माननीय प्राधिकारी द्वारा किसी भी प्रयोक्ता को कोई छूट प्रदान नहीं की गई थी। केन्द्रीय सरकार द्वारा केवल उपरोक्त प्रयोक्ताओं को ही छूट प्रदान की गई थी। यह निवेदन है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त प्रयोक्ताओं को छूट प्रदान की गई थी कि उस समय व्यापारी मेट कोक उद्योग के पास ब्लॉस्ट भट्टी स्टील विनिर्माताओं की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता विद्यमान नहीं थी और व्यापारी मेट कोक उत्पादकों की सहमति से उनको बाहर रखा गया था। यह देखा जा सकता है बहिष्करण का व्यापारी मेट कोक उत्पादकों की कम एंश युक्त मेटल्लर्जिकल कोक का उत्पादन करने की गुणवत्ता और क्षमता से कोई संबंध नहीं है। यह निवेदन है कि इस समय व्यापारी मेट कोक उत्पादकों के पास ब्लॉस्ट भट्टी स्टील विनिर्माताओं की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता विद्यमान है। इसलिए इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भी केन्द्रीय सरकार के पास उपरोक्त प्रयोक्ताओं को किसी भी प्रकार की कोई छूट स्वीकृत करने का कोई कारण नहीं है। इसलिए वर्तमान जांच में उपरोक्त प्रयोक्ताओं को छूट देने का कोई मुद्दा नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मुद्दों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है :-

(i) हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रदत्त सूचना की अपर्याप्तता और कमी होने के संबंध में इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। प्राधिकारी की पद्धति के समनुरूप केवल ऐसी सूचना को गोपनीय रखा गया है, जिसका संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है। यह सूचना उचित रूप से समझे जाने के लिए पर्याप्त होने के साथ-साथ यथेष्ट है।

(ii) ब्लॉस्ट भट्टी का इस्तेमाल करने वाले पिग ऑयरन अथवा स्टील के विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले स्टील विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले पिग ऑयरन विनिर्माताओं तथा फेरो एलवाय के विनिर्माताओं को पाटन-रोधी शुल्क से छूट प्रदान करने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लागू करने में किसी प्रयोक्ता को छूट प्रदान करने के लिए भारतीय पाटन-रोधी विधि में कोई कानूनी आधार नहीं है। किसी भी अन्य उद्योग की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर पाटन-रोधी शुल्क लागू करने के प्रभाव का विश्लेषण, पाटन-रोधी जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जांच की परिस्थितियां भिन्न हो सकती हैं। इस समय व्यापारी मेट कोक उत्पादकों के पास ब्लॉस्ट भट्टी का इस्तेमाल करने वाले पिग ऑयरन अथवा स्टील के विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले स्टील विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले पिग ऑयरन विनिर्माताओं तथा फेरो एलवाय के विनिर्माताओं की मांग को पूरा करने की क्षमता विद्यमान है।

(iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक उत्पादक मेट कोक का उत्पादन करने के लिए नॉन-रिकवरी प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल करते हैं और इस प्रकार मेट-कोप का उत्पादन किए जाने के समय किसी अन्य उप-उत्पाद का उत्पादन नहीं होता है। इसलिए प्राधिकारी उप-उत्पादों से होने वाली आय के उपयोग पर विचार नहीं करते हैं क्योंकि ऐसा नहीं होता है तथा घरेलू उद्योग, मेट कोक का उत्पादन करने के लिए नॉन-रिकवरी प्रोद्योगिकी का इस्तेमाल नहीं किए जाने के कारण प्रभावित नहीं हो रहा है।

(घ) पाटन का मूल्यांकन - क्रियाविधि और प्राचल

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

27. उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (i) किसी हितबद्ध पक्षकार के लिए कोई विशेष पृथक मार्जिन का निर्धारण करने के लिए बिक्रियों के संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के आंकड़े प्रदान करने की प्रक्रियात्मक आवश्यकता में ब्लू स्कोप के मामले में नॉबल रिसोर्सिज इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड (एनआरआईपीएल) के माध्यम से उसके निर्यातों के लिए संयुक्त राज्य अमरीका - जापान से कुछ हॉट-रोल्ड स्टील उत्पादों पर पाटन-रोधी उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय निकाय के प्रेक्षकों को ध्यान में रखते हुए छूट दी जानी चाहिए।
- (ii) निर्यातक/व्यापारी के उत्तर को प्रस्तुत करके मूल्य श्रृंखला को पूरा करने के लिए उत्पादक/विनिर्माता पर पूरा दायित्व सौंपने की प्रथा गलत है। चाहे किसी भी उत्पादक/विनिर्माता ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात एक निर्यातक/व्यापारी अथवा अनेक के माध्यम से किया है और यदि उनमें से कोई एक डीजीएडी के साथ सहयोग करना चाहता है, तो उत्पादक/विनिर्माता और उसके निर्यातकों/व्यापारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए समग्र उत्तरों को ऐसी मूल्य श्रृंखला के आधार पर आंकड़ों को अस्वीकृत करके दण्डित किया जाता है, जो कि पुनः डीजीएडी की विधि और प्रथा के विपरीत है क्योंकि वैश्विक रूप से ऐसी कोई लिखित विधि विद्यमान नहीं है, जो कि ऐसा करने को कहती है और उसे निर्यातकों/व्यापारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों/सूचना को अस्वीकृत करने के लिए पाटन-रोधी तंत्र के एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।
- (iii) डीजीएडी द्वारा निर्धारित किया गया निर्यातकों की प्रश्नावली का प्रपत्र निर्यातक/व्यापारी से संबंधित होता है, लेकिन वह उत्पादक/विनिर्माता से संबंधित नहीं होता है। याचिकादाता ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं, जिनसे ऐसा पता चले कि पाटन हो रहा है और घरेलू उद्योग को उससे क्षति हो रही है। आवेदन पत्र में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और क्षति के बारे में कोई प्रमाण निहित नहीं है। ऐसे प्रमाण के अभाव में वर्तमान जांच शुरू नहीं की जानी चाहिए।

(iv) बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए सामान्य मूल्य की संरचना, याचिकादाताओं की लागत के आधार पर नहीं की जा सकती है। इससे बेहतर केवल वैधित प्रावधानों में ऐसी व्यवस्था निहित है कि निर्यातक देश के घरेलू बाजार में उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य की संरचना की जाए। इसलिए आस्ट्रेलिया के लिए यथा संरचित सामान्य मूल्य को अस्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए।

(v) जापान को प्रतिनिधि देश के रूप में नहीं माना जा सकता है, क्योंकि पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुसरण में यह एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाला तृतीय देश नहीं है, चूंकि जापान में समान उत्पाद की घरेलू कीमतों के आधार पर परिकलित किए गए सामान्य मूल्य के येन के अवमूल्यन के कारण चीन के मूल्य से बहुत अधिक होने की संभावना है। भारत की तरह जापान द्वारा आस्ट्रेलिया से कोयला आयात करने के फलस्वरूप भाड़े की लागत और अधिक श्रम लागत के कारण अधिक खरीद लागत हो जाती है। इसके अतिरिक्त यह भी बताया गया है कि चीन की तुलना में जापान में प्रति व्यक्ति जीडीपी बहुत अधिक है और जापान में संयंत्रों की तुलना में चीन में संयंत्र अधिक विकसित हैं।

(vi) चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 (7) के प्रावधान के असंगत है। याचिकादाताओं के पास संबद्ध सूचना उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रथम दो विकल्पों को कारगर ढंग से प्रयुक्त किए बिना अंतिम विकल्प पर आधारित याचिकादाताओं के परिकलन को जांच शुरू करने के लिए स्वीकार कर लिया गया था। तृतीय पक्षकार प्रतिनिधि देश के रूप में जापान को माने जाने का प्रस्ताव, याचिकादाताओं का एक छिछोरा प्रयास मात्र प्रतीत होता है।

(vii) सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए कोई आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है। आस्ट्रेलिया के लिए संरचित सामान्य मूल्य, विचाराधीन उत्पाद की अंतराष्ट्रीय प्रचलित कीमत से काफी अधिक है।

(viii) याचिका में निर्यात कीमत से दावा किए गए समायोजन के संबंध में ऐसा कोई प्रमाण निहित है जिससे कि निबल निर्यात कीमत का आकलन किया जा सके।

(ix) याचिकादाताओं ने आस्ट्रेलिया के लिए निबल निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का परिकलन, याचिकादाताओं द्वारा प्राप्त किए गए आकलन करने योग्य मूल्य के आधार पर किया है और प्राप्त किए गए उक्त आकलन करने योग्य मूल्य का कोई आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(x) कोक ओवन गैस के उपयोग और उप-उत्पादों की वसूली को ध्यान में रखने के बाद सामान्य मूल्य का परिकलन किया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के विचार

28. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(i) आस्ट्रेलिया से निर्यातक, मेसर्ज ब्लू स्कोप ने अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि उसने भारत को की गई निर्यात बिक्रियों को कुछ अन्य विपणन प्रयोज्यता के माध्यम से किया गया है। इसलिए आस्ट्रेलिया से निर्यातक के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वह भारत को किए गए निर्यातों के लिए अपने निर्यातक के बारे में अनिवार्य सूचना देने में विफल रहा है।

(ii) मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन, मेसर्ज चाईना नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज मिन मेटल्स साउथ-ईस्ट एशिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तरों में यह देखा गया है कि लिनहुआन एक उत्पादक है और अन्य दो कंपनियां व्यापारी/निर्यातक हैं। इन दो व्यापारी/निर्यातक कंपनियों के उत्तर से यह देखा गया है कि लिनहुआन से संबद्ध वस्तुएं खरीदने के अतिरिक्त उन्होंने अन्य आपूर्तिकर्ताओं से भी संबद्ध वस्तुएं खरीदी थीं। तथापि, ऐसे अन्य आपूर्तिकर्ताओं के नाम प्रकट नहीं किए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे उत्पादकों के लिए कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिनका नाम छिपाए गए हैं। इन परिस्थितियों में इन सभी तीनों कंपनियों के उत्तरों को अस्वीकृत कर दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने भारत में निर्यातों का पूरा पता लगाने के लिए अनिवार्य सूचना नहीं दी है।

(iii) मेसर्ज गुक्सियान जिनहुआ कोकिंग कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड चीन तथा मेसर्ज हांगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तरों से देखा गया है कि गुक्सियान उत्पादक है और अन्य दोनों कंपनियां व्यापारी/निर्यातक हैं। व्यापारी/निर्यातक, हांगझाऊ सीआईईसी के उत्तर से ऐसा देखा गया है कि हांगकांग आधारित एक व्यापारी के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात भारत को किए गए हैं। तथापि, ऐसे व्यापारी का नाम प्रकट नहीं किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हांगकांग से ऐसे व्यापारी के संबंध में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है। इन परिस्थितियों में इन सभी तीनों कंपनियों के उत्तरों को अस्वीकृत कर दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने भारत में निर्यातों का पूरा पता लगाने के लिए अनिवार्य सूचना नहीं दी है।

(iv) मेसर्ज हेबेई रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन नामक उत्पादक ने निर्यातक की प्रश्नावली के प्रश्न संख्या ख. 2 के अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात एक गैर-संबंधित व्यापारी के माध्यम से किए गए हैं और उसने उसका नाम प्रकट नहीं किया है। तथापि, ख. 3 के अपने उत्तर में इस उत्पादक ने दो व्यापारियों/निर्यातकों के नामों का उल्लेख किया है, जो कि नामतः मेसर्ज बेजिंग रिसुन होन्गई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज मिलियन लिंक (टिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड है। एक अन्य उत्पादक, मेसर्ज हेबेई सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन ने भी अपने उत्तर में यह बताया है कि भारत को उसके द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, मेसर्ज बेजिंग रिसुन होन्गई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज मिलियन लिंक (टिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड के माध्यम से किए गए हैं। मेसर्ज मिलियन लिंक (टिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड के प्रश्नावली के उत्तर से यह भी नोट किया गया है कि भारत को बिक्रियां मेसर्ज मिलियन लिंक (चीन) इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के माध्यम से की गई हैं और भारत को निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं की अधिप्राप्ति चीन से विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से की गई है। तथापि, ऐसे आपूर्तिकर्ताओं के नाम प्रकट नहीं किए गए हैं। इन परिस्थितियों में घरेलू उद्योग प्रभावशाली टिप्पणियां देने में अशक्त है और प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि वे सभी कंपनियों के उत्तरों को अस्वीकृत दें क्योंकि उनके द्वारा अनिवार्य सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

(v) उत्पादक, मेसर्ज हेबेई जुझोऊ कोल केमिकल इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन ने अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात उससे संबंधित व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन टाईजिन इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन के माध्यम से

किए गए हैं। इस व्यापारी के उत्तर से यह देखा गया है कि भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, स्विटजरलैंड में किसी अन्य व्यापारी/निर्यातक के माध्यम से किए गए हैं। तथापि, स्विटजरलैंड से ऐसे व्यापारी का नाम प्रकट नहीं किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि स्विटजरलैंड से ऐसे किसी व्यापारी ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इन परिस्थितियों में उपरोक्त कंपनियों के उत्तरों को अस्वीकृत कर दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने भारत में निर्यातों का पूरा पता लगाने के लिए अनिवार्य सूचना नहीं दी है।

(vi) उत्पादक, मेसर्स टिआन्जिन लिटिंग एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन ने अत्यधिक दावा किया है और अनावश्यक गोपनीयता बनाए रखी है, क्योंकि उसने संवितरण के माध्यम और घरेलू बिक्रियों के साथ-साथ भारत को निर्यात के लिए वार्ता की प्रक्रिया के ब्यौरे प्रकट नहीं किए हैं। इसलिए कंपनी द्वारा ऐसी अनिवार्य सूचना को प्रकट नहीं करने के कारण उसके समग्र उत्तर को अस्वीकृत कर दिया जाए।

(vii) उत्पादक, मेसर्स सीएनबीएम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, चीन ने अत्यधिक दावा किया है और अनावश्यक गोपनीयता बनाए रखी है, क्योंकि उसने आपूर्तिकर्ताओं, संवितरण के माध्यम और घरेलू बिक्रियों के साथ-साथ भारत को निर्यात के लिए वार्ता की प्रक्रिया के ब्यौरे प्रकट नहीं किए हैं। इसलिए कंपनी द्वारा ऐसी अनिवार्य सूचना को प्रकट नहीं करने के कारण उसके समग्र उत्तर को अस्वीकृत कर दिया जाए।

(viii) मेसर्स टिआन्जिन क्लिन्चुआन मिनरल्स ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, मेसर्स स्टील मोन्ट ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, मेसर्स सिनोकेम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन और मेसर्स सिनोकेम इंटरनेशनल (ऑवरसीज) प्राईवेट लिमिटेड नामक व्यापारियों/निर्यातकों ने अत्यधिक दावा किया है और अनावश्यक गोपनीयता बनाए रखी है, क्योंकि उन्होंने संवितरण के माध्यम और घरेलू बिक्रियों के साथ-साथ भारत को निर्यात के लिए वार्ता की प्रक्रिया के ब्यौरे प्रकट नहीं किए हैं। इसलिए इन कंपनियों द्वारा ऐसी अनिवार्य सूचना को प्रकट नहीं करने के कारण उनके समग्र उत्तर को अस्वीकृत कर दिया जाए।

(ix) घरेलू उद्योग ने आवेदन पत्र में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के पर्याप्त ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं और घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य, संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों का एक अच्छा सूचक था। इसके विपरीत हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसी कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है जिससे ऐसा पता चलता हो कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य सही नहीं था।

(x) संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कोई असंगति नहीं है क्योंकि इसका निर्धारण नियमावली के अनुसार किया गया है और घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य के लिए पर्याप्त प्रमाण प्रदान किए हैं।

(xi) जापान को एक प्रतिनिधि देश के रूप में माने जाने पर विचार करने के लिए प्रतिनिधि देश में लागत कारक अथवा जीडीपी ऐसा मानदंड नहीं है, जिसे प्रतिनिधि देश का चयन करने या अस्वीकृत करने के लिए अपनाया जाए। प्रतिनिधि देश का चयन करते समय "संबंधित देश के विकास के स्तर और प्रश्नगत उत्पाद" के कारक पर विचार किया जाए, न कि उत्पाद की लागत और सहयोजित कारकों पर, जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं। चीन और जापान में विकास का स्तर समान है और जापान में तुलनीय विनिर्माण सुविधाएं विद्यमान हैं। इस प्रकार जापान को चीन के लिए प्रतिनिधि देश माने जाने पर विचार किया जा सकता है।

(xii) निर्यात कीमत का समायोजन करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों ने कोई ऐसा प्रतिकूल प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे ऐसा पता चलता हो कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना सही नहीं थी। तथापि, यह निवेदन किया जाता है कि किसी भी स्थिति में निर्यात कीमत के संबंध में निर्धारण, जांच में सहभागी निर्यातकों द्वारा दी गई वास्तविक सूचना के आधार पर किया जाएगा।

(xiii) प्रयोक्ताओं/आयातकों अथवा प्रयोक्ताओं की एसोसिएशनों/आयातकों के इन निवेदनों के संबंध में कि सामान्य मूल्य का निर्धारण, कोक ओवन गैस का इस्तेमाल किए जाने और उप-उत्पादों की वसूली के समायोजन पर विचार करने के बाद किया जाए, यह उल्लेखनीय है कि उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों का सामान्य मूल्य का निर्धारण करने पर किसी भी प्रकार का कोई निवेदन करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि केवल निर्यातक ही सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए निवेदन कर सकते हैं। चीन से किसी भी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का कोई दावा नहीं किया है और न ही उनमें से किसी ने कोक ओवन गैस का इस्तेमाल किए जाने और उप-उत्पादों की वसूली का समायोजन किए जाने का कोई दावा किया है। आस्ट्रेलिया से निर्यातक ने सृजित उप-उत्पादों के लिए उसे प्राप्त होने वाले लाभ का उल्लेख मात्र किया है, लेकिन उसने कोक ओवन गैस का इस्तेमाल किए जाने और उप-उत्पादों की वसूली का समायोजन किए जाने का कोई दावा नहीं किया है। इसलिए वर्तमान जांच में किसी भी निर्यातक के लिए कोक ओवन गैस का इस्तेमाल किए जाने और उप-उत्पादों की वसूली का किसी भी प्रकार का कोई समायोजन करने का कोई मामला नहीं बनता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी द्वारा की गई जांच निम्नानुसार है:-

- (i) चीन जनवादी गणराज्य और आस्ट्रेलिया के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण के संबंध में उल्लेखनीय है कि इनका निर्धारण, नियमावली के अनुसार किया गया है, जैसा कि नीचे संबद्ध पैराओं में इनक स्पष्टीकरण किया गया है।
- (ii) घरेलू उद्योग के इस आशय के संबंध में कि जापान को एक प्रतिनिधि देश के रूप में माना जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपने इस दावे के समर्थन में जापान में उत्पादकों के कोई पर्याप्त आंकड़े/सूचना प्रस्तुत नहीं की है और इसलिए प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार करते हैं।
- (iii) सामान्य मूल्य में उप-उत्पादों की वसूली आय का समायोजन करने के लिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी निर्यातक ने इसके लिए किसी भी प्रकार का कोई दावा नहीं किया है और इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य में उप-उत्पादों की वसूली आय का किसी भी प्रकार का कोई समायोजन नहीं करते हैं।

चीन जनवादी गणराज्य से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी)

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जनवादी गणराज्य को विश्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा पाटन-रोधी जांच में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना गया है। इसलिए पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना जाएगा बशर्ते कि प्रारंभिकनिर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा पृथक निर्यातकों द्वारा ऐसी पूर्वधारणा का खंडन नहीं कर दिया जाता है।

31. पाटनरोधी नियमावली के पैरा-8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है, ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (i) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं ;
- (ii) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;
- (iii) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (iv) विनिमय दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है।

32. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं और उन्हें सलाह दी थी कि वे निर्धारित रूप और तरीके से सूचना प्रदान करें। तथापि, चीन जनवादी गणराज्य से निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों को छोड़ कर चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत करके इस जांच में सहयोगी नहीं दिया है। निम्नलिखित कंपनियों ने प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-

- (i) उत्पादक, मेसर्स लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्स चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्स माईनमेटल्स साउथ-ईस्ट एशिया कार्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर।

- (ii) उत्पादक, मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (iii) उत्पादक, मेसर्ज हेबेल रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन और मेसर्ज हेबेल सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन टाईजिन ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (iv) उत्पादक, मेसर्ज हेबेल युझोऊ कोल केमिकल इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, चीन तथा व्यापारी/निर्यातक मेसर्ज टिआन्जिन टाईजिन इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (v) व्यापारी/निर्यातक, मिल्लियन लिंक (टिआन्जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज मेसर्ज मिल्लियन लिंक (चीन) इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, चीन
- (vi) व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन ।
- (vii) उत्पादक और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन लिटोंग एनर्जी डेवलेपमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन ।
- (viii) व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन क्सिनचुआन मिनरल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन, मेसर्ज सिनोकेम इंटरनेशनल (ओवरसीज) प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर और मेसर्ज स्टील मोंट ट्रेडिंग लिमिटेड, यूनाईटेड किंगडम ।

33. यह नोट किया जाता है कि उपरोक्त किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण का दावा नहीं किया है और न ही किसी उत्पादक ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्वधारणा का खंडन किया है। चूंकि चीन की किसी भी कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण का कोई दावा नहीं किया है, प्राधिकारी ने ऐसा कोई निर्धारण नहीं किया है कि क्या चीन के किसी उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण स्वीकार किया जा सकता है।

चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

34. चूंकि चीन से किसी भी उत्पादक और निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण के लिए प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, प्राधिकारी ने पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य की संरचना की है।

35. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में उपबंध है कि:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी।

निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”

36. इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित किसी भी आधार पर किया जा सकता है :-

- (i) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में प्रचलित कीमत के आधार पर अथवा
- (ii) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में संरचित मूल्य के आधार पर अथवा
- (iii) किसी तृतीय देश से भारत सहित किसी अन्य देश की प्रचलित कीमत के आधार पर अथवा

(iv) यदि उपरोक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी भी अन्य उपयुक्त आधार पर कर सकते हैं, जिनमें समान उत्पाद के लिए भारत में अदा की गई ऐसी वास्तविक कीमत अथवा देय कीमत शामिल है, जिसमें उचित लाभ मार्जिन को विधिवत संमजित किया गया हो।

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तृतीय देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए तृतीय देश की निर्यात बिक्रियों और उत्पादन की लागत के पूरे और व्यापक कारोबार-वार आंकड़ों के साथ-साथ तृतीय देश में ऐसे उत्पादकों के सहयोग की आवश्यकता होती है, जो कि वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं है। यह देखा गया है कि आवेदक ने यह प्रस्ताव किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए जापान को तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाए। घरेलू उद्योग के इस सुझाव के संबंध में कि जापान को एक प्रतिनिधि देश के रूप में माना जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपने ऐसे दावे के समर्थन में जापान में उत्पादकों के कोई पर्याप्त आंकड़े/सूचना प्रस्तुत नहीं की है और इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि नियमावली के अनेबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाए।

38. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने एमईटी का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और आगे यह नोट करते हुए कि चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के संबंध में कोई भी सूचना/आंकड़े रिकार्ड में उपलब्ध नहीं हैं, प्राधिकारी ने यह माना है कि उपलब्ध "उचित तथ्यों के आधार" पर चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य का निर्धारण, नियमावली के अनेबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार किया जाए। तदनुसार प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य की संरचना, भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर की है, जिसके लिए विधिवत् समायोजन किया गया है, जिनमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय शामिल हैं। चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य, नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

आस्ट्रेलिया के लिए सामान्य मूल्य

मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया के लिए सामान्य मूल्य

39. प्राधिकारी ने आस्ट्रेलिया के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं। प्राधिकारी को केवल एक निर्यातक, मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ है।

40. मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर को देखने से ऐसा पता चला है कि भारत को समस्त निर्यात बिक्रियां (****), मेसर्ज नोबल रिसोर्सिज इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर नामक एक व्यापारी कंपनी के माध्यम से की गई हैं। तथापि, यह नोट किया जाता है कि मेसर्ज नोबल रिसोर्सिज इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर नामक व्यापारी कंपनी की ओर से मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है और न ही इस व्यापारी कंपनी ने सीधे कोई उत्तर प्रस्तुत किया है। चूंकि भारतीय ग्राहकों तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए अनिवार्य सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है, इसलिए मेसर्ज नोबल रिसोर्सिज इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर द्वारा भारतीय ग्राहकों को निर्यात करते समय किए गए समायोजन के दावों के संबंध में ऐसी बिक्रियों आदि की शर्तें जांच के लिए उपलब्ध नहीं हैं, प्राधिकारी ने उत्पादक मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया के संबंध में केवल उनके उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर पृथक पाटन मार्जिन का कोई निर्धारण नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर आस्ट्रेलिया के लिए सामान्य मूल्य की संरचना की है, जिसके लिए नियमावली के नियम 6 (6) के अंतर्गत विधिवत समायोजन किया गया है, जिनमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय शामिल हैं। मेसर्ज ब्लू स्कोप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया के लिए निर्धारित किया गया संरचित मूल्य नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

आस्ट्रेलिया के असहयोगी उत्पादक/निर्यातक

41. प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आस्ट्रेलिया के लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है। तदनुसार आस्ट्रेलिया के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य, नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्यात कीमत

मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक), मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज माईनमेटल्स साऊथ-ईस्ट एशिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर (व्यापारी/निर्यातक).

42. प्रश्नावली के उत्तर, मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन (उत्पादक), मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज माईनमेटल्स साऊथ-ईस्ट एशिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर (व्यापारी/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह बताया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं (****) के निर्यात उससे संबंधित व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन के माध्यम से किए गए हैं।

(ii) मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह बताया है कि वह संबंधित उत्पादों की खरीददारी आपूर्तिकर्ताओं से करता है और अपने संबंधित पुनःविक्रेता मेसर्ज माईनमेटल्स साऊथ-ईस्ट एशिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर के माध्यम से उनका निर्यात भारत को करता है।

(iii) मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में आगे यह भी बताया है कि उसने जांच अवधि के दौरान दो आपूर्ति कर्ताओं से संबद्ध उत्पाद की खरीददारी की थी और उनमें से एक आपूर्तिकर्ता, मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, नामक उत्पादक है।

(iv) मेसर्ज चाईना नेशनल मिनरल्स ने भी प्रश्नावली के उत्तर में यह उल्लेख किया है कि उसने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के ***मी.टन का निर्यात किया है।

(v) मेसर्ज मिनमेटल्स साऊथ-ईस्ट एशिया कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर में यह उल्लेख किया है कि उसने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के ***मी.टन का निर्यात किया है।

(vi) संयुक्त उत्तरों से यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए कुल निर्यातों में से मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन (उत्पादक) से लेकर मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन (संबंधित उत्पादक) और मेसर्ज माईनमेटल्स साऊथ-ईस्ट एशिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर (संबंधित पुनःविक्रेता) तक की निर्यात श्रृंखला का भाग केवल 17% बनता है। इस 17% भाग को संपूर्ण सूचना नहीं माना जा सकता है, क्योंकि मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन ने प्रश्नावली के उत्तर में यह स्पष्ट बताया है कि उसने संबद्ध उत्पाद की खरीददारी दो आपूर्तिकर्ताओं से की थी। मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड उनमें से एक आपूर्तिकर्ता है। दूसरे आपूर्तिकर्ता के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है और न ही उसके नाम का पता है। चूंकि मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड ने अज्ञात उत्पादक/आपूर्तिकर्ता, जिनके नाम तक नहीं बताए गए हैं, से खरीदे गए संबद्ध उत्पाद की कुल निर्यात मात्रा में से 83% निर्यात किए हैं, इसलिए व्यापारी, मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड को विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है। दूसरे उत्पादक ने प्राधिकारी को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

43. चूंकि भारत में समग्र निर्यातों की श्रृंखला के लिए संपूर्ण सूचना रिकार्ड में उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्राधिकारी प्रयोजनार्थ तीन संबंधित कंपनियों जिनमें मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और उत्पादक/निर्यातक, मेसर्ज चीन नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज माईनमेटल्स साऊथ-ईस्ट एशिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिंगापुर शामिल हैं, के पूरे उत्तरों को खारिज करते हैं। इसलिए प्राधिकारी ऐसी परिस्थिति में उन्हें पृथक् मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक), मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (व्यापारी/निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत।

44. प्रश्नावली के उत्तर, मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक), मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (व्यापारी/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर में यह देखा गया है कि उसके द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति, उससे असंबंधित व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन को की गई है, जिसने बदले में संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति, मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन को की है।

(ii) मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह बताया है कि उसने भारत को संबद्ध वस्तुओं के सीधे निर्यात नहीं किए हैं, बल्कि दो अन्य व्यापारियों/निर्यातकों नामतः मेसर्ज कडलुआन (हांगकांग) इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड, हांगकांग और मेसर्ज जिडोंग डेवलपमेंट (हांगकांग) इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से किए हैं। यह नोट किया जाता है कि हांगकांग के उक्त व्यापारियों/निर्यातकों ने अपने उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए परिशिष्ट-2 में ऐसा देखा गया है कि उसने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं।

(ii) क्योंकि उत्पादक, मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन ने परिशिष्ट-2 में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उत्पादक ने मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन और मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन के अतिरिक्त किसी अन्य व्यापारी/निर्यातक के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं,

45. चूंकि समग्र मूल्य शृंखला के लिए कोई संपूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्राधिकारी उपरोक्त तीन कंपनियों जिनमें उत्पादक, मेसर्ज गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य शामिल हैं, के पूरे उत्तरों को खारिज करते हैं। इसलिए प्राधिकारी ऐसी परिस्थिति में उन्हें पृथक् मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मेसर्ज हेबल रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक), मेसर्ज हेबल सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (व्यापारी/निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत।

46. प्रश्नावली के उत्तर, मेसर्ज हेबल रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक), मेसर्ज हेबल सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (व्यापारी/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) मेसर्ज हेबल रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज हेबल सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह बताया है कि उनके द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, उनसे संबंधित व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य के माध्यम से किए जाते हैं। मेसर्ज सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य ने भी मिलियन लिंक (टिआंजिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी.टन के निर्यात किए हैं।

(ii) मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड ने प्रश्नावली के उत्तर में यह बताया है कि भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, मेसर्ज मिलियन लिंक (टिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य नामक अन्य व्यापारी/निर्यातक कंपनी के माध्यम से किए गए हैं।

(iii) मिलियन लिंक (टिआंजिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड तथा सीएनबीएम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, चीन नामक एक और व्यापारी कंपनी ने भी उत्तर प्रस्तुत किए हैं।

(iv) मिलियन लिंक (टिआंजिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड तथा सीएनबीएम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, चीन ने यह प्रकट किया है कि कथित व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक कंपनी है।

(v) इसके अतिरिक्त मेसर्ज बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य ने यह सूचित किया है कि संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, केवल एक कंपनी नामतः मेसर्ज मिलियन लिंक (टिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी

गणराज्य के माध्यम से किए गए हैं और भारत को निर्यात के अन्य माध्यम सीएनबीएम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, चीन के बारे में कोई सूचना नहीं है।

(vi) यह भी नोट किया जाता है कि उपरोक्त उत्पादकों और व्यापारियों/निर्यातकों में से किसी ने भी प्रश्नावली के अपने उत्तरों के एक भाग के रूप में परिशिष्ट-2 में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और उनके द्वारा परिशिष्ट-2 में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में प्राधिकारी इस स्थिति में नहीं है कि वे उनके द्वारा भारत को संबद्ध वस्तुओं के लिए गए निर्यातों को सहयोजित और अभिज्ञात कर सकें।

(vii) उनके द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर यह देखा गया है कि व्यापारी, मेसर्स बेजिंग रिसुन होंग्याई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन ने प्राधिकारी से प्रमुख सूचना को छिपा कर रखा है और उसने अपनी समस्त अधिप्राप्ति/उत्पादन तथा भारत को निर्यात विक्रयों की सम्पूर्ण सूचना रिकार्ड में नहीं दी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या उत्पादक, मेसर्स हेबेल रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्स हेबेल सीएनसी रिसुन कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य ने मेसर्स टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य के अतिरिक्त किसी अन्य व्यापारी/निर्यातक के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं।

47. चूंकि समग्र मूल्य श्रृंखला के लिए कोई संपूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्राधिकारी उपरोक्त तीन कंपनियों जिनमें उत्पादक, मेसर्स गुक्सिआन जिनहुआ कोकिंग लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और व्यापारी/निर्यातक, मेसर्स टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्स हंगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य शामिल हैं, के पूरे उत्तरों को खारिज करते हैं। इसलिए प्राधिकारी ऐसी परिस्थिति में उन्हें पृथक् मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मै. हेबेई युझाउ कोल कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक) और मै. तियाजिन ताइजिन इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन. गण. (व्यापारी/निर्यातक)

48. प्रश्नावली के उत्तर, मै. हेबेई युझाउ कोल कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक) और मै. तियाजिन ताइजिन इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन. गण. (व्यापारी/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) उत्पादक मै. हेबेई युझाउ कोल कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. ने अपने उत्तर में बताया है कि उसके द्वारा उत्पादित और संबंधित व्यापारी/निर्यातक मै. तियाजिन ताइजिन इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन. गण. के माध्यम से निर्यातित हैं।

(ii) इस व्यापारी/निर्यातक ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में बताया है कि भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यातक एक अन्य व्यापारी/निर्यातक आईएमआर मेटलर्जिकल रिसोर्सेस एजी, स्वीटजरलैंड के जरिए किया गया है।

(iii) तथापि, यह नोट किया जाता है कि स्वीटजरलैंड से उक्त व्यापारी/निर्यातक ने अपना उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

49. चूंकि पूरी मूल्य श्रृंखला के लिए पूरी सूचना नहीं है, इसलिए प्राधिकारी उक्त दो कंपनियों जिसमें उत्पादक मै. हेबेई युझाउ कोल कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण. और व्यापारी/निर्यातक मै. तियाजिन ताइजिन इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन. गण. शामिल हैं, के पूरे उत्तर को अस्वीकार करते हैं। अतः प्राधिकारी इस स्थिति में उन्हें अलग मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मै. मिलियन लिंक (तिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन. गण. और मै. मिलियन लिंक (चाइना) इन्वेस्टमेंट लि., चीन जन. गण. (व्यापारी/निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत

50. प्रश्नावली के उत्तर, मै. मिलियन लिंक (तिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., और मै. मिलियन लिंक (चाइना) इन्वेस्टमेंट लि. द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) व्यापारी/निर्यातक मै. मिलियन लिंक (तिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., और मै. मिलियन लिंक (चाइना) इन्वेस्टमेंट लि. ने अपने उत्तर में बताया है कि उनके द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु को बारह व्यापारियों/निर्यातकों और उत्पादकों से लिया/खरीदा गया है।

(ii) व्यापारी मै. मिलियन लिंक (चाइना) इन्वेस्टमेंट लि. के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि उसने भी टिआन्जिन टेक्सटाईल्स इंडस्ट्रियल सप्लाय एंड सेल्स कंपनी लिमिटेड नामक एक अन्य व्यापारी कंपनी से अधिप्राप्त की गई वस्तुओं के सीधे निर्यात किए हैं।

(iii) तथापि, यह नोट किया जाता है कि सभी तरह व्यापारियों/निर्यातकों से कोई उत्तर नहीं मिला है। यह भी नोट किया जाता है कि पूर्वोक्त व्यापारियों/निर्यातकों ने यह भी विनिर्दिष्ट नहीं किया है कि उन्होंने भारत को निर्यात की गई मात्रा में प्रत्येक व्यापारी/निर्यातक से कितनी मात्रा को प्राप्त किया/खरीदा है।

51. चूंकि पूरी मूल्य श्रृंखला के लिए पूरी सूचना नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने उक्त दो कंपनियों जिसमें मै. मिलियन लिंक (तिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन. गण. और मै. मिलियन लिंक (चाइना) इन्वेस्टमेंट लि., चीन जन. गण. शामिल हैं, के पूरे उत्तर को अस्वीकार करते हैं। अतः प्राधिकारी इस स्थिति में उन्हें अलग मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मै. सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जन. गण. (व्यापारी/निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत

52. प्रश्नावली के उत्तर, मै. सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जन. गण. (व्यापारी/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) व्यापारी ने अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि उसके द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु को ग्यारह व्यापारी/निर्यातक और उत्पादकों से ली गई/खरीदी गई है। तथापि यह नोट किया जाता है कि सभी ग्यारह व्यापारियों/निर्यातकों और उत्पादकों से कोई उत्तर नहीं मिला है।

(ii) इसके अलावा, जॉच अवधि में सीएनबीएम इंटरनेशनल द्वारा भारत को चार व्यापारियों/निर्यातकों अर्थात् मै. जो यी रिसोर्सेज पीटीई लि., सिंगापुर, मै. हुईहाई ग्रुप लिमिटेड, हांगकांग, मै. अवानी रिसोर्सेज पीटीई लि., सिंगापुर और मै. आईएमआर मेटलर्जिकल रिसोर्सेज एजी, स्वीटजरलैंड के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया गया है।

(iii) तथापि, इन चार व्यापारियों द्वारा अब तक कोई उत्तर नहीं दिया गया है।

(iv) यह भी नोट किया जाता है कि पूर्वोक्त व्यापारियों/निर्यातकों ने यह भी विनिर्दिष्ट नहीं किया है कि उन्होंने भारत को निर्यात की गई मात्रा में प्रत्येक व्यापारी/निर्यातक से कितनी मात्रा को प्राप्त किया/खरीदा है।

53. चूंकि पूरी मूल्य श्रृंखला के लिए पूरी सूचना नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने मै. सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पोरेशन के पूरे उत्तर को अस्वीकार करते हैं। अतः प्राधिकारी इस स्थिति में उन्हें अलग मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मै. तिआनजिन लिटोंग एनर्जी डेवलेपमेंट कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक और व्यापारी/निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत

54. प्रश्नावली के उत्तर, मै. तिआनजिन लिटोंग एनर्जी डेवलेपमेंट कं. लि., द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

(i) उत्पादक ने यह उल्लेख किया है कि उसके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु असंबंधित व्यापारियों/निर्यातकों मै. जीआरटी होल्डिंग पीटीई लि., सिंगापुर, मै. काइलुआन (हांगकांग) इंटरनेशनल कं. लि. हांगकांग और नोबल रिसोर्सेज इंटरनेशनल पीटीई लि. सिंगापुर के जरिए निर्यात की गई है।

(ii) तथापि, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक के रूप में उत्तर के भाग के रूप में मै. जीआरटी होल्डिंग पीटीई लि., सिंगापुर के परिशिष्ट 2 को छोड़कर उक्त व्यापारियों/निर्यातकों ने अपना उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(iii) यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादक मै. तिआनजिन लिटोंग एनर्जी डेवलेपमेंट कं. लि. ने निर्यातक मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जन. गण. के जरिए भी वस्तु *** का निर्यात किया है। सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से यह तथ्य ध्यान में आया है। तथापि, इस तथ्य का प्रकटन उत्पादक ने अपने उत्तर में नहीं किया है।

55. चूंकि पूरी मूल्य श्रृंखला के लिए पूरी सूचना नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने उत्पादक और व्यापारी/निर्यातक मै. तिआनजिन लिटोंग एनर्जी डेवलेपमेंट कं. लि. के पूरे उत्तर को अस्वीकार करते हैं। अतः प्राधिकारी इस स्थिति में उन्हें अलग मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जन. गण., मै. सिनोकैम इंटरनेशनल (ओवरसीज) पीटीई लि. सिंगापुर और स्टील मोंट ट्रेडिंग लि., यूनाइटेड किंगडम मै. और तिआनजिन झिनचुआन मिनरल ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण. (व्यापारी/निर्यातक) के लिए निर्यात कीमत

56. प्रश्नावली के उत्तर, मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जन. गण., मै. सिनोकैम इंटरनेशनल (ओवरसीज) पीटीई लि. सिंगापुर और स्टील मोंट ट्रेडिंग लि., यूनाइटेड किंगडम मै. और तिआनजिन झिनचुआन मिनरल ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण (व्यापारी/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

- (i) व्यापारी/निर्यातक, मेसर्ज सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जनवादी गणराज्य ने अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि भारत को निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं की अधिप्राप्ति/प्राप्ति तीन कंपनियों से की गई थी, जिनके नाम इस प्रकार हैं: टिआनजिन टाईजिन इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (व्यापारी), टिआनजिन लिटोंग इनर्जी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और टिआनजिन किसनचुआन मिनरल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (व्यापारी)।
- (ii) मेसर्ज सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन ने मेसर्ज सिनोकैम इंटरनेशनल (ऑवरसीज) प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर और स्टील मोन्ट ट्रेडिंग लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम नामक व्यापारियों/निर्यातकों के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं।
- (iii) मेसर्ज टिआनजिन किसनचुआन मिनरल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य ने भी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। तथापि, उसने न तो अपने उत्पादकों/निर्यातकों के नाम प्रकट किए हैं और न ही ऐसे उत्पादकों/आपूर्तिकर्ताओं के लिए रिकार्ड पर कोई उत्तर प्रस्तुत किया है।
- (iv) इसके अतिरिक्त मेसर्ज सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन द्वारा प्रकट की गई टिआनजिन टाईजिन इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (व्यापारी) और टिआनजिन लिटोंग इनर्जी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड नामक उपरोक्त दो अन्य कंपनियों ने अपने उत्तरों में कहीं भी ऐसा उल्लेख नहीं किया है कि उन्होंने मेसर्ज सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन को संबद्ध वस्तुएं बेची हैं।

57. चूंकि पूरी मूल्य श्रृंखला के लिए पूरी सूचना नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारी/निर्यातक मै. तिआनजिन लिटोंग इनर्जी डेवलपमेंट कं. लि., मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन, चीन जन. गण., मै. सिनोकैम इंटरनेशनल (ओवरसीज) पीटीई लि. सिंगापुर और स्टील मोंट ट्रेडिंग लि., यूनाइटेड किंगडम के पूरे उत्तर को अस्वीकार करते हैं। अतः प्राधिकारी इस स्थिति में उन्हें अलग मार्जिन देने की स्थिति में नहीं हैं।

चीन जन. गण से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

58. प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन. गण. से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। तदनुसार, चीन जन. गण. से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत को नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

आस्ट्रेलिया के लिए निर्यात कीमत

59. मेसर्ज ब्लू स्कॉप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर में यह देखा गया है कि भारत को की गई समस्त निर्यात बिक्रियां (2,00,508 मी.टन), मेसर्ज रिसोरसिज इंटरनेशनल इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर नामक व्यापारी के माध्यम से की गई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि न तो मेसर्ज ब्लू स्कॉप स्टील प्राईवेट लिमिटेड ने मेसर्ज रिसोरसिज इंटरनेशनल इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर नामक इस व्यापारी की ओर से कोई उत्तर प्रस्तुत किया है और न ही इस व्यापारी ने कोई सीधा उत्तर दिया है। प्राधिकारी ने निर्यातक के ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए उत्पादक को पर्याप्त अवसर प्रदान किए थे, लेकिन निर्यातक के लिए उसे कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। चूंकि भारतीय ग्राहकों तक पूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए ऐसी सूचना अत्यावश्यक है, नॉबल रिसोर्सिज द्वारा भारतीय ग्राहकों को निर्यात करते समय दावा किए गए समायोजन, ऐसी बिक्रियों की शर्तें आदि जांच के लिए उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए प्राधिकारी मेसर्ज ब्लू स्कॉप स्टील (एआईएस) प्राईवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया नामक उत्पादक के संबंध में उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर विशेष पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने की स्थिति में नहीं है और उसे असहयोगी मानते हैं।

आस्ट्रेलिया से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

60. प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आस्ट्रेलिया से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। तदनुसार, आस्ट्रेलिया से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत को नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन

61. ऊपर यथा-निर्धारित संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए समग्र रूप से संबद्ध वस्तु के लिए पाटन मार्जिन को निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी उच्च है।

पाटन मार्जिन तालिका

देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		अम.डा./एमटी	अम.डा./एमटी	अम.डा./एमटी	%	% रेंज
चीन जन. गण.	सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	55-65
आस्ट्रेलिया	सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	20-30

६ क्षति निर्धारण**घरेलू उद्योग के विचार**

62. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- (i) संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में न केवल समग्र रूप से बल्कि कुल आयातों के प्रतिशत रूप में और भारत में घरेलू उत्पादन और कुल मांग की तुलना में भी वृद्धि हुई है।
- (ii) घरेलू कीमतों में संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में गिरावट के कारण क्षति जाँच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।
- (iii) घरेलू विक्रियों के बाजार हिस्से में क्षति जाँच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।
- (iv) घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में क्षति जाँच अवधि के दौरान काफी कमी आई है।
- (v) बिक्री मात्रा और बिक्री में क्षति जाँच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।
- (vi) लाभप्रदता, नकद प्रवाह और नियोजित पूंजी पर आय की दर पर क्षति जाँच अवधि के दौरान गंभीर प्रभाव पड़ा है।
- (vii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक के लिए सकारात्मक कीमत कटौती और काफी कम कीमत पर बिक्री होती रही है।
- (viii) संबद्ध वस्तु की मालसूचियों में क्षति जाँच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।
- (ix) घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित किए गए कर्मचारियों की संख्या क्षति जाँच अवधि के दौरान कम हुई है। इसी प्रकार, मजदूरी में भी पूर्ववर्ती वर्ष 2012-13 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान कमी आई है।
- (x) क्षति जाँच अवधि के दौरान उत्पादकता में भी कमी आई है। पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर भी जाँच अवधि में प्रभाव पड़ा है।
- (xi) हितबद्ध पक्षों के अनुरोध विरोधाभासी हैं, क्योंकि एक ओर उन्होंने बताया कि क्षति विश्लेषण सभी उत्पादकों के लिए किया जाए और दूसरी ओर उन्होंने कहा है कि एक उत्पादक के घाटों को पूरे घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि के रूप में नहीं माना जा सकता है। यह अनुरोध किया जाता है कि क्षति का विश्लेषण यथा परिभाषित घरेलू उद्योग को बनाने वाले सभी उत्पादकों के लिए किया जाना चाहिए और न कि उनके सुझाए गए अनुसार एकल उत्पादक के लिए।

आयातकों/उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

63. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- (i) आयात मात्रा, मांग और बाजार हिस्से को सही ढंग से निर्धारित नहीं किया गया है। ऐसा लगता है कि पीयूसी के आयात के संबंध में मात्रा का गलत ढंग से निर्धारण किया गया है क्योंकि ऐसा कोई संकेत नहीं है कि याचिकाकर्ताओं ने पीयूसी की उस मात्रा को बाहर रखा है यदि मेट कोक का उत्पादन करने वाली कंपनियों द्वारा उसका आयात उनकी आबद्ध खपत के लिए किया गया है।
- (ii) घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट पाटित आयातों के कारण नहीं बल्कि कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट के कारण आई है। घरेलू उद्योग की लागत बढ़ रही है क्योंकि उनकी स्थिर लागतें (जनशक्ति की लागत, आंतरिक परिवहन लागत) काफी अधिक हैं। ऐसा लगता है कि घाटें गुजरात एनआई कोक लि. के परिणामस्वरूप हुए हैं। एक कंपनी के घाटों को पूरे घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- (iii) क्षमता उपयोग पूरी क्षति अवधि में लगातार कम रहा है। इससे संकेत मिलता है कि घाटों में वृद्धि पीयूसी के आयातों के कारण नहीं बल्कि घरेलू उद्योग की अक्षमताओं के कारण हुई है। क्षमता में गिरावट आयातों के कारण नहीं अपितु उनकी अक्षमता के कारण हुई है।
- (iv) उत्पादन की पद्धति में अक्षमता के कारण घाटे हो रहे हैं। घरेलू उत्पादक उत्तम गुणवत्ता का मेट कोक उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं और वे इस्पात, फेरो-अलाय और लोहे के उत्पादकों की मांग को पूरा नहीं कर सकते हैं।
- (v) मेट कोक की अंतरदेशीय भाड़ा लागत काफी अधिक है जिससे मेट कोक के प्रयोक्ता घरेलू उत्पादकों से उसे प्राप्त करने के प्रति हतोत्साहित होते हैं।
- (vi) शुल्क लगाने से द्वितीयक उत्पादकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा और यह कि उससे द्वितीयक उत्पादकों के लिए लागत में वृद्धि हो जाएगी। इससे निचले क्रम के उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रयोक्ताओं की लागत बढ़ जाएगी। उच्च कार्बन फेरो क्रोम उद्योग निर्यात प्रधान उद्योग है और शुल्क लागू होने से उसकी लागत और कीमतों पर प्रभाव पड़ेगा और उनके निर्यातों में कमी आएगी।
- (vii) मेट कोक की बढ़ती हुई आपूर्ति की जरूरत को घरेलू उद्योग द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता है। यह मेक इन इंडिया के लिए बहुत बड़ा आघात होगा।
- (viii) याचिकाकर्ताओं ने इस आधार पर कम कीमत पर बिक्री का आरोप लगाया है कि पंधुच कीमत एनआईपी से काफी कम रही हैं। तथापि, एनआईपी की रेंज और एनआईपी के निर्धारण की पद्धति और किसी गणना का कोई उल्लेख नहीं है। प्राधिकारी को मेट कोक के उत्पादन के दौरान ताप का इस्तेमाल करने अथवा सृजित किसी भी अन्य उप-उत्पाद के इस्तेमाल को ध्यान में रखना चाहिए। उसे संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत के परिकलन से समायोजित किया जाना चाहिए।
- (ix) घरेलू उद्योग द्वारा पीयूसी का कुल उत्पादन भारत में घरेलू बाजार में पीयूसी के लिए मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह साबित करने का कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है कि घरेलू उद्योग को आस्ट्रेलिया से भारत को पीयूसी के पाटित निर्यातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- (x) याचिकाकर्ताओं का घटता हुआ बाजार हिस्सा घरेलू बाजार में पीयूसी की बढ़ती हुई मांग कारण है। यद्यपि भारत में घरेलू बाजार में कई वर्षों के दौरान पीयूसी की मांग में वृद्धि हुई है, तथापि याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता लगभग एकसमान रही है और अप्रैल 11- मार्च 12 से जॉच अवधि में मामूली वृद्धि हुई है।
- (xi) याचिकाकर्ताओं ने गलत बिक्री मात्रा और मूल्य के परिदृश्य को प्रस्तुत करने के लिए पीयूसी के दो बिल्कुल अलग बाजारों को पूर्णरूप से मिश्रित कर दिया है।
- (xii) मजदूरी के संबंध में याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदत्त आकड़े घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी आरोपों का पूर्णतः खंडन करते हैं। समीक्षाधीन वर्षों में मजदूरी में वृद्धि हुई है।

- (xiii) आस्ट्रेलिया से आयातों और भारतीय घरेलू उद्योग की स्थिति के बीच में कारणात्मक संबंध बिल्कुल नहीं है। आस्ट्रेलिया से कथित पाटित आयातों से कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
- (xiv) भारत में घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की अत्यधिक मांग है और उसकी आपूर्ति की कमी है। याचिकादाता संबद्ध देशों से निर्यातों और उनसे घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति के बीच कारणात्मक संबंध प्रमाणित करने में बुरी तरह से विफल रहे हैं। याचिकादाताओं ने अपनी याचिका में विरोधात्मक रवैया अपनाया है, जिसमें उन्होंने जापान और यूकेराइन को बाहर रखा है, जबकि उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को पर्याप्त निर्यात किए हैं।
- (xv) नियोजित पूंजी पर 22% का प्रतिलाभ बहुताधिक है और इस प्रकार नियोजित पूंजी पर 22% के प्रतिलाभ को अपना कर निर्धारित की गई क्षति-रहित कीमत बहुताधिक होगी और यह वास्तविक स्थिति पर आधारित नहीं होगी।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

64. अनुबंध-II के साथ पाटित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

65. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कि पाटित के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

66. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

67. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले ऐसे संकेतकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर संबंधित नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार विचार किया है।

संचयी आकलन

68. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- (i) प्रत्येक देश/क्षेत्र से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत है या अलग देशों के निर्यात 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक बनता है; तथा

- (ii) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

69. वर्तमान मामले में:-

- (i) बद्ध देशों में से प्रत्येक से पाटन का मार्जिन ऊपर विहित सीमाओं से अधिक है;
- (ii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयातों की मात्रा ऊपर विहित सीमाओं से अधिक है; और
- (iii) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा बेची जाने वाली समान वस्तु से सीधे परस्पर प्रतिस्पर्धा करती हैं। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में संचयी आकलन पर प्रश्न उठाते हुए किसी हितबद्ध पक्षद्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

70. उक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी संबद्ध देशों से पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित समझते हैं।

मांग और बाजार हिस्सा

71. संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग का आकलन करने के प्रयोजनार्थ, घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को भारत में कुल आयातों के साथ जोड़ा गया है और उसका सारांश नीचे दिया गया है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 - जून 15 (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से आयात (एमटी)	885453	170660	2082383	2531464
आस्ट्रेलिया से आयात (एमटी)	208007	40028	230896	233456
चीन से आयात (एमटी)	677446	130632	1851487	2298008
अन्य देशों से आयात (एमटी)	1421684	2963489	1843742	889330
कुल आयात (एमटी)	2307137	3134149	3926125	3420794
घरेलू उद्योग की बिक्रियां (एमटी)	916027	1449781	1009658	904747
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्रियां (एमटी)	1220164	916452	673997	755872
कुल घरेलू बिक्रियां (एमटी)	2136191	2366233	1683655	1660619
अन्य घरेलू उत्पादकों, जो आयातक हैं की बिक्रियां (एमटी)	411000	463000	889000	857000
कुल मांग (एमटी)	4854328	5963382	6498780	5938413

72. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की समग्र मांग क्षति जॉच अवधि के दौरान बढी है।

पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

73. पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभावों के संबंध में, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने आईबीआईएस से प्राप्त आयात आकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 – जून 15 (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से आयात मात्रा (एमटी)	885453	170660	2082383	2531464
संबद्ध देशों से आयातों की प्रवृत्ति	100	19	235	286
अन्य देशों से आयात (एमटी)	1421684	2963489	1843742	889330
अन्य देशों से आयातों की प्रवृत्ति	100	208	130	63
कुल आयात	2307137	3134149	3926125	3420794
कुल आयातों की प्रवृत्ति	100	136	170	148
कुल आयातों में संबद्ध देशों का % हिस्सा	38%	5%	53%	74%
कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से की प्रवृत्ति	100	14	138	193
कुल आयातों में अन्य देशों का % हिस्सा	62%	95%	47%	26%

74. उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में पीओआई में भारी वृद्धि हुई है और 2012-13 की तुलना में में पीओआई में 15 गुना की वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में आधार वर्ष 2011-12 में 38 प्रतिशत से 74 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सापेक्ष रूप से आयात

75. खपत और उत्पादन के संबंध में आयातों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 – जून 15 (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से आयात (एमटी)	885453	170660	2082383	2531464
कुल घरेलू उत्पादन (एमटी)	1623436	1724319	1206650	1041819
कुल घरेलू उत्पादन में संबद्ध देशों का % हिस्सा	55%	10%	173%	243%
कुल मांग (एमटी)	4854328	5963382	6498780	5938413
कुल मांग में संबद्ध देशों का % हिस्सा	18%	3%	32%	43%

76. यह नोट किया जाता है कि आयातों में उत्पादन और खपत की दृष्टि से क्षति जॉच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।

आयातों का कीमत प्रभाव

77. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जॉच कीमत कटौती, कीमत ह्रास और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

कीमत कटौती

78. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है।

देश	जॉच अवधि
घरेलू बिक्री कीमत (रु/एमटी)	****
पहुंच मूल्य (रु/एमटी)	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	****
चीन	****
औसत	****
कीमत कटौती (रु/एमटी)	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	****
चीन	****
औसत	****
कीमत कटौती (%)	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	****
चीन	****
औसत	****

कीमत कटौती (%) - रेंज	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	-2%-10%
चीन	1%-10%
औसत	1%-10%

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों संबद्ध देशों से कीमत कटौती सकारात्मक है।

कम कीमत पर बिक्री

80. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा झेली गई कम कीमत पर बिक्री की भी निम्नानुसार जाँच की है:

देश	जाँच अवधि
वांछनीय बिक्री कीमत (रू./एमटी)/एनआईपी	****
पहुँच मूल्य (रू./एमटी)	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	****
चीन	****
औसत	****
कम कीमत पर बिक्री (रू./एमटी)	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	****
चीन	****
औसत	****

कम कीमत पर बिक्री (%)	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	****
चीन	****
औसत	****
कम कीमत पर बिक्री (%)—रेंज	
संबद्ध देश	
आस्ट्रेलिया	5-15%
चीन	10-20%
औसत	10-20%

81. उक्त तालिका से नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के भारी पाटित आयातों के कारण प्रत्येक संबद्ध देश से काफी अधिक कम कीमत पर बिक्री हुई है। कम कीमत पर बिक्री के इस उच्च स्तर से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति के सभी मापदंडों के संबंध में क्षति हुई है।

कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

82. इस बात को निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास या न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में काफी हद तक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है।

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 – जून 15
पहुंच मूल्य रुपये/एमटी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	98	74	59
घरेलू बिक्री कीमत रुपये/एमटी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	92	78	78
लागत रुपये/एमटी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	91	121	104

83. तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों में संबद्ध देशों से आयातों के निरंतर दबाव के कारण आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में पीओआई में भारी गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू कीमतें कम रही हैं। यह भी देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की लागत में क्षति जॉच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है यद्यपि वह मामूली है, घरेलू

उद्योग को पाटित कीमतों की संबद्ध देशों से आयातों की मौजूदगी के कारण अपनी कीमतों से वृद्धि करने से रोका है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की कीमतों में भी हास हुआ है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक प्राचल

84. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

85. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :-

i. घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग

86. घरेलू उद्योग का उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग को निम्नानुसार बताया गया है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 – जून 15(वार्षिकीकृत)
क्षमता (एमटी)	3094000	3163000	3298000	3348000
कुल उत्पादन (एमटी) पीयूसी	1623436	1724319	1206650	1041819
क्षमता उपयोग %	52%	55%	37%	31%
घरेलू उद्योग की बिक्रियां (एमटी)	916027	1449781	1009658	904747

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और वह क्षति जॉच अवधि के दौरान काफी कम हो गया है।

88. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्रियां आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में 2012-13 में बढ़ी है, तथापि पीओआई में उसमें की भारी कमी आई है और उसके साथ बिक्री कीमत भी कम हुई है जिससे घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है।

ii. बाजार हिस्सा

89. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की निम्नानुसार जॉच की गई है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 – जून 15 (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग की बिक्रियां (एमटी)	916027	1449781	1009658	904747
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्रियां (एमटी)	1220164	916452	673997	755872
कुल घरेलू बिक्रियां (एमटी)	2136191	2366233	1683655	1660619
अन्य घरेलू उत्पादक जो आयातक हैं की बिक्रियां (एमटी)	411000	463000	889000	857000

संबद्ध देशों से आयात (एमटी)	885453	170660	2082383	2531464
अन्य देशों से आयात (एमटी)	1421684	2963489	1843742	889330
कुल आयात (एमटी)	2307137	3134149	3926125	3420794
कुल मांग (एमटी)	4854328	5963382	6498780	5938413
कुल मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	19%	24%	16%	15%
मांग में घरेलू उद्योग की कुल बिक्रियों का बाजार हिस्सा	44%	40%	26%	28%
मांग में संबद्ध देशों का % हिस्सा	18%	3%	32%	43%

90. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जो कि आधार वर्ष 2011-12 में 18% से बढ़ कर, अगले वर्ष 3% हो गया और जांच अवधि में यह बढ़ कर 43% हो गया, जबकि क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से के साथ-साथ भारत में कुल घरेलू बिक्रियों में भी अत्यधिक गिरावट आई है। यह देखा गया है कि कुल मांग में 22% से भी अधिक की वृद्धि होने के बावजूद घरेलू बिक्रियों के हिस्से के बढ़ने के बजाए उसमें अत्यधिक गिरावट आई है। इससे ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातों ने भारत में मांग में संवृद्धि को न केवल हथिया लिया है, बल्कि घरेलू बिक्रियों के अत्यधिक बाजार हिस्से को भी अधिग्रहीत कर लिया है। इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

91. घरेलू उद्योग के निवेश पर आय और नकद प्रवाह के साथ बिक्री लागत, बिक्री कीमत और लाभ/हानि का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 – जून 14 (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग की बिक्री (एमटी)	916027	1449781	1009658	904747
सूचीबद्ध	100	158	110	99
बिक्री मूल्य (लाख रुपये)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	145	86	77
बिक्री कीमत – रुपये/एमटी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	92	78	78
लागत (लाख रुपये)	****	****	****	****
लागत –रुपये/एमटी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	91	121	104
लाभ (लाख रुपये)	****	****	****	****

सूचीबद्ध	-100	-128	-1002	-571
लाभ/हानि- रुपये/एमटी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	-100	-81	-909	-578
लाभ/हानि (%)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	-100	-88	-1165	-743
नियोजित पूंजी पर आय (%)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	97	-347	-171
नकद प्रवाह (लाख रुपये में)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	-100	-154	-2064	-1101

92. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पीओआई में लागत के स्तर से कम है और संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण पीओआई में घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है।

93. घरेलू उद्योग को भी क्षति हुई है क्योंकि भारी नकद घाटा हुआ है और इसके अलावा पीओआई में निवेशपर आय भी काफी ऋणात्मक है।

iii. मालसूची

94. संबद्ध वस्तु की मालसूची से संबंधित आकड़े निम्नांकित तालिका में दर्शाये गये हैं:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 - जून 14
आरंभिक स्टॉक (एमटी)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	137	153	170
अंतिम स्टॉक (एमटी)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	112	124	139
औसत स्टॉक (एमटी)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	122	136	152

95. उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के स्टॉक में आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में जॉच अवधि में काफी वृद्धि हुई है।

iv. रोजगार और मजदूरी

96. रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जॉच अवधि अप्रैल 14 - जून 14 (वार्षिकीकृत)
कर्मचारियों की संख्या	****	****	****	****

सूचीबद्ध	100	98	87	77
कुल मजदूरी (लाख रुपये)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	120	101	104

97. यह देखा जाता है कि कंपनी में नियोजित कर्मचारियों की संख्या में क्षति जाँच अवधि के दौरान कमी आई है। मजदूरी में क्षति जाँच अवधि के दौरान मामूली वृद्धि हुई है।

v. उत्पादकता

98. उत्पादकता से संबंधित आकड़े निम्नानुसार दर्शाते हैं:

	अप्रैल 11-मार्च 12	अप्रैल 12- मार्च 13	अप्रैल 13 - मार्च 14	जाँच अवधि अप्रैल 14 – जून 14
उत्पादन (एमटी)	1623436	1724319	1206650	1041819
कर्मचारी	****	****	****	****
प्रति कर्मचारी उत्पादन (एमटी)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	108	85	84

99. यह नोट किया जाता है कि जाँच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में गिरावट आई है।

पाटन की मात्रा

100. पाटन की मात्रा, जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने की पाटित आयातों की क्षमता की सीमा के संकेतक के रूप में है, दर्शाती है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी उच्च हैं।

vi. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

101. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है और वर्तमान में और निकट भविष्य में निवेश प्रतिबंधित हुए हैं। नकारात्मक लाभप्रदता से नकद प्रवाह कम हो गया है और कोई आय न होना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता को पाटित आयातों से खतरा है।

vii. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

102. संबद्ध देशों से आयात कीमतों, लागत संरचना में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक जिनकी वजह से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं की जाँच से पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षतिरहित कीमत से कम रहा है, जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है। उत्पाद की मांग घरेलू उद्योग की कीमत में हास का कारण नहीं है। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी एकमात्र कारक उत्पाद की आयात कीमतें हैं और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है। जैसा कि सूचना से पता चलता है कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुक्रम में अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं कर पा रहा है।

viii. वृद्धि

103. घरेलू उद्योग की वृद्धि प्रतिकूल हैं क्योंकि बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, मालसूचियों, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह आदि जैसे सभी मापदंडों के संबंध में वृद्धि जाँच अवधि के दौरान काफी नकारात्मक रही है।

ix. वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

104. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव की जाँच करने के बाद यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप से और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है। अनंतिम रूप से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बिक्रियों और बाजार हिस्से में गिरावट, उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट, मालसूची में वृद्धि, कर्मचारियों की संख्या में कमी, घरेलू बिक्री कीमतों में कमी, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री, भारी घाटे, निवेशों पर काफी नकारात्मक आय और भारी नकद घाटे उठाने पड़े हैं। इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

105. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की मौजूदगी, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास और न्यूनीकरण प्रभावों के तौर पर पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों, भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मापदंडों की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जाँच की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें

106. यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों कंबोडिया, जापान, यूरोपीय संघ, रूस और यूक्रेन से आयात भी जाँच अवधि में न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं। तथापि इन देशों से आयात अपाटित कीमतों पर हुए हैं और यह कि इन देशों से कीमतें संबद्ध देशों में से प्रत्येक से निर्यात कीमतों की तुलना में काफी अधिक हैं। सभी अन्य स्रोतों से संबद्ध वस्तु के आयात जाँच अवधि के दौरान न्यूनतम सीमा से कम रहे हैं। इस प्रकार आयात आकड़ों के आधार पर यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से आयात पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं और यह न्यूनतम सीमाओं से अधिक हैं और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का कारण हैं।

ख) मांग में संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

107. जैसा पहले नोट किया गया है, क्षति जाँच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है। इसलिए मांग में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

ग) प्रौद्योगिकी में विकास

108. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के संबंध में प्रौद्योगिकी संबंधी कोई मुद्दा नहीं है और इसलिए पीयूसी के उत्पादन के लिए प्रयुक्त प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाला कारक नहीं है।

घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

109. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात कार्यनिष्पादन

110. प्राधिकारी द्वारा जाँच की गई क्षति संबंधी सूचना केवल घरेलू प्रचालनों के लिए हैं और इसलिए निर्यात कार्यनिष्पादन के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

111. यह नोट किया जाता है कि क्षति जाँच अवधि के दौरान उसी अवधि में पाटित आयातों में भारी वृद्धि के कारण ही उत्पादकता में गिरावट आई है क्योंकि घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु को बेचने की स्थिति में नहीं था अन्यथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हो सकती थी। इस प्रकार घरेलू उद्योग की उत्पादकता पर केवल पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण प्रभाव पड़ा है।

112. इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने अन्य कारणात्मक संबंधों के बारे में किए गए निवेदनों की भी जांच की है, जैसे कि मेट कोक के अंतरदेशीय भाड़े की अधिक लागत होना, जो कि मेट कोक के प्रयोक्ताओं को घरेलू उत्पादकों से उसे प्राप्त करने के लिए हतोत्साहित करती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में मेट कोक के उत्पादक समस्त भारत में फैले हुए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक कंपनियां, दक्षिण क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम क्षेत्र में भी स्थापित हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह भी बताया गया है कि मेट कोक के ऐसे अनेक व्यापारी उत्पादक हैं, जो कि पूर्वी क्षेत्र में स्थित हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने अत्यधिक घरेलू भाड़ा होने के अपने दावे के समर्थन में जेएसडब्ल्यू,

सेल, टाटा, जमशेदपुर, जेएसपीएल, मोनेट आदि जैसी प्रयोक्ता कंपनियों के संयंत्रों का उल्लेख किया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी किसी भी कंपनी ने वर्तमान जांच में ऐसी किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति दायर नहीं की है। इसलिए हितबद्ध पक्षकारों के लिए यह युक्ति संगत नहीं है कि वे ऐसा तर्क दें कि ऐसा कारक, क्षति अथवा कारणात्मक कारक होने का कोई कारण है। इस प्रकार यह नोट किया गया है कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों के साथ-साथ अन्यो से ऐसा पता नहीं चलता है कि ऐसे अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। निम्नलिखित प्राचलों से पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण ही क्षति हुई है:-

(i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं।

(ii) घरेलू उद्योग को उसकी कीमतें बढ़ाने से रोका गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उठाया गया कीमत ह्रास संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण हुआ है।

(iii) घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत से भी कम कीमत पर उत्पाद को बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप भारी वित्तीय घाटा हो रहा है। आयातों द्वारा किया गया कीमत ह्रास इस प्रकार पीओआई में वित्तीय घाटों का कारण बन गया है।

(iv) घरेलू उद्योग का कार्यनिष्पादन संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बिक्रियों और बाजार हिस्से में गिरावट, उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट, मालसूची में वृद्धि, कर्मचारियों की संख्या में कमी, घरेलू बिक्री कीमतों में कमी, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री, भारी घाटे, निवेशों पर काफी नकारात्मक आय और लाभ और नकद प्रवाह के संबंध में भारी नकद घाटों के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।

113. अतः यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

क्षति मार्जिन की मात्रा

क्षति मार्जिन

114. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के लिए इस प्रकार से निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा सूचित की गई औसत कीमत के आधार निर्धारित किए गए संबद्ध देशों से निर्यात के पहुंच मूल्य से की गई है। इस प्रकार से निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :-

क्षति मार्जिन

देश	उत्पादक/निर्यातक	क्षतिरहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		अम.डा./एमटी	अम.डा./एमटी	अम.डा./एमटी	%	% रेंज
आस्ट्रेलिया	सभी	***	***	***	***	5-15
चीन जन. गण.	सभी	***	***	***	***	10-20

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

115. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन पश्चात टिप्पणियों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

- (1) यह निवेदन है कि यदि कुछ असंबंधित उत्पादकों/व्यापारियों के पृथक प्रयोज्यता हैं और जो सहयोगी उत्पादक/निर्यातक हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने के संबंध में उनके निर्णय पर उनका कोई नियंत्रण नहीं रहता है, तो ऐसे सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों की संबंधित कंपनियों को दंडित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनकी निजी निर्यात शृंखला और सूचना पूरी है। वे विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन प्राप्त करने के वैध अभ्यर्थी हैं।
- (2) ऐसी स्थिति में जहां प्राधिकारी के पास एक समूह की पूरी सूचना उपलब्ध है, प्राधिकारी को ऐसे सहयोगी निर्यातकों को विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन प्रदान करना चाहिए और वे इसे पाने के लिए योग्य हैं।
- (3) प्राधिकारी ने प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना/आंकड़ों की जांच करने के लिए कोई स्थल पर जांच नहीं की है। जब उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में कोई संदेह था, तो ऐसी स्थिति में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर के बारे में बेहतर मत प्राप्त करने के लिए उनकी स्थल पर जांच करना अधिक निर्णायक होता है। प्राधिकारी द्वारा स्थल पर जा जांच करने में विफल रहने से जांच अपूर्ण है।
- (4) प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना सभी मुद्दों पर उपयुक्त नहीं है लेकिन उपयुक्त परिणाम प्राप्त करने के लिए यह पूर्ण थी। ऐसे बहुसंख्यक आंकड़े और सूचना प्रदान करते समय, जो कि हजारों पृष्ठ में निहित है और प्रश्नावली के प्रारंभिक उत्तर में एक गलती को, प्राधिकारी को भ्रम में डालने के लिए विवेचित प्रयास नहीं माना जा सकता है, जब कि प्राधिकारी ने बाद में सभी संबद्ध सूचना को प्राप्त कर लिया है और उसे स्वीकार कर लिया है।
- (5) विधि एक जांच प्राधिकारी को पूर्णतया सहयोग देने वाले उत्पादक/निर्यातक को इस आधार पर निर्यात कीमत अस्वीकृत करने की अनुमति नहीं देती है कि उसके निर्यात कारोबार ऐसे असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से किए जाते हैं, जिन्होंने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। केवल दो शर्तें ही विनिश्चित हैं, जहां उत्पादक/निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को अस्वीकार किया जा सकता है और ऐसी स्थिति में भी जांच प्राधिकारी निर्यात कीमत संरचित कर सकता है और वह उसे अस्वीकृत नहीं कर सकता है।
- (6) मेसर्स ब्लूस्कॉप स्टील (एआईएस) प्राइवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया को, जो कि प्रार्थित सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहा है, एनआरआईपीएल द्वारा सहभागिता नहीं किए जाने के कारण "कम सहायक" परिणाम स्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए। वास्तव में मेसर्स ब्लूस्कॉप ने पाटन-रोधी नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर जांच प्राधिकारी को सहयोग दिया है और उसे समस्त सूचना प्रदान की है तथा अपनी बेहतर क्षमताओं के साथ कार्य किया है। इसलिए यह अनुरोध है कि ऐसे प्रयासों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए जो कि प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों और उन हितबद्ध पक्षकारों की व्यावहारिक क्षमता से अपेक्षा की जा सकती है, ताकि जांच प्राधिकारी द्वारा की गई सभी मांगों को पूरा किया जा सके।
- (7) मेसर्स सिनोकेम इंटरनेशनल कोर्पोरेशन ने ऐसे दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत किए हैं, जिनसे पर्याप्त रूप से प्रमाणित होता है कि मेसर्स टिआन्जिन किसनचुआन मिनरल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं के आपूर्तिकर्ताओं की सूचना प्राप्त करने के लिए निरंतर पर्याप्त प्रयास किए गए हैं। जबकि मेसर्स किसनचुआन ने सहायता की है और मेसर्स सिनोकेम के माध्यम से निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं, वह ऐसे आपूर्तिकर्ताओं की सूचना प्रदान करने में समर्थ नहीं रहा है, जो कि उससे असंबंधित हैं। इसके अतिरिक्त मेसर्स किसनचुआन ने संबद्ध उत्पाद के आपूर्तिकर्ताओं की सूचना भी प्रदान की है, जिन्हें जांच अवधि के दौरान मेसर्स सिनोकेम द्वारा भारत को दुबारा बेचा गया है। इसके अतिरिक्त मेसर्स टिआन्जिन टाईजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड और मेसर्स टिआन्जिन लिटोंग एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड ने निर्यातक की प्रश्नावली के अपने उत्तरों के परिशिष्ट-1 में मेसर्स सिनोकेम को बिक्री करने के बारे में सूचित किया है, चूंकि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी कि क्या ऐसी बिक्रियां भारत को की गई हैं अथवा नहीं।
- (8) इसी तरह यह निवेदन किया जाता है कि प्राधिकारी को मेसर्स मिलियन लिंक (टिआन जिन) इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य, मेसर्स मिलियन लिंक (चीन) इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, हांग कांग, मेसर्स सीएनबीएम इंटरनेशनल कोर्पोरेशन और मेसर्स टिआन्जिन लिटोंग एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के उत्तरों को अस्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए चूंकि निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर देने में किसी असंबंधित पक्षकार के विफल रहने के फलस्वरूप कम सहायक अथवा दंडात्मक परिणाम नहीं निकाला जाना चाहिए।
- (9) यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा मेसर्स लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य, मेसर्स चाईना नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्स मिन मेटल्स साउथ-ईस्ट एशिया कापॉरेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर के संपूर्ण उत्तर को अस्वीकृत विधि और विश्व भर में विभिन्न विधिशास्त्र द्वारा अपनाई जा रही प्रथा के अनुसार नहीं है। निम्नलिखित के लिए विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन स्वीकृत किया जाना चाहिए :-

(क) मेसर्ज लिनहुआन कोकिंग एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य, मेसर्ज चाईना नेशनल मिनरल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज मिन मेटल्स साउथ-ईस्ट एशिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड, सिंगापुर द्वारा प्रस्तुत किए गए उनके उत्तरों के आधार पर विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन स्वीकृत किया जाना चाहिए।

(ख) मेसर्ज हेबेई जुझोऊ कोल केमिकल इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (उत्पादक/निर्यातक), चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज टिआन्जिन टाईजिन इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक/व्यापारी), चीन जनवादी गणराज्य को उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन स्वीकृत किया जाना चाहिए।

(ग) मेसर्ज गुक्सियान जिनहुआ कोकिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक), मेसर्ज टिआन्जिन रोंगसेन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य और मेसर्ज हांगझाऊ सीआईईसी रिसोर्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य को उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन स्वीकृत किया जाना चाहिए।

(घ) मेसर्ज हेबेई रिसुन कोकिंग लिमिटेड, हेबेई रिसुन कोकिंग लिमिटेड, मेसर्ज बेजिंग रिसुन होन्गई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य को उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन स्वीकृत किया जाना चाहिए।

(10) मेसर्ज ब्लूस्कॉप का यह निवेदन है कि ब्लूस्कॉप द्वारा भारत को निर्यात किए गए मेटल्लर्जिकल कोक के लिए (1) विशिष्ट बाजार और (2) विशिष्ट ग्राहक हैं। उसके द्वारा निर्यातित मेटल्लर्जिकल कोक, फाउंड्री कोक के बाजार से भिन्न है। ब्लूस्कॉप ऐसे बाजार के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं करता है, जिसकी आपूर्ति घरेलू उद्योग करता है और जिसे पाटन-रोधी नियमावली, 1995 के नियम 2 (ख) द्वारा शामिल किया गया है। इसलिए भारत को विचाराधीन उत्पाद के कथित पाटित निर्यात होने के कारण ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि उसके कारण इस बाजार क्षेत्र को कोई हानि हुई है, जिसकी आपूर्ति याचिकादाताओं द्वारा की जाती है,

(11) विचाराधीन उत्पाद में 12% से कम और 15% से अधिक एंश युक्त मेट कोक को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। डीजीएफटी द्वारा निर्धारित किए गए मानदंडों में ऐसा प्रावधान है कि 15 % तक एंश युक्त मेट कोक, कम एंश युक्त मेट कोक होता है। कम एंश युक्त (12.5% तक), कम फोस्फोरस (0.018 % तक) तथा कम सल्फर (0.65 % तक) अथवा कम एंश युक्त (12% तक) मेट कोक, कम नमी युक्त (5% तक), कम फोस्फोरस (0.035 % तक) तथा कम सल्फर (0.65 % तक) उससे बाहर किया जाए। स्टील का उत्पादन करने वाली कंपनियों द्वारा अपनी ब्लॉस्ट भट्टियों में प्रयुक्त किए जाने वाले लम्प कोक को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि इसका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है। ऐसा प्रेक्षण गलत है कि 15% से कम मेट के स्थान पर 15% - 18 % के बीच मेट कोक का इस्तेमाल करने से उत्पादकता कम होगी और इसकी प्रतिपूर्ति, 15% से कम एंश युक्त मेट कोक की तुलना में 15% - 18 % के बीच एंश युक्त मेट कोक की कम कीमत होने के कारण लागत में बचत होने से होगी। मेट कोक के प्रयोक्ता केवल 12.5% एंश युक्त मेट कोक का प्रयोग करते हैं और उसे बेहतर ढंग से 15% तक एंश युक्त मेट कोक के साथ मिलाते हैं। अधिक मात्रा में एंश युक्त मेट कोक का इस्तेमाल किए जाने की लागत पर उत्पादकता कम करना वाणिज्यिक रूप से अविवेकपूर्ण है। वास्तव में घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित 12.5% से कम एंश युक्त मेट कोक और प्रतिवादियों की ऐसे मेट कोक की आवश्यकता के बीच मांग-आपूर्ति में व्यापक अंतर व्याप्त है। जहां तक कि जिन मामलों में पिग ऑयरन/स्टील के विनिर्माता भी घरेलू उद्योग से मेट कोक की अधिप्राप्ति करते हैं, उनमें एंश की गुणवत्ता और उसकी अपेक्षाओं में असंगति होने के संबंध में शिकायतें हुई हैं। प्राधिकारी के सही निष्कर्ष का मूल्यांकन करने के लिए प्रतिवादी 12.5% से कम एंश युक्त मेट कोक के मासिक-वार उत्पादन और विक्री आंकड़े प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकारी से निरंतर अनुरोध कर रहे हैं।

(12) मेट कोक के केप्टिव उत्पादकों को वैध रूप से घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जा सकता है। ऐसी अवधारणा का समर्थन, संयुक्त राज्य अमरीका में अपीलीय निकाय रिपोर्टों - जापान और संयुक्त राज्य अमरीका से कुछ हॉट रोलड स्टील उत्पाद - पाकिस्तान से कॉम्ब्ड सूती यार्न पर पारगमन सुरक्षा उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय निकाय द्वारा दिए गए निर्णय से होता है। घरेलू उद्योग का निर्धारण करने के लिए बंगाल एनर्जी और वीसा सनकोक लिमिटेड के उत्पादन को बाहर नहीं रखा जा सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार याचिकादाता कंपनियों के उत्पादन का अंशदान, घरेलू उत्पादन के प्रमुख अनुपात से कम बनता है तथा ये याचिकादाता जानबूझ कर प्राधिकारी को ऐसा मानने के लिए भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में उनका उत्पादन प्रमुख भाग बनता है।

(13) पिग ऑयरन विनिर्माता एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में जो कि 2000 (116) ई.एल.टी. (ट्रिब्यूनल) से संबंधित है, सीईएसटीएटी के निर्णय पर विश्वास नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ऐसा विश्व व्यापार संगठन द्वारा निर्णीत किसी पूर्वदृष्टांत के बिना आधारित था। एबी रिपोर्टों (जो कि वर्ष 2001 में जारी गई थीं) के आलोक में अब स्थिति बदल गई है और भारत विश्व व्यापार संगठन के इन निर्णयों का अनुपालन करने के लिए बाध्य है।

(14) यह मानते हुए भी कि केप्टिव उत्पादकों को घरेलू उद्योग से बाहर रखा जाना वैध है, घरेलू उद्योग की क्षति का विश्लेषण करने के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि कोई भी केप्टिव प्रयोक्ता द्वारा प्रयुक्त किए गए मेट कोक के उत्पादन, बिक्रियों और मात्रा के बारे में ब्यौरे नहीं होने की स्थिति में उसकी मांग, बाजार के हिस्से, कीमत पर प्रभाव का मूल्यांकन करने में समर्थ नहीं होगा। वास्तव में मेट कोक की मांग और उसके बाजार के हिस्से का मूल्यांकन करने के लिए केप्टिव उत्पादकों द्वारा मेट कोक की बिक्रियों को ध्यान में रखा जाना अनिवार्य है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी ने केप्टिव प्रयोग के लिए मेट कोक का उत्पादन करने वालों के संबंध में व्यापारी बाजार में घरेलू बिक्रियों और साथ ही जिनकी व्यापारी बाजार में बिक्रियां हुई हैं, उनके ब्यौरे नहीं दिए हैं।

(15) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे पिग आयरन अथवा ब्लॉस्ट भट्टियों का इस्तेमाल करने वाले विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का उपयोग करके स्टील के विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रोद्योगिकी का उपयोग करके पिग ऑयरन के विनिर्माताओं तथा फेरो विनिर्माताओं को छूट दें, जैसा कि विगत पाटन-रोधी जांच में दी गई है।

(16) बाजार आसूचना से ऐसा पता चलता है कि गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड ने आस्ट्रेलिया में अपने संबंधित प्रयोज्यता से कोयले का आयात किया है, जब कि कच्चे माल की लागतें बहुत अधिक थीं क्योंकि आस्ट्रेलिया का यह प्रयोज्यता अपने प्रचालनों को बंद करने वाला था। यह नोट किया जाना चाहिए कि गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड ने निरंतर उसी कच्चे माल का इस्तेमाल किया है। गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड को घाटे होने का कारण कोयले की अधिक कीमतें होना हो सकता है जो कि कंपनी निरंतर इस्तेमाल कर रही थी - जिसके कारण उसकी अत्यधिक लागतें हुई हैं। क्षति रहित कीमत का परिकलन करने के प्रयोजन से कच्चे माल की कीमतों का मूल्यांकन करने के लिए प्राधिकारी को गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड की अनुचित अत्यधिक लागतों को ध्यान में रखना चाहिए। यदि गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड की कीमतों को ध्यान में रखा जाता है, तो यह क्षति रहित कीमत का परिकलन करने के लिए जांच अवधि के दौरान कीमतों का उपयोग करने और न कि ऐतिहासिक कीमतों का उपयोग करने के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अधिदेश के विपरीत होगा।

(17) घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण उनकी निर्यात बिक्रियों में गिरावट आना है। ऐसा प्रतीत होता है कि गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड को हुए घाटों के परिणाम स्वरूप ही घरेलू उद्योग को घाटे हुए हैं। एक कंपनी को हुए घाटों को, समग्र घरेलू उद्योग के प्रतिनिधिक के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड के घाटे कोयले की अधिक कीमत होने के कारण हो सकते हैं और इस कंपनी ने आस्ट्रेलिया में अपने संबंधित प्रयोज्यता से आयातित कोयले का निरंतर उपयोग किया है।

घरेलू उद्योग की प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

116. घरेलू उद्योग की प्रकटन पश्चात टिप्पणियों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

(1) आवेदक उत्पादकों नामतः मेसर्ज भाटिया कोक एंड एनर्जी लिमिटेड और मेसर्ज बसुधा उद्योग प्राईवेट लिमिटेड के विद्युत संयंत्र की लागत/ऋण का समायोजन करने के बाद उनकी संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण करने के लिए यह बताया गया है कि मेट कोक की विनिर्माण प्रक्रिया में सृजित ताप से निपटने के दो तरीके हैं, अर्थात् वातावरण में ऐसे ताप को समाप्त कर दिया जाए अथवा उसे विद्युत का सृजन करने के लिए अधिग्रहीत करना। यह देखा जा सकता है कि विश्व भर में मेट कोक के व्यापारी विनिर्माता वातावरण में ऐसे ताप को समाप्त करने की प्रक्रिया को अपनाते हैं और वे ताप को अधिग्रहीत नहीं करते हैं। ऐसा इस कारण से है क्योंकि अपशिष्ट ताप विद्युत सृजन वाणिज्यिक रूप से लाभप्रद नहीं है। यह देखा जा सकता है कि विद्युत सृजन करने के लिए ताप को अधिग्रहीत करने के लिए अतिरिक्त/दूसरे विद्युत सृजन संयंत्र को स्थापित करने की आवश्यकता होती है, जिसमें उसके प्रचालन की लागत सहित अत्यधिक पूंजीगत लागत आती है, जिसमें श्रम और प्रबंधन लागत, अनुरक्षण लागत, व्याज लागत और मूल्यह्रास लागत शामिल हैं। साथ ही यह भी देखा जा सकता है कि मेट कोक का स्वतंत्र संयंत्र स्थापित किया जाए अथवा नहीं अथवा उसके साथ विद्युत सृजन संयंत्र स्थापित किया जाए या नहीं, दो स्वतंत्र निर्णय और दो स्वतंत्र संयंत्र हैं तथा इसलिए एक संयंत्र के साथ दूसरे संयंत्र की लागत या ऋण का समायोजन करना अनुपयुक्त होगा और इससे मेट कोक या विद्युत की लागत पर अनुचित प्रभाव पड़ेगा।

(2) ऐसे विभिन्न आयात कारोबार को, जिनका मूल्यांकन अनियमित रूप से किया गया है (जहां कहीं भी कीमत क्षति रहित कीमत से अधिक है), संबद्ध देशों से असहयोगी निर्यातकों के लिए पहुंच मूल्य का निर्धारण करने से अलग रखा जा सकता है। असंगतियों के कारण ऐसे

अनियमित मूल्य के कारोबार, आयात आंकड़ों में शामिल हो सकते हैं और संबद्ध देशों से अनेक कंपनियों/पक्षकारों के भारत को किए गए निर्यातों में शामिल होने के फलस्वरूप ऐसे कारोबार प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने भारत में निर्यात श्रृंखला का पता लगाने के लिए पूरी सूचना प्रदान नहीं की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात किए गए अधिकतर निवेदन आवृत्तीय प्रकृति के हैं। तथापि, प्राधिकारी ने इन मुद्दों का जितना प्रासंगिक हुआ है, उनकी उतनी जांच की है, जो कि निम्नानुसार है:-

(1) मेसर्स ब्लूस्कॉप स्टील (एआईएस) प्राइवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया के इस अनुरोध के संबंध में कि उसके उत्तर को स्वीकार किया जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि भारतीय ग्राहकों तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए अनिवार्य सूचना, भारतीय ग्राहकों को निर्यात करते समय नॉवल रिसोर्सिज द्वारा किए गए समयोजन के दावों, ऐसी बिक्रियों की शर्तों आदि के ब्यौरे जांच के लिए उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्राधिकारी, मेसर्स ब्लूस्कॉप स्टील (एआईएस) प्राइवेट लिमिटेड, आस्ट्रेलिया नामक उत्पादक के संबंध में उनके आंकड़ों के आधार पर विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने की स्थिति में नहीं है।

(2) चीन जनवादी गणराज्य से प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के इस तर्क के संबंध में कि यदि ऐसे कुछ असंबंधित उत्पादकों/व्यापारियों को जिनके पृथक प्रयोज्यता हैं और प्राधिकारी को निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने के उनके निर्णय पर सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों का कोई नियंत्रण नहीं है, दंडित नहीं किया जाना चाहिए, विशेषकर जब कि उनके संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों की निजी निर्यात श्रृंखला संपूर्ण है। वे विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन प्राप्त करने के लिए वैध अभ्यर्थी हैं। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को उत्पादकों के प्रश्नावली के उत्तरों को इस आधार पर अस्वीकृत नहीं कर दिया जाना चाहिए था कि भारत को किए गए निर्यात संबंधी संपूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं थी। हितबद्ध पक्षकारों ने इस पर बल दिया है कि विधि के अंतर्गत आवश्यकता, उत्पादकों को ऐसी आवश्यक सूचना प्रदान करने की है जो कि उनके पास उचित रूप से उपलब्ध हो। इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए जाने वाले मानकों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा आवश्यक सूचना प्रदान करने के दायित्वों का निर्वहन के बारे में विश्व व्यापार संगठन के निर्णय का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ निर्यातकों द्वारा चीन के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, भारत को किए जाने की स्थिति में ऐसे उत्पादक ऐसा दावा नहीं कर सकते हैं कि उनका निर्यातकों के साथ कोई संबंध नहीं है और वे ऐसी कंपनियों को यह नहीं कह सकते हैं कि वे निर्यात श्रृंखला को पूरा करने के लिए उत्तर प्रस्तुत करें। निर्यात श्रृंखला के पूरा नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण नहीं करते हैं।

(3) विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से किसी उत्पाद को बाहर रखने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद से किसी उत्पाद को बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। 15% - 18% के बीच तक एंश युक्त मेट कोक का उपयोग, तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से 15% से कम एंश युक्त मेट कोक के बदले किया जा सकता है। 15% से कम एंश युक्त मेट कोक के बदले 15% - 18% के बीच तक एंश युक्त मेट कोक का उपयोग करने से उत्पादकता में कमी होगी और इसकी प्रतिपूर्ति, 15% से कम एंश युक्त मेट कोक के बदले 15% - 18% के बीच तक एंश युक्त मेट कोक का उपयोग करने से उसकी कम कीमत होने के कारण होने वाली लागत की बचत से होगी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई तृतीय पक्षकार की जांच रिपोर्टों से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग से 12.5% से कम एंश युक्त मेट कोक का उत्पादन करता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कम या अधिक एंश युक्त मेट कोक का उत्पादन करने के लिए किसी विशिष्ट प्रौद्योगिकी की आवश्यकता नहीं होती है। मेट कोक का उत्पादन, कोकिंग कोयले में निहित एंश पर निर्भर करता है। कोकिंग कोयले में कम एंश होने पर निर्मित मेट कोक में भी कम एंश होगी। इसी प्रकार कोकिंग कोयले में अधिक एंश होने पर निर्मित मेट कोक में भी अधिक एंश होगी। इसलिए विचाराधीन उत्पाद में से किसी उत्पाद को बाहर रखने के लिए हितबद्ध पक्षकारों का कोई मामला नहीं बनता है। इसके अतिरिक्त डीजीएफटी द्वारा निर्धारित किए गए इनपुटन-आउटपुट मानदंड, पाटन-रोधी जांच में उत्पाद की परिभाषा पर बाध्यकारी नहीं हैं क्योंकि उनका निर्धारण भिन्न प्रयोजन के लिए किया गया है। ऐसे मेट कोक को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने के संबंध में जो कि कम एंश युक्त (12.5% तक), कम फोस्फोरस युक्त (0.018 % तक) तथा कम सल्फर युक्त (0.65 % तक) अथवा कम नमी युक्त (5% तक) है, कम फोस्फोरस (0.035 % तक) तथा कम सल्फर (0.65 % तक) है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने ऐसे पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत किए हैं, जो कि यह दर्शाते हैं कि उन्होंने उपरोक्त विवरण युक्त संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया है और उनकी आपूर्ति की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि लम्प कोक को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने का कोई मामला नहीं है। रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएं वास्तविक और तकनीकी लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और

प्रोद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा शुल्क वर्गीकरण जैसे प्राचलों की दृष्टि से तुलनीय और एक समान ही हैं। प्रयोक्ता संबद्ध देशों से पाटित वस्तुओं तथा घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं और ये दोनों वस्तुएं पारस्परिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं। मांग-पूर्ति में अंतर के संबंध में, यदि कोई है, प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि सामान्यतया पाटन-रोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन घरेलू बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा को बहाल करना है, न कि उत्पाद की उपलब्धता को प्रतिबंधित करना है। इस प्रकार विचाराधीन उत्पाद पर हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन तथा उसकी उपलब्धता को अनुचित पाया गया है। उत्पादन के मासिक-वार आंकड़े प्रदान करने के बारे में यह देखा गया है कि हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध युक्तिसंगत नहीं है।

(4) आवेदक उत्पादकों के आधार के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान आवेदन पत्र ऐसे विनिर्माताओं ने अथवा उनकी ओर से प्रस्तुत किया गया है, जो कि मेट कोक के अपने उत्पादन का विपणन कर रहे हैं/को बेच रहे हैं। यह बताया गया है कि भारत में मेट कोक के उत्पादकों की दो श्रेणियां हैं, अर्थात् केप्टिव प्रयोग के लिए मेट कोक के विनिर्माता और विपणन करने/बेचने के लिए मेट कोक के विनिर्माता। अपने केप्टिव प्रयोग के लिए मेट कोक का उत्पादन करने वाले विनिर्माता, आयातित संबद्ध वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्द्धा नहीं कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त केप्टिव खपत के उत्पादकों और बिक्री करने वाले उत्पादकों की अर्थव्यवस्था में अंतर है। केप्टिव खपत के उत्पादक, विपणन बिक्रियों, मालसूची आदि से बचत करते हैं। इसलिए केप्टिव उत्पादकों को उत्पादकों की पृथक श्रेणी माना जाता है और उन्हें घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण करते समय वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है। इस प्रकार रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के अनुसार याचिकादाताओं का उत्पादन, कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख भाग बनता है और यह भारतीय उत्पादन का 48.35% है तथा समर्थक तीन घरेलू उत्पादकों, नामतः मेसर्ज जिंदल स्टेनलैस लिमिटेड, मेसर्ज श्री अरीहंत ट्रेड लिंक्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड और मेसर्ज एन्नोर कोक लिमिटेड के साथ उनका हिस्सा 62.98% बनता है। रिकार्ड पर उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर मेसर्ज बंगाल एनर्जी और मेसर्ज वीसा सनकोक को घरेलू उद्योग से बाहर रखा जाना इसलिए यथोचित है क्योंकि उन्होंने अत्यधिक मात्राओं में संबद्ध वस्तुओं के आयात किए हैं। इस प्रकार उपरोक्त वस्तु स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि आवेदक उत्पादकों का वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग होने का आधार है।

(5) हितबद्ध पक्षकारों के ऐसे निवेदनों के संबंध में कि पिग ऑयरन विनिर्माता एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सीईएसटीएटी के निर्णय पर विश्वास नहीं किया जाता सकता है क्योंकि उस समय केप्टिव उत्पादकों को बाहर रखे जाने के बारे में संयुक्त राज्य अमरीका में अपीलीय निकाय रिपोर्टों - जापान और संयुक्त राज्य अमरीका से कुछ हॉट रोलड स्टील उत्पाद - पाकिस्तान से कॉम्ब्ड सूती यार्न पर पारगमन सुरक्षा उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय निकाय के प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं थे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच और उपरोक्त अपीलीय निकाय के प्रतिवेदनों में तथ्य पूर्णतया भिन्न हैं। घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में कोई निर्धारण नहीं किया गया था और पिग ऑयरन विनिर्माता एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सीईएसटीएटी के निर्णय से यह सुस्पष्ट हो जाता है कि केप्टिव खपत रखने वाले उत्पादकों और व्यापारी उत्पादक, उत्पादकों की विभिन्न श्रेणियां हैं और इसलिए उत्पादकों की इन दोनों श्रेणियों पर पृथक घरेलू उद्योगों के रूप में विचार किया जाए। इस प्रकार घरेलू उद्योग के आधार का निर्धारण करने के बारे में कानूनी प्रावधानों तथा माननीय ट्रिब्यूनल के निर्णय को ध्यान में रखते हुए आवेदक कंपनियां घरेलू उद्योग के आधार के मानदंड को पूरा करती हैं और वे इस जांच में घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने की पात्र हैं।

(6) संबद्ध उत्पाद की मांग का परिकलन करने के संबंध में यह देखा गया है कि व्यापारी उत्पादकों द्वारा की गई बिक्रियों के आधार पर मांग परिकलित की गई है। चूंकि केप्टिव उत्पादकों को घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में नहीं माना जाता है, इसलिए मांग का निर्धारण करने के लिए उनकी बिक्रियों पर विचार नहीं किया गया है। तथापि, यदि केप्टिव उत्पादकों की बिक्रियों को कुल मांग में शामिल किया जाता है, तो भी इस तथ्य में परिवर्तन नहीं होता है कि भारत में संबद्ध देशों से अत्यधिक पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं के निर्यात हो रहे हैं, क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है तथा घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है। वास्तव में मांग में केप्टिव उत्पादकों द्वारा की गई बिक्रियों पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग की क्षति और अधिक सुस्पष्ट होगी। इस प्रकार वर्तमान जांच में मांग के परिकलन अथवा बाजार के हिस्से के विश्लेषण में कोई असंगति नहीं है।

(7) जैसा कि विगत जांच में प्रयोक्ताओं को पाटन-रोधी शुल्क से छूट दी गई है, को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जांच में भी कुछ प्रयोक्ताओं को पाटन-रोधी शुल्क से छूट देने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय पाटन-रोधी विधि में इसका कोई कानूनी आधार नहीं है कि किसी प्रयोक्ता को पाटन-रोधी शुल्क से छूट दी जाए। किसी भी अन्य उद्योग की प्रतिस्पर्द्धा करने की क्षमता के संबंध में पाटन-रोधी शुल्क को लागू करने के प्रभाव का विश्लेषण करना, पाटन-रोधी जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जांच की परिस्थितियां भिन्न होती हैं। वर्तमान जांच, विगत जांच से स्वतंत्र है। इस समय मर्चेन्ट मेट कोक के उत्पादकों के पास ब्लॉस्ट भट्टियों के

इस्तेमाल करके पिग ऑयरन अथवा स्टील का उत्पादन करने वाले विनिर्माताओं, कोरेक्स प्रौद्योगिकी को इस्तेमाल करके पिग ऑयरन अथवा स्टील का उत्पादन करने वाले विनिर्माताओं तथा फेरो एल्वॉयस के विनिर्माताओं की मांग को पूरा करने की क्षमता विद्यमान है।

(8) गुजरात एनआरई द्वारा आस्ट्रेलिया में अपने प्रयोज्यता से कोयला खरीदने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुजरात एनआरई ने अक्टूबर, 2013 से आस्ट्रेलिया में अपने प्रयोज्यता से कोयला खरीदना/कोकिंग कोयले का आयात करना बंद कर दिया था। इसलिए ऐसे निवेदनों का कोई महत्व नहीं है कि कोयले की अधिक कीमत होने के कारण गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड को घाटे हुए हैं जो कि कंपनी निरंतर प्रयुक्त कर रही है।

(9) घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण करने के संबंध में निर्यात प्रचालनों की सूचना पर विचार नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी द्वारा जांच की गई क्षति संबंधी सूचना, केवल घरेलू प्रचालनों के लिए ही है और इसलिए निर्यात निष्पादन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(10) हितबद्ध पक्षकारों के इन निवेदनों के संबंध में कि गुजरात एनआरई कोक लिमिटेड को हुए घाटों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के सभी संघटकों की सूचना के आधार पर क्षति का विश्लेषण किया जाता है और उत्पादक अथवा घरेलू उद्योग को पृथक् करके ऐसा विश्लेषण नहीं किया जाता है।

छ. भारतीय उद्योग के हित

118. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से उत्पाद के मूल्य स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन प्रथाओं द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करना दूर किया जायेगा, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक पसंद की उपलब्धता को बनाये रखने में मदद मिलेगी। सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की गलत व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई हानि को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में स्वतंत्र और स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। अतः पाटनरोधी उपायों को लागू करने से उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयात में रुकावट नहीं आयेगी और इसलिए यह उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

ठ. निष्कर्ष और सिफारिशें

119. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध और उनमें उठाए गए मुद्दों की जाँच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :

(i) यह नोट किया जाता है कि आस्ट्रेलिया और चीन जन. गण. से पाटित आयातों में आधार वर्ष 2011-12 की तुलना में पीओआई में काफी वृद्धि हुई है, जो शुल्क की सिफारिश को न्यायोचित ठहराते हैं।

(ii) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद को सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया है। पाटन मार्जिन सकारात्मक हैं और इतनी अधिक है कि शुल्क की सिफारिश को उचित ठहराते हैं।

(iii) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(iv) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी। पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संचालित करने करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है।

121. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, इनमें से जो भी कम हो, के बराबर शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क को लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
1	27040030	लो ऐश मेटल्लर्जिकल कोक परंतु मेटल्लर्जिकल कोक जिसमें ऐश की मात्रा 18% से अधिक है के सिवा	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	25.20	मी.टन	यूएस \$
2	- वही -	- वही -	चीन जन. गण.	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	25.20	मी.टन	यूएस \$
3	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	25.20	मी.टन	यूएस \$
4	- वही -	- वही -	आस्ट्रेलिया	आस्ट्रेलिया	कोई	कोई	16.29	मी.टन	यूएस \$
5	- वही -	- वही -	आस्ट्रेलिया	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	16.29	मी.टन	यूएस \$
6	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	आस्ट्रेलिया	कोई	कोई	16.29	मी.टन	यूएस \$

* नोट: जहां भिन्न-भिन्न सीमाशुल्क अधिसूचनाओं में किसी संबद्ध देश के संबंध में संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क पर अतिव्यापन करती है, वहां उस संबद्ध देश पर लागू शुल्क सीमाशुल्क अधिसूचना के अधीन शुल्क होगा जिनमें उक्त देश को 'मूलता का देश' कालम के अंतर्गत विशिष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो।

122. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी शुल्क शामिल होंगे।

123. इस जांच परिणाम से उत्पन्न होने वाले केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा शुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th October, 2016

(FINAL FINDINGS)

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of “Low Ash Metallurgical Coke” originating in or exported from Australia and China PR-reg.

No. 14/9/2015-DGAD.—Whereas M/s. Indian Metallurgical Coke Manufacturers Association (IMCOM), on behalf of the domestic producers of “Low Ash Metallurgical Coke” in India, namely, M/s. Saurashtra Fuels Pvt. Ltd., M/s. Gujarat NRE Coke Ltd., M/s. Carbon Edge Industries Ltd., M/s. Bhatia Coke and Energy Ltd. and M/s. Basudha Udyog Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as ‘the petitioners’ or ‘the applicants’), in accordance with the CustoMs... Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the CustoMs... Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) submitted an application to the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty on the alleged dumped imports of Low Ash Metallurgical Coke (hereinafter referred to as the subject goods or Met Coke or the Product Under Consideration [PUC]), originating in or exported from Australia and China PR (hereinafter also referred to as the subject countries).

2. Whereas the Authority on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicants on behalf of the domestic industry, issued a Notification dated 30th December, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the AD Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommendation of the anti-dumping duty.

A. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed:

- (i) The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of an application before proceeding to initiate the investigation in accordance with the AD Rules.
- (ii) The Authority sent a copy of initiation notification to the embassies of subject countries in India, known producers/ exporters from the subject countries and known importers/ users/ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with the AD Rules.
- (iii) The Authority forwarded a copy of the non-confidential version of application to embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries and known importers of the subject goods, in accordance with the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.

- (iv) The embassies of the subject countries in India were also requested to advise the producers/exporters from their countries to file their responses within the prescribed time limits.
- (v) The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with the AD Rules:
 - (i) BlueScope Steel Direct Locked, Australia
 - (ii) One Steel Ltd., Australia
 - (iii) Shanghai Pacific Chemical (Group) Co. Ltd.
 - (iv) China National Coal Industry Imp & Exp Corpn.
 - (v) China National Mineral Import & Export Corpn.
 - (vi) China Iron & Steel Industry & Trade Group Corpn.
 - (vii) China National Import/ Exports Hebei Co.
 - (viii) Shanxi Coal Import Export Group Co.
 - (ix) Tianjin Kunshida International Trade Co., Ltd
 - (x) China North Industries Corpn.
 - (xi) China MINMETALS Corporation
 - (xii) Shanxi Minmetal Industrial & Trading Co., Ltd
- (vi) In response to the initiation notification, the following exporters/producers/traders from the subject countries have filed their response to exporter's questionnaire:
 - (i) M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia
 - (ii) M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China
 - (iii) M/s. China National Minerals Co., Ltd, China
 - (iv) M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore
 - (v) M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China
 - (vi) M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China
 - (vii) M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China
 - (viii) M/s. Hebei Risun Coking Limited, China
 - (ix) M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China
 - (x) M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited, China
 - (xi) M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., China
 - (xii) M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China
 - (xiii) M/s. Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd., China
 - (xiv) M/s. Million Link (China) Investment Ltd., China
 - (xv) M/s. CNBM International Corporation, China
 - (xvi) M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd., China
 - (xvii) Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd., China
 - (xviii) M/s. Sinochem International Corporation, China
 - (xix) M/s. Sinochem International (Overseas) Pte, Ltd, Singapore
 - (xx) M/s. Steel Mont Trading Ltd, United Kingdom

-
- (vii) None of the producers/exporters from China PR has claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market treatment in the present investigation.
- (viii) Questionnaires were sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
- (i) M/s. Electrosteel Castings Ltd.
 - (ii) M/s. Aparant Iron & Steel Pvt. Ltd.
 - (iii) M/s. Hindustan Zinc Ltd.
 - (iv) M/s. UshaBeltron Ltd.
 - (v) M/s. IspatMetallics India Ltd.
 - (vi) M/s. TISCO Ltd.
 - (vii) M/s. Kalyani Ferrous India Ltd.
 - (viii) M/s. Kirloskar Ferrous Industries Ltd.
 - (ix) M/s. JayaswalNeco Ltd.
 - (x) M/s. UshaIspat Ltd.
 - (xi) M/s. Indian Ferro Alloys Producers' Association
 - (xii) M/s. Association of Indian Mini-blast Furnaces
- (ix) The following importers/users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses or provided comments to the initiation of the investigation:
- i. Association of Indian Mini Blast Furnaces
 - ii. Mukand Limited
 - iii. Sona Alloys (P) Ltd.
 - iv. Kalyani Steel Ltd.
 - v. The Indian Ferro Alloy Producers' Association
 - vi. Tata Metaliks Ltd.
 - vii. Balasore Alloys Ltd.
 - viii. Indian Metals & Ferro Alloys Ltd.
 - ix. Sunflag Iron and Steel Company Ltd.
 - x. Essar Steel India Ltd.
 - xi. Tata Steel Ltd.
 - xii. Kirloskar Ferrous Industries Ltd.
 - xiii. Million Link (India) Smelting Pvt. Ltd.
 - xiv. Alloy Steel Producers Association of India
 - xv. Indian Steel Association
 - xvi. SLR metaliks
 - xvii. Steel Furnace Association of India
- (x) The China Chamber of Commerce of Metals, Minerals & Chemicals Importers & Exporters (CCC MC) has also filed its submission to the initiation notification.
- (xi) Andhra Pradesh Lam Coke Manufacturers Association also submitted its response supporting for levy of anti-dumping duty.

- (xii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- (xiii) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims... wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xiv) Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
- (xv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded its views on the basis of the facts available.
- (xvi) The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- (xvii) Investigation was carried out for the period of investigation (POI) from 1st April, 2014- 30th June, 2015. The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the POI.
- (xviii) The request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction wise details of the imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data in the investigation.
- (xix) The Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 09.08.2016. The parties, which presented their views in the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The relevant arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered by the Authority.
- (xx) Verification of the information and data submitted by the domestic industry and the interested parties was carried out to the extent deemed necessary. In respect of the cooperative producers/exporters, the verification of their records was done on the table-study basis.
- (xxi) The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been addressed in this investigation.
- (xxii) A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the all the interested parties on 03.10.2016. The post Disclosure Statement submissions have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- (xxiii) *** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xxiv) The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 62.13.

B. Product Under Consideration and Like Article

4. The product under consideration (PUC) in the present investigation is Low Ash Metallurgical Coke (Met Coke). The product under consideration does not include other Metallurgical Coke with high ash content which is in excess of 18%. Low Ash Met Coke is produced by destructive distillation of coking coal in the absence/regulated presence of oxygen at high temperatures (ranging between 1100 to 1350 degree centigrade) causing the coal to soften, liquefy and then re-solidify into hard but porous lumps. Met Coke is a form of carbon along with some mineral and residual volatile material. Met Coke is used as a primary fuel in industries where a uniform and high temperature is required in kilns or furnaces. Met Coke is used in various industries including pig iron, foundries, ferro alloys, chemical, integrated steel plants and others. Met Coke is normally produced and sold in tonnes... of weight expressed in KG or MT. The subject goods are classified under Custom Headings 27040030. Although the subject goods are classified under the Chapter Heading 27040030, the subject goods are also being imported in other Customs... Headings, i.e., 27040090, 27040010, 27040020, etc. The customs... classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

5. There is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject countries are comparable in terms... of their characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. The dumped goods from the subject countries and the goods produced by the domestic industry are technically and commercially substitutable.

Views of the domestic industry and the opposing interested parties

6. Views of the interested parties with regard to the product under consideration are as follows:

- (i) The PUC is incorrectly identified and, if at all, it should be amended to only cover low ash Met Coke with ash content less than 15%. There exists no reason to show why the PUC should extend to Met Coke with ash content up to 18% when on two earlier occasions the DGAD in the Final Findings concerning import of Metallurgical Coke restricted the scope of the examination to Met Coke with ash content up to 15% only. It was also noted that the input-output norms... of DGFT suggest that ash content of 15% or less is the appropriate indicator for identifying low ash Met Coke.
- (ii) The PUC is incorrectly defined and Met Coke containing low ash (upto 12.5%), low phosphorous (up to 0.018%) and low sulphur (upto 0.65%) is to be excluded.
- (iii) The PUC is incorrectly defined and Met Coke containing low ash (upto 12%), low moisture (upto 5%), low phosphorous (up to 0.035%) and low sulphur (upto 0.65%) is to be excluded.
- (iv) The lump coke used by steel producing companies in their blast furnaces is to be excluded from the scope of the PUC as this is not produced by the domestic industry.
- (v) The PUC is incorrectly defined and Met Coke containing low ash (upto 12.5%) is to be excluded.

7. Views of the domestic industry with regard to the product under consideration are as follows:

- (i) The interested parties have failed to give the legal basis for exclusion of Met Coke having ash content in excess of 15%. It is not the case of the interested parties that the Met Coke with ash content of less than 15% is not substitutable with Met Coke of ash content with 15%-18% or vice versa. The interested parties have merely quoted from the investigation conducted for Met Coke in the past without advancing any justification for the exclusion of the same.
- (ii) The submissions of the interested parties are far from reality for the exclusion of Met Coke containing low ash (upto 12.5%), low phosphorous (up to 0.018%) and low sulphur (upto 0.65%) or with moisture content of upto 5% from the scope of the product under consideration. The domestic industry is fully capable of producing Met Coke of all the specifications including the specifications for exclusions alleged for exclusion. It may also be seen that yet again it is not the case of the interested parties that Met Coke produced by the domestic industry cannot be substitutable. The imported Met Coke and the domestically produced Met Coke are used interchangeably. It may also be seen that the domestic industry is capable of producing Met Coke of all specifications as the specification of Met Coke is directly dependent upon the quality and type of coal used. Therefore, there is no merit in the submissions of the interested parties for exclusion of this type of Met Coke from the scope of the PUC.
- (iii) The submissions of the exporters for the exclusion of the lump coke are unsupported by facts and are erroneous. The size required in blast furnace is in the range from 30-80mm to 40-100 mm. The domestic industry is making Coke of this size and supplying to steel plants. Their contention that Blast Furnace needs Met Coke with CSR higher than 70 and CRI lower than 19 is also not correct. The domestic industry is regularly supplying Met Coke to both the integrated steel plants as well as Pig iron producers.
- (iv) With regard to the submission of the users / interested parties for exclusion of the Met Coke with ash content below 12.5%, the user industry is completely lost. Initially and in their written submissions, they were asking for the exclusion of the Met Coke with ash content above 15% and towards the finalisation of the investigation, they are making diagonally opposite submissions for exclusion of Met Coke with ash content below 12.5%. Therefore, in view of their contradictory submissions on the product scope, all their claims... for exclusions from the scope of the product under consideration are required to be rejected. It is reiterated that ash content in Met Coke is purely a function of the ash content of coking coal used in making the Met coke. The domestic industry produces met coke of varying ash content such as less than 12.5%, between 12.5% to 15% and between 15% to 18% as demanded by the user industry. It may be seen that there is

sufficient third party test reports which indicate that the domestic industry manufactures Met Coke with ash content below 12.5%. Therefore, there is no merit in the submissions of the user industry / interested parties for the exclusion of Met Coke below 12.5% and the same are not worthy of any consideration.

Examination of the Authority

8. The product under consideration (PUC) in the present investigation is Low Ash Metallurgical Coke (Met Coke). The product under consideration does not include other Metallurgical Coke with high ash content which is in excess of 18%.

9. Low Ash Met Coke is produced by destructive distillation of coking coal in the absence/regulated presence of oxygen at high temperatures (ranging between 1100 to 1350 degree centigrade) causing the coal to soften, liquefy and then re-solidify into hard but porous lumps. Met Coke is a form of carbon along with some mineral and residual volatile material. Met Coke is used as a primary fuel in industries where a uniform and high temperature is required in kilns or furnaces.

10. Met Coke is used in various industries including pig iron, foundries, ferro alloys, chemical, integrated steel plants and others. Met Coke is normally produced and sold in terMs... of weight expressed in KG or MT. The Met Coke imported into India is also with Low Ash content and that the ash content does not exceed 18%. Low Ash Metallurgical Coke is classified under Chapter Heading 27040030 of the CustoMs... Tariff Act, 1975. The custoMs... classification, however, is only for indicative purposes and is not binding on the present investigation.

11. The interested parties have merely quoted from the investigation conducted for Met Coke in the past without advancing any justification for the exclusion as to how Met Coke with ash content of above 15% can be excluded from the purview of the current investigation. It is stated by the domestic industry that the Met Coke with Ash content between 15%-18% is technically and commercially substitutable with the Met Coke below 15%. The impact of using Met Coke between 15%-18% in place of Met Coke below 15% would be reduction in productivity and that it would be compensated with the cost savings on account of lower price of Met Coke with ash content between 15-18% as compared to Met Coke of ash content below 15%. Further, the input-output norMs... laid down by the DGFT are not binding on the product definition in the anti-dumping investigations as they are prescribed for different purpose. With regard to the exclusion of Met Coke containing low ash (upto 12.5%), low phosphorous (up to 0.018%) and low sulphur (upto 0.65%) or with moisture content of upto 5% from the scope of the product under consideration, it is noted that the domestic industry has provided sufficient evidence to show that they have produced and supplied the subject goods of the above description. The Authority also notes that there is no case for exclusion of lump coke from the scope of the product under consideration. It is noted from the third party test reports supplied by the domestic industry that it manufactures Met Coke with ash content below 12.5%. The Authority also notes that it does not require any specific technology to manufacture Met Coke with low or high ash content. The production of Met Coke is dependent upon the ash contained in the coking coal. Lower the ash content of coking coal, the lower ash content would be there in Met Coke produced and vice versa. Therefore, there is no case of the interested parties for any exclusion from the product scope under the investigation.

12. With regard to like article, Rule 2(d) of the Rules provide as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

13. After considering the information on record, the Authority has determined that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject countries are comparable in terMs... of their characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. The users are using the dumped goods from the subject countries and the goods produced by the domestic industry interchangeably.

C. Domestic Industry and Standing

Views of the opposing interested parties and the domestic industry

14. Views of the opposing interested parties with regard to the standing of the domestic industry are as follows:

- (i) The producers who are captive users of Met coke cannot be legally excluded from the scope of the domestic industry. An examination of only certain parts of a domestic industry does not ensure a proper evaluation of the domestic industry as a whole as this might lead to a biased analysis and will not give an accurate picture on demand in the Indian market or the total amount of sales. This understanding is also supported by the determination of the Appellate Body of the WTO in United States–Anti-Dumping Measures on Certain Hot Rolled Steel Products from Japan and United States-Transitional Safeguard Measure on Combed Cotton Yarn from Pakistan.

- (ii) The producers who are captive users of Met Coke cannot be excluded / included by cherry picking to establish standing. No explanation has been provided as to why Jindal Stainless Ltd. has been included as a supporting producer when Jindal Stainless Ltd. is also a producer using PUC for captive use. It must also be noted that the companies such as Nilanchal Ispat Nigam Limited and Sathavahana Ispat Ltd., which have substantial sales in the domestic market, have not been included in the analysis.
- (iii) The production of Bengal Energy and Visa SunCoke Ltd. cannot be excluded for assessing the standing of the domestic industry
- (iv) As per the data available in the public domain, the petitioner companies account for less than a major proportion of the domestic production and these petitioners are willfully trying to mislead the Authority into believing that they account for production of a major proportion of the PUC in India.

15. Views of the domestic industry with regard to the standing of the domestic industry are as follows:

- (i) The submissions of the interested parties on the standing of the applicant companies are unfounded and without appreciating the legal provisions and the jurisprudence. It may be seen that the Appellate Body in United States–Anti-Dumping Measures on Certain Hot Rolled Steel Products from Japan- has nowhere laid down its opinion on the standing of the domestic industry. The Appellate Body in this case laid down its opinion with regard to the form and manner of analysing injury to the domestic industry after determination of standing. Therefore, the facts in the Appellate Body Report in the said case and in the present case are totally different.
- (ii) The Cotton Yarn Case is also not relevant to the issue of standing in the present Investigation as the dispute pertained to the provisions of Agreement on Textiles and Clothing (“ATC”) and not with the AD Agreement and in any event, the Appellate Body did not rule on whether captive production must be considered for determining standing of an applicant. The plain and unambiguous answer is in the negative to the question whether the Appellate Body finding in Cotton Yarn Case could be considered as a precedent on the issue raised in the present Investigation.
- (iii) The ruling of Appellate Body is based on the definition of the ‘domestic industry’ under Article 6.2 of the ATC which is materially different from definition of the ‘domestic industry’ under the AD Agreement. The Appellate Body did not rule on the issue of standing of an applicant and, therefore, the reliance on Cotton Yarn Case is of no consequence and is irrelevant. The Indian law is settled on this aspect. The jurisprudence from CESTAT and the Authority’s own practice shows that producers who captively consume like products may be excluded from the scope of domestic industry for determining standing as well as injury analysis.
- (iv) It is emphasized that the Hon’ble CEGAT (presently called CESTAT) in Pig Iron Mfrs. Asscn. vs. Designated Authority 2000(116) ELT (Tribunal) has clearly held that the captive consumption producers and the merchant producers are different categories of producers and, therefore, these two categories of producers can be dealt with as separate domestic industries. Thus, the standing of the applicant companies has rightly been determined in accordance with the legal provisions and that it has also been upheld by the Hon’ble CEGAT in the above said case.
- (v) With regard to the inclusion of the Jindal Stainless Ltd., it is submitted that its substantial production is sold and only minor quantities are consumed captively as the thrust of the company is on the merchant activity but not the captive use. The inclusion of Jindal Stainless Steel is also in line with the decision of the Hon’ble CEGAT in the above said case.
- (vi) With regard to Neelachal Ispat Nigam Ltd., it is submitted that the company uses its substantial production for captive use to the tune of 82.28% as per the available information for the year 2014-15. Therefore, it may be considered as captive producer and may be excluded from the purview of the domestic industry. With regard to Sathavahana Ispat Ltd., it is submitted that its substantial part of production is sold in the domestic market and only about 42% is captively consumed. It may be considered as merchant producer and may be included as part of the total domestic production for the determination of standing for the applicant producers. It may be seen that even after including the production of Sathavahana, the share of the domestic industry becomes 48.35% and with the supporting producers the share of the domestic industry becomes 62.98%. Thus, the applicants have the clear standing to be considered as eligible domestic industry even after including the production of Sathavahana.
- (vii) The exclusion of Bengal Energy and Visa SunCoke was made from the domestic industry as they have imported significant quantities of the subject goods during the POI and the domestic industry has also provided details in this connection.

- (viii) The Petitioners submit that in any event the Petitioners qualify the test of standing as laid out in the AD Rules. The fundamental issue to be determined is whether the Petitioners account for 'a major proportion' of the total domestic production and based on the data submitted by Petitioners and in view of the established interpretation of the term "a major proportion", the Petitioners do qualify as the 'domestic industry'.

Examination by the Authority

16. The application has been filed by the Indian Metallurgical Coke Manufacturers Association (IMCOM) on behalf of the domestic producers of Low Ash Metallurgical Coke in India, namely, Saurashtra Fuels Pvt. Ltd., Gujarat NRE Coke Ltd., Carbon Edge Industries Ltd., Bhatia Coke and Energy Ltd. and Basudha Udyog Pvt. Ltd. Further, the applicant has stated the present application is filed by or on behalf of the manufacturers who are marketing / selling their production of Met Coke. It is stated that there are two different categories of producers of Met Coke in India, i.e., manufacture of Met Coke for captive use and manufacture of Met Coke for marketing / sales. The manufacturers who are producing Met Coke for their captive use are being excluded from the purview of the current investigation as their production is not in competition with the imported subject goods. Further, the economics of producers for captive consumption and of producers for sale are very different. The former saves on the costs of marketing sales, inventory etc. The applicant has stated that there are some steel manufacturers who produce Met Coke for their captive consumption. The applicant has provided the details of the names of the steel producers as available having production of Met Coke for captive consumption, namely, Steel Authority of India Limited, Tata Steel Ltd., JSW Steel Ltd., Jindal Steel & Power Ltd., Bhushan Steel Ltd., Jayaswal Neco Industries Ltd., Rashtriya Ispat Nigam Ltd., Bhushan Power and Steel Ltd., Jai Balaji Industries Ltd. and Usha Martin Ltd. The applicant has also provided the details from their respective annual reports for the above companies that there are either no sales of Met Coke by the major captive producers or the sales are negligible by some of the producers as compared to their total production of captive Coke. In this regard, the Authority has seen from the evidence on record that these companies are primarily using Met Coke for their captive consumption and in some cases, their domestic sales are negligible as compared to their total production of captive Coke. In addition, it is noted that there is one more captive producer, namely, Neelachal Ispat Nigam Ltd. and it is seen that its sales are also not significant. Therefore, the captive producers are being treated as a separate category of producers and have been excluded from the purview of the current investigation while determining the domestic industry.

17. It is seen that Sathavahana Ispat Ltd. also has majority of its production sold in the market and even if it is considered as a merchant producer and included as part of the total domestic production for the determination of standing for the applicant producers, the applicant producers meet the standing in the current investigation. Thus, as per the information available on record, the production of the aforesaid five petitioners, i.e., Saurashtra Fuels Pvt. Ltd., Gujarat NRE Coke Ltd., Carbon Edge Industries Ltd., Bhatia Coke and Energy Ltd. and Basudha Udyog Pvt. Ltd. accounts for a major proportion of the total domestic production and is 48.35% of Indian production and their share along with the supporting three domestic producers, namely, Jindal Stainless Ltd., Shree Arihant Trade Links India Pvt. Ltd. and Ennore Coke Ltd. is 62.98% as can be seen from the table below.

Domestic Producers	April 11-Mar 12		April 12-Mar 13		April 13-Mar 14		POI-April 14-June 15	
	MT	Share	MT	Share	MT	Share	MT	Share
Applicants/Producers (DI)	***	***	***	***	***	***	***	***
Carbon Edge Industries Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
Saurashtra Fuels Pvt. Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
Gujarat NRE Coke Ltd	***	***	***	***	***	***	***	***
BasudhaUdyog Pvt. Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
Bhatia Coke and Energy Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
TOTAL –	1623436	53.31%	1724319	55.63%	1206650	50.76%	1302273	48.35%

APPLICANTS(DI)								
Supporting Producers								
Jindal Stainless Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
Shree Arihant Trade Links India Pvt. Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
Ennore Coke Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
TOTAL - SUPPORTING PRODUCERS	361138	11.86%	344866	11.13%	335893	14.13%	394074	14.63%
TOTAL - APPLICANTS & SUPPORTING PRODUCERS	1984574	65.17%	2069185	66.76%	1542543	64.89%	1696347	62.98%
Other Domestic Producers	810000	26.60%	690000	22.26%	510000	21.45%	580000	21.53%
Sathavahana Ispat Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	***
Total	3045198	100.00%	3099363	100.00%	2377075	100.00%	2693625	100.00%

18. On the basis of the information on record and having regard to the Rules, the Authority determines that the application has been made by or on behalf of the domestic industry and the application satisfies the requirement of 'standing' under the AD Rules. Further, the production of the applicant companies constitutes a major proportion in Indian production and the petitioner companies are eligible domestic industry. The petitioners, therefore, constitutes the 'Domestic Industry' in terMs... of Rule 2(b) of the AD Rules.

19. The Authority examined the submissions of the interested parties and the domestic industry and finds that the Appellate Body Reports in United States –Anti-Dumping Measures on Certain Hot Rolled Steel Products from Japan and United States-Transitional Safeguard Measure on Combed Cotton Yarn from Pakistan cited by the interested parties and the facts in the current investigation are totally different. There was no determination made with regard to the standing of the domestic industry. It is also seen that the Hon'ble CEGAT in Pig Iron Mfrs. Asscn. vs. Designated Authority 2000(116) E.L.T. 67 (Tribunal) held as follows:

“5.2 Exclusion of RINL was justified on account of its produce being used captively also. It is admitted position that its manufacture of metcoke is not for marketing, but is for use by itself in further manufacture. Therefore, its production is not in competition with the imported goods. The economics of producers for captive consumption and of producers for sale are very different. The former saves on the costs of marketing sales, inventory etc. Therefore, these producers are, justifiably, treated as a separate market while computing domestic industry. This is the practice in European Union also. That RINL had sold a part of their produce during the period of investigation does not change their position from that of a producer for captive use. Rule 2(b) defines domestic industry as the domestic producers as a whole of the like article. However, proviso to this definition states that in exceptional circumMs...tances, the domestic industry shall be deemed to comprise two or more competitive markets and the producers within each of such markets be deemed as a separate industry. As the captive consumption producers and producers for marketing constitute different categories of producers, under the proviso, they could be dealt with as separate domestic industries. Thus, RINL's exclusion is legally correct in the light of the proviso to Rule 2(d) also. In the circumMs...tances, we are not able to find merit in the submissions on standing made by the PR exporters.”

20. It is amply clear from the above decision of the Hon'ble Tribunal that the producers having captive consumption and the merchant producers are different categories of producers and, therefore, these two categories of producers can be dealt with as separate domestic industries. Thus, considering the legal provisions with regard to the determination of the standing and the decision of the Hon'ble Tribunal, the applicant companies meet the criteria of standing and are eligible to be considered as the domestic industry in this investigation.

21. With regard to the inclusion of Jindal Stainless Ltd., it is seen that its substantial production is sold and only minor quantities are consumed captively as the thrust of the company is on the merchant activity but not the captive use. The inclusion of Jindal Stainless Ltd. is also in line with the decision of the Hon'ble CEGAT in the above said case.

22. With regard to Neelachal Ispat Nigam Ltd., it is seen that the company uses its substantial production for captive use to the tune of 82.28% as per the available information for the year 2014-15. Therefore, it is considered as captive producer and excluded from the purview of the domestic industry. With regard to Sathavahana Ispat Ltd., it is seen that its substantial part of production is sold in the market and even if it is considered as merchant producer and included as part of the total domestic production for the determination of standing for the applicant producers, the share of the domestic industry becomes 48.35% and with the supporting producers the share of the domestic industry becomes 62.98%. Thus, the applicants have the clear standing to be considered as eligible domestic industry.

23. The exclusion of Bengal Energy and Visa SunCoke from the domestic industry is justified as on the basis of the evidence available on record they have imported significant quantities of subject goods. Thus, in view of the above, the Authority concludes that the applicant producers have the standing in the investigation.

D. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

View of the exporters/importers/consumers and other opposing interested parties

24. The exporters/importers/consumers/opposing interested parties have made the following submissions:

i. The petitioners have claimed excessive confidentiality on a number of details in the petition which has significantly impaired the ability of the respondent to defend their interests. The domestic industry kept confidential the raw material costs and consumption nor Ms... used for the normal value, sales volume and value of exports, investments, net worth, capital investment for expansion, interest cost and depreciation cost, annual reports, capital employed, non-injurious price, details of capacity, production and sales of supporting producers, sales volume. Further, it is stated that there is no clarity as to how the IBIS transaction-wise raw import data provided by the petitioners is being used. The petitioners should provide the IBIS transaction-wise raw import data as well as sorted import data.

ii. Market intelligence suggests that all the Petitioning companies use non-recovery technology of coke manufacture which means that they cannot get the benefit of other by-products like ammonia, tar, etc.

iii. There is a cost advantage specific to BlueScope in terMs... of location advantage and advantage of proceeds from the by-products sale.

iv. The Authority is requested to give exemption to the manufacturers of pig iron or steel using a blast furnace, the manufacturers of steel using COREX technology, the manufacturers of pig iron using COREX technology and the manufacturers of ferro alloys as allowed to them in the anti-dumping investigation concerning import of Metallurgical Coke from China PR vide Notification No. 5/2003-CustoMs... dated 3rd January, 2003.

v. The import data furnished by the Domestic Industry in the Petition is unreliable and misleading and hence ought to be rejected.

Views of the domestic industry

25. The domestic industry has made the following submissions:

(i). The exporters participating in the investigation from Australia and China have claimed excessive confidentiality on various information submitted by them in their questionnaire responses in violation of the provisions of anti-dumping law. They have even kept confidential the basic information such as names of the shareholders, names of the related companies, names of the suppliers/traders, etc.

(ii). The domestic industry while claiming confidentiality on the information has provided reasons for the same as required to be given under the Rules and the Trade Notices issued by the Authority from time to time and the domestic industry has not claimed excessive confidentiality. The details relating to export sales volume and sales value, capital employed etc. in indexed numbers have been provided as part of proforma IVA. The details of the interest cost and the depreciation cost separately are not required to be disclosed. The details of profit before interest for return on capital employed and cash profit have been provided in the application. The annual reports of M/s. Gujarat NRE have been provided as part of the application. With regard to the annual reports of other companies, it is submitted that the annual accounts of privately held companies and closely held companies are meant for circulation to its members only and are not available in public domain. Hence, the confidentiality is being claimed on this information.

(iii). The IBIS raw import data and original import data has been provided as part of the application. The import data for the subject goods has been collated on the basis of the description of the transactions indicating for the subject goods as can be seen from the details provided in the application. The ash content of imported goods is up to 18% only and no import transaction in the IBIS import data indicated that the imported goods are with ash content of more than 18%.

(iv). The Petitioners use non-recovery technology for producing Met Coke and as such no by-products are produced during the production of Met Coke. Therefore, the question of considering use of any by-products does not arise. With respect to utilization of heat, all relevant data on cost of production of the Petitioners have been submitted for the determination of NIP in line with Annexure III to the anti-dumping Rules. Therefore, the question of the domestic industry being affected due to its inefficiency in terMs... of use of non-recovery technology of producing Met Coke does not arise.

(v). There is no legal basis in the Indian Anti-dumping law to exempt any user from the imposition of the anti-dumping duty. There are also no legal provisions in the Indian anti-dumping law which provide for consideration of interest of the user industry. It may be seen that the anti-dumping duty is levied to redress the injurious effect of dumping to establish a situation of open and fair competition in the Indian market. The purpose of anti-dumping duty is to arrest the practice of unfair advantages gained due to dumping of goods and prevent injury to the domestic industry. Therefore, the user industry cannot allege that their cost etc. would increase due to levy of anti-dumping duty as the purpose of anti-dumping duty is to eliminate undue advantage gained due to dumping which otherwise would not have occurred in case of fair trade. It is also submitted that the effect of levy of anti-dumping duty on the relative competitiveness of any other industry is outside the purview of the anti-dumping investigation. It may also be seen that in the final findings concerning the Met Coke issued in 1998, there was no exemption granted to any user by the Hon'ble Authority. The exemption was granted to the above users by the central government. It is submitted that the exemptions were granted by the Central Government to the above users in view of the fact that at that time, the merchant met coke industry did not have the capacity to meet the demand of the blast furnace steel producers and the exclusion was done with the consent of merchant met coke producers. It may be seen that the exclusion had nothing to do with quality and capability of production of low ash metallurgical coke by merchant met coke producers. It is submitted that today the merchant met coke producers have the capacity to meet the demand of blast furnace steel producers. Therefore, on this account also, there is no reason for the Central Government for granting any exemptions to the aforesaid users. Therefore, the exemptions to the aforesaid users is a non-issue in the current investigation.

Examination by the Authority

26. The examination by the Authority of the miscellaneous issues raised by the interested parties is as follows:

i. With regard to the claim of the interested parties that the excessive confidentiality has been claimed by the domestic industry and the opposing interested parties, the Authority notes that the allegation by made by these interested parties on the inadequacy and insufficiency of information provided are baseless. Only such information that is not amenable to summarisation has been kept confidential in consonance with the practice of the Authority. This information is adequate as well as sufficient to enable a reasonable understanding.

ii. With regard to the granting of exemption from anti-dumping duty to manufacturers of pig iron or steel using blast furnace, manufacturer of pig iron or steel using COREX technology and Manufacturer of ferro alloys, the Authority notes that there is no legal basis in the Indian Anti-dumping law to exempt any user from the imposition of the anti-dumping duty. The analysis of the effect of levy of anti-dumping duty on the relative competitiveness of any other industry is outside the purview of the anti-dumping investigation. Further, the circumMs...tances of each investigation may differ. The present investigation is independent of the past investigations. At present, the merchant met coke producers have the capacity to meet the demand of the manufacturers of pig iron or steel using blast furnace, the manufacturers of pig iron or steel using COREX technology and the manufacturers of ferro alloys.

iii. The Authority notes that the applicant producers use non-recovery technology for producing Met Coke and no by-products are produced by them during the production of Met Coke. Therefore, the Authority does not consider use of income of by-products as the same does not exist and the domestic industry is not being affected due to non-use of recovery technology of producing Met Coke.

E. ASSESSMENT OF DUMPING—METHODOLOGY AND PARAMETERS

Normal Value, Export Price and Dumping Margin

View of the producers/exporters and other opposing interested parties

27. The producers/exporters and other opposing interested parties have made the following submissions:

- i. The procedural requirement of providing complete value chain of sales data to work out an individual margin for an interested party must be relaxed in case of BlueScope for its exports through Noble Resources International Pte Ltd. (NRIPL) in view of the Appellate Body of the WTO observations in United States – Anti-Dumping measures on certain hot-rolled steel products from Japan.
- ii. The practice of putting onus on the producer/manufacturer to complete the value chain by filling exporter/trader responses is wrong. Whether the producer/manufacturer has exported the subject goods through one exporter/trader or through several, and if one of them denies to cooperate with DGAD, then the whole responses filed by the producer/manufacturer and its exporters/traders are penalized by rejected the data on the ground of value chain, which is again against DGAD law and practice because there is no such written law globally which speaks so and here it is being used as one of the anti-dumping mechanism tools to reject the exporters/ traders filed data/Information.
- iii. The exporters' questionnaire format prescribed by the DGAD belongs to the exporter/trader but not producer/manufacturer. The petitioners have failed to provide any evidence that there is dumping and that the domestic industry is suffering injury. The application does not contain evidence in relation to the normal value, the export price and the injury. In the absence of such evidence, the present investigation should not have been initiated.
- iv. The normal value for market economy country cannot be constructed based on the cost of the petitioners. The legal provisions at best provide for construction of the normal value based on the cost of production in the domestic market of the exporting country only. Therefore, the normal value as constructed for Australia must be rejected.
- v. Japan cannot be taken as surrogate country as it is not the appropriate market economy third country pursuant to Annexure I of the AD Rules as the normal value calculated based on the domestic prices of the like product in Japan are likely to be much higher than that of China due to devaluation of Yen. Coal imported by Japan from Australia like India results in higher purchase cost due to freight cost and high labour cost. It is further stated that the GDP per person in Japan is much higher as compared to China and the plants in China are more advanced than the plants in Japan.
- vi. The normal value determined for China PR is inconsistent with Annexure I (7) of AD Rules. The petitioners' computation based on the last option was accepted for initiation without exhausting the first two options effectively purely for the reason that the relevant information is not available with the petitioners. The proposal to consider Japan as third party surrogate country appears to be only a superficial attempt of the petitioners.
- vii. No basis has been provided for calculation of the normal value. The constructed normal value for Australia is much higher than the international prevailing prices of the PUC.
- viii. The petition does not contain any evidence with regard to adjustments claimed from the export price to arrive at the net export price.
- ix. The petitioners have calculated the net export price and the dumping margin for Australia on the basis of assessable value which has been derived by the petitioners and no basis has been provided for deriving the aforesaid assessable value.
- x. Normal value must be calculated after taking into account the utilisation of coke oven gas and recovery of by-products.

Views of the domestic industry

28. The domestic industry made the following submissions:

- (i). The exporter from Australia M/s. BlueScope has mentioned in its response that the export sales to India have been undertaken through some other marketing entity. Therefore, the individual dumping margin may not be determined for the exporter from Australia as it has failed to submit the essential information for exports to India for its exporter.
- (ii). From the questionnaire responses submitted by M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China, M/s. China National Minerals Co., Ltd, China and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd., Singapore, it is seen that Linhuan is a producer and the other two companies are the traders/exporters. It is seen from the response of the two traders/exporters that besides purchasing the subject goods from Linhuan, they also purchased the subject goods from other suppliers. However, names of such other suppliers have not been disclosed. It appears that there is no response submitted for the producers whose names have been kept hidden. Under the circumstances, the response of all the three companies is required to be rejected as they have not given the essential information for the complete trail of exports to India.
- (iii). From the questionnaire responses submitted by M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China, and M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China, it is seen that Guxian is a producer and the other two companies are the traders/exporters. It is seen from the response of the trader/exporter Hangzhou CIEC that the subject goods have been exported to India through a Hong Kong based trader. However, the name of such trader has not been disclosed. It appears that there is no response submitted for such trader from Hong Kong. Under

the circumstances, the response of all the three companies is required to be rejected as they have not given the essential information for the complete trail of exports to India.

(iv). The producer M/s. Hebei Risun Coking Limited, China in answer to question No. B. 2 of the exporter's questionnaire has mentioned in its response that the subject goods have been exported to India through an unrelated trader and but has not disclosed its name. However, in reply to question No.B.3, the producer stated the names of two traders/exporters, namely, M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited, China and M/s. Million Link (Tian Jin) International Trade Co., Ltd. There is one more producer M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China who has also stated in its response that the subject good produced by it have been exported through M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited, China and M/s. Million Link (Tian Jin) International Trade Co., Ltd. From the questionnaire response of M/s. Million Link (Tian Jin) International Trade Co., Ltd., it is further noted that the sales to India have been made through Million Link (China) investment Ltd and that the subject goods exported to India are procured from various suppliers from China. However, the names of such suppliers have not been disclosed. Under the circumstances, the domestic industry is handicapped to make effective comments and requests the Authority for the rejection of response of all the companies in the absence of all the essential information submitted by them.

(v). The producer M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., China mentioned in its response that the subject goods have been exported through the related trader / exporter M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China. It is seen from the response of the trader that the subject goods to India have been exported through another trader/exporter in Switzerland. However, the name of such trader from Switzerland has not been disclosed. It appears that there is no response submitted for such trader from Switzerland. Under the circumstances, the responses for the above companies are required to be rejected as they have not given the essential information for the complete trail of exports to India.

(vi). The producer M/s. Tianjin Litong Energy Development Co. Ltd, China has claimed excessive and unwarranted confidentiality as it has not disclosed the details of channel of distribution and negotiation process for domestic sales as well as exports to India. In the absence of disclosure of such a vital information by the company, its whole response may be rejected.

(vii). The producer M/s. CNBM International Corporation, China has claimed excessive and unwarranted confidentiality as it has not disclosed the details of names of supplier, channel of distribution and negotiation process for domestic sales as well as exports to India. In the absence of disclosure of such a vital information by the company, its whole response may be rejected.

(viii). The traders/exporters M/s. Tianjin Xinchuan Minerals Trading Co. Ltd, M/s. Steel Mont Trading Ltd, Sinochem International Corporation and Sinochem International (Overseas) Pte Ltd. have claimed excessive and unwarranted confidentiality as they have not disclosed the details of channel of distribution and negotiation process for domestic sales as well as exports to India. In the absence of disclosure of such a vital information by the companies, their whole response may be rejected.

(ix). The domestic industry has provided sufficient details of normal value, export price and dumping margin in the application and the normal value determined by the domestic industry was a good indicator of the domestic prices of the subject goods in the subject countries. On the contrary, the interested parties have not provided any information which indicates that the normal value determined by the domestic industry was not correct.

(x). There was no inconsistency for determination of normal value for the subject countries as it has been determined as per Rules and the domestic industry provided sufficient evidence for the normal value in subject countries.

(xi). For consideration of Japan as surrogate Country, the cost factor or GDP in the surrogate country is not the criteria to be adopted for selection or rejection of the surrogate country. The factor to be considered while selecting a surrogate country is to 'keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question' but not the cost of the product and the associated factors as submitted by the interested parties. The level of development in China and Japan are similar and comparable manufacturing facilities are there in Japan. Thus, Japan can be considered as surrogate country for China.

(xii). With regard to the adjustments to export price, the interested parties have not produced any contrary evidence that the information supplied by the domestic industry was not right. In any case, it is submitted that the determination with regard to export price will be made on the basis of the actual information supplied by the exporters participating in the investigation.

(xiii). With regard to the submissions of the users / importers or association of users/importers or exporters that the determination of the normal value is to be made after taking into account the utilisation of coke oven gas and recovery of by-products, the aforesaid interested parties have no locus to raise any submissions on the determination of normal value as

only the exporters can make submission on the determination of normal value. None of the exporters from China has claimed market economy status nor any of them claimed adjustment for income from utilization of coke oven gas and recovery of by-products. The exporter from Australia has merely mentioned for the advantages it is having for the by-products generated but it has also not claimed any adjustment on account of income from utilization of coke oven gas and recovery of by-products. Therefore, there is no case of making any adjustment with regard to income from utilization of coke oven gas and recovery of by products for any exporter in the current investigation.

Examination by the Authority

29. Examination of the Authority is as under:

- i. With regard to the determination of the normal value and export price for China PR and Australia, the same has been determined as per the Rules, as explained hereunder in the relevant paras.
- ii. With regard to the suggestion of the domestic industry that Japan be taken as surrogate country, the Authority notes that the domestic industry has not supported its claim with any substantial data/information of the producers in Japan and, therefore, the Authority determines the normal value for China PR in terMs... of the provisions of para 7 of Annexure-I of the Rules.
- iii. For the adjustment of recovery income of by-products to the normal value, the Authority notes that none of the exporters has claimed any adjustment on this account and, therefore, the Authority does not make any adjustment for by product income from the normal value.

Market Economy Treatment (MET) for all producers/exporters from China PR

30. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terMs... of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR is to be treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terMs... of the Rules for the purposes of the current investigation.

31. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph(3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- i. The decisions of concerned firMs... in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- ii. The production costs and financial situation of such firMs... are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- iii. Such firMs... are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firMs...; and
- iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

32. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring below mentioned producers and exporters from China PR, none of the producers/exporters from China PR has co-operated in this investigation by filing their Questionnaire responses. The questionnaire response has been filed by the following companies:

- (i) Producer M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China, and traders / exporters M/s. China National Minerals Co., Ltd, China PR and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore
- (ii) Producer M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China, and traders / exporters M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China
- (iii) Producers M/s. Hebei Risun Coking Limited, China & M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China and trader / exporter M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited, China

- (iv) Producer M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., China and trader / exporter M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China
- (v) Traders/exporters M/s. Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd., China and M/s. Million Link (China) Investment Ltd., China
- (vi) Trader/exporter M/s. CNBM International Corporation, China
- (vii) Producer & Trader/exporter M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd., China
- (viii) Traders / exporters Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd., M/s. Sinochem International Corporation, China, M/s. Sinochem International (Overseas) Pte, Ltd, Singapore and M/s. Steel Mont Trading Ltd, United Kingdom

33. It is noted that neither of the above mentioned producers has claimed market economy treatment nor has sought to rebut the non-market economy presumption. Since none of the Chinese companies has claimed market economy treatment, the Authority has not determined whether any of the Chinese producers could be granted market economy treatment.

Normal Value for China PR

34. As none of the Chinese producers and exporters has submitted the questionnaire responses for market economy treatment, the Authority has constructed the Normal Value for China PR on the basis of Para-7 to Annexure-I to the AD Rules.

35. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.

An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments”.

36. According to these Rules, the normal value in China PR can be determined on the following basis:

- (i) On the basis of the price in a market economy third country, or
- (ii) The constructed value in a market economy third country, or
- (iii) The price from such a third country to other countries, including India.
- (iv) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

37. The Authority notes that for the determination of the normal value based on the third country cost and prices, complete and exhaustive transaction-wise data on the domestic sales of third country export sales, as well as the cost of production and cooperation of such producers in third country is required, which is not available with the Authority in the present investigation. With regard to the suggestion of the domestic industry that Japan be taken as surrogate country, the Authority notes that the domestic industry has not supported its claim with any substantial data/information of the producers in Japan and, therefore, the Authority determines the normal value for China PR in terMs... of the provisions of para 7 of Annexure-I of the Rules.

38. Considering that there has been no MET response from any exporter/producer of the subject goods from China PR and further noting that information/data regarding appropriate market economy third country for determination of the normal value in China PR is not available on record; the Authority has considered the normal value in China PR on available ‘reasonable facts basis’, in terMs... of para 7 of Annexure 1 to the AD Rules. Accordingly, the Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses. The constructed normal value so determined for China PR is shown in the dumping margin table below.

Normal Value for Australia**Normal Value for M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia**

39. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from Australia. The Authority has received response only from the producer M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd.

40. It is seen from questionnaire response submitted by M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia, that all the export sales to India (** MT) have been made through the trader M/s. Noble Resources International Pte Ltd, Singapore. However, it is noted that neither any response has been submitted by M/s. BlueScope on behalf of this trader Noble Resources International Pte Ltd, Singapore nor this trader has filed any response directly. The Authority afforded reasonable opportunity to the producer for furnishing the details of the exporter but did not receive the information for the exporter. Since the essential information for the complete value chain up to the Indian customers, the adjustments claimed by Noble Resources while exporting to Indian customers, the terms... and conditions of such sales, etc. are not available for examination, the Authority is not in a position to determine the individual dumping margin in respect of producer M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd., Australia on the basis of their data. The Authority has, therefore, constructed the normal value for Australia on the basis of the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses under Rules 6(8). The constructed normal value so determined for M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia is shown in the dumping margin table below.

Non-cooperative producers/exporters from Australia

41. The Authority has constructed the normal value for Australia on the basis of the facts available. Accordingly, the constructed normal value determined for non-cooperative producers/exporters from Australia is shown in the dumping margin table below.

Export Price for China PR**Export Price for M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China PR (Producer); M/s. China National Minerals Co., Ltd, China and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore (Traders / Exporters)**

42. The questionnaire responses have been submitted by the producer M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China (producer); M/s. China National Minerals Co., Ltd, China and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore (Traders / Exporters).

- (i) Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd. has mentioned in its questionnaire that the subject goods (** MT) have been exported to India through its related trader/exporter M/s. China National Minerals Co. Ltd.
- (ii) M/s. China National Minerals Co., Ltd, in its questionnaire response has mentioned that it purchases the product concerned from the suppliers and exports the same to India through its related reseller M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore.
- (iii) M/s. China National Minerals has further mentioned in the questionnaire response that during the POI, it had purchased the product concerned from two suppliers and one of the suppliers is the producer Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd.
- (iv) M/s. China National Minerals has also mentioned in the questionnaire response that during the POI, it has exported ** MT of the subject goods to India.
- (v) M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore, in its questionnaire response has mentioned that during the POI it has exported ** MT of the subject goods to India.
- (vi) From the combined responses, it is seen that out of the total export sales to India during the POI, the export chain of Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China (producer) to M/s. China National Minerals Co., Ltd, China (related trader) to M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore (related re-seller) accounts for only **%. This **% cannot be taken as the complete information because China National Minerals has clearly stated in the questionnaire response that it had purchased the product concerned from two suppliers, Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., being one of them. There is no information of this second supplier, not even the name. Since China National Minerals has exported **% of the total export volume of the product concerned purchased from this unknown producer/supplier without even disclosing the name, the behaviour of the trader China National Minerals cannot be treated as reliable. The second producer has not submitted any response to the Authority.

43. Since complete information for the entire exports chain to India is not on record, the Authority rejects the response of the three related companies comprising producer M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., China PR, and traders / exporters

M/s. China National Minerals Co., Ltd, China PR and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd, Singapore. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin.

Export Price for M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China PR (Producer); M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China PR and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China PR (Traders/Exporters)

44. The questionnaire responses have been submitted by M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China PR (Producer); M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China PR and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China PR (Traders/Exporters).

- (i) It is seen from the questionnaire response submitted by the producer M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China PR that the subject goods produced by it are supplied to an unrelated trader / exporter, namely, M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China, who in turn has supplied the subject goods to M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China.
- (ii) M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd. has disclosed in its questionnaire response that the subject goods have not been exported to India by them directly but through two other traders/exporters, namely, M/s. Kailuan (Hong Kong) International Co., Ltd., Hong Kong and M/s. Jidong Development (HK) International Limited, Hong Kong. It is noted that the said traders/exporters from Hong Kong have not submitted their responses. From the Appendix-2 submitted by M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd. it is seen that ***MT of the subject goods have been exported to India during the POI.
- (iii) Since the producer M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China has not submitted any information in Appendix 2, it is also not clear whether this producer has exported the subject goods to India through any other trader / exporter apart from M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China.

45. Since complete information for the entire exports chain to India is not on record, the Authority, rejects the complete response of aforesaid three companies comprising producer M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China PR and traders / exporters M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China PR and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China PR. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin.

Export Price for M/s. Hebei Risun Coking Limited, China PR (Producer); M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China PR (Producer) and M/s. Beijing RisunHongye Chemicals Company Limited, China PR (Trader/Exporter)

46. The questionnaire responses have been submitted by M/s. Hebei Risun Coking Limited, China PR, M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China PR and M/s. Beijing RisunHongye Chemicals Company Limited, China PR (Trader/Exporter).

- (i) M/s. Hebei Risun Coking Limited, China PR and M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China PR have mentioned in their responses that the subject goods produced by them are exported through the related trader / exporter M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited, China PR. M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, China PR has also exported *** MT to India through Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd., China PR.
- (ii) M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited has disclosed in its questionnaire responses that the subject goods have been exported to India through another unrelated trader/exporter, namely, Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd., China PR.
- (iii) Responses have also been submitted by the traders Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd. and one more trader CNBM International Corporation, China.
- (iv) Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd. and CNBM International Corporation, China have disclosed the so-called trader/exporter M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited as a producer of the subject goods in China PR.
- (v) Further, M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited has indicated in its response that the subject goods have been exported through only one company, i.e., Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd and there is no disclosure of the information with regard to other channel of exports to India through CNBM International Corporation.
- (vi) It is also noted that none of the above mentioned producers and trader/exporter has submitted Appendix 2 as part of their responses and in the absence of Appendix 2, the Authority is not in a position to correlate and identify the exports of the subject goods to India by them.
- (vii) On the basis of the information submitted by them, it is observed that M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited has suppressed vital information from the Authority and has not given the

complete details on record for all its procurement/production and export sales to India. It is also not clear whether the producers M/s. Hebei Risun Coking Limited, China & M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited have exported the subject goods to India through any other trader / exporter apart from M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited.

47. Since there are no complete details for the entire export chain, the Authority rejects the response of aforesaid three companies. The Authority, therefore, is not in a position to give them the individual margin.

Export Price for M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., China PR (Producer) and M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China PR (Trader/Exporter)

48. The questionnaire responses have been submitted by M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., China PR (Producer) and M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China PR (Trader/Exporter).

- (i) The producer M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd. has mentioned in its response that the subject goods produced by it are exported through the related trader / exporter M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China PR.
- (ii) This trader/exporter has disclosed in its questionnaire responses that the subject goods have been exported the entire quantity to India through another trader/exporter IMR Metallurgical Resources AG, Switzerland.
- (iii) However, it is noted that the said trader/exporter from Switzerland has not submitted its response.

49. Since there is no complete information for the entire export chain, the Authority rejects the complete response of aforesaid two companies comprising producer M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., China PR and trader / exporter M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., China PR. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin and thus considers them as non-cooperative.

Export Price for M/s. Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd., China PR (trader/exporter) and M/s. Million Link (China) Investment Ltd., Hong Kong (trader/exporter)

50. The questionnaire responses have been submitted by M/s. Million Link (Tian Jin) International Trade Co., Ltd., China PR and M/s. Million Link (China) Investment Ltd., Hong Kong.

- (i) The traders/exporters M/s. Million Link (Tianjin) International Trade Co., Ltd. and M/s. Million Link (China) Investment Ltd. have mentioned in their respective responses that the subject goods exported to India by them have been acquired/procured from twelve traders/exporters and producers.
- (ii) It is also noted from the response of trader M/s. Million Link (China) Investment Ltd that it has also directly exported the goods procured from another trader, namely, Tianjin Textile Industrial Supply and Sales Co. Ltd.
- (iii) However, it is noted that there are no responses from any of the thirteen traders/exporter and the producers. It is also noted that the aforementioned two traders/exporters have also not specified as to how much quantity is procured/purchased by them from each trader/exporter and the producer that has been exported to India.

51. Since there is no complete information for the entire export chain, the Authority rejects the complete response of aforesaid two companies, i.e., M/s. Million Link (Tian Jin) International Trade Co., Ltd., China PR and M/s. Million Link (China) Investment Ltd., Hong Kong. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin.

Export Price for M/s. CNBM International Corporation, China PR (Trader/Exporter)

52. The trader/exporter M/s. CNBM International Corporation has filed the questionnaire response.

- (i) The trader has mentioned in its response that the subject goods exported to India by it have been acquired/procured from eleven traders/exporters and producers. However, it is noted that there are no responses from any of the eleven traders/exporter and producers.
- (ii) Further, the subject goods have been exported to India by CNBM International in the period of investigation through four traders/exporters, namely, M/s. Joe Yee Resources Pte. Ltd., Singapore, M/s. Huihai Group Limited, Hong Kong, M/s. Avani Resources Pte Ltd, Singapore and M/s. IMR Metallurgical Resources AG, Switzerland.
- (iii) However, no response has been submitted by any of these traders.
- (iv) It is also noted that the aforementioned trader/exporter has also not specified as to how much quantity is procured/purchased by it from each trader/exporter and the producers that has been exported to India.

53. Since there is no complete information for the entire export chain, the Authority rejects the complete response of the trader/exporter M/s. CNBM International Corporation, China PR. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin.

Export Price for M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd., China PR (Producer)

54. The producer M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. has filed the questionnaire response.

- (i) The producer has mentioned in its response that the subject goods produced by it are exported through unrelated traders / exporters M/s. GRT Holding Pte., Ltd., Singapore, M/s. Kailuan (Hong Kong) International Co., Ltd., Hong Kong and Noble Resources International Pte., Ltd., Singapore.
- (ii) However, it is noted that the said traders/exporters have not submitted their response except Appendix 2 of M/s. GRT Holding Pte., Ltd., Singapore as part of the response of the producer.
- (iii) It is also noted that the producer M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. has also exported ***MT through one trader Sinochem International Corporation, China PR. This fact has come to the notice from the response filed by Sinochem International Corporation. However, this fact has not been disclosed by the producer in its response.

55. Since there is no complete information for the entire export chain, the Authority rejects the complete response of the producer and trader/exporter M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. PR. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin.

Export Price for M/s. Sinochem International Corporation, China PR, M/s. Sinochem International (Overseas) Pte, Ltd, Singapore, M/s. Steel Mont Trading Ltd, United Kingdom and M/s. Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd., China PR, (Traders/Exporters)

56. The questionnaire responses have been submitted by M/s. Sinochem International Corporation, China PR, M/s. Sinochem International (Overseas) Pte, Ltd, Singapore, M/s. Steel Mont Trading Ltd, United Kingdom and M/s. Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd., China PR (Traders/Exporters)

- (v) The trader/exporter M/s. Sinochem International Corporation, China PR has mentioned in its response that the subject goods exported to India have been acquired/procured from three companies, namely, Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd. (trader), Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. (producer) and Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd. (trader).
- (vi) M/s. Sinochem International Corporation has exported the subject goods to India through the traders/exporters M/s. Sinochem International (Overseas) Pte, Ltd, Singapore and Steel Mont Trading Ltd, United Kingdom.
- (vii) M/s. Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd., China PR has also submitted the response. However, neither the names of its producers/suppliers are disclosed nor there is any response submitted on record for such producers/suppliers.
- (viii) Further, the other aforesaid two companies, i.e., Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd. (trader) and Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. disclosed by M/s. Sinochem International Corporation have nowhere mentioned in their responses that they have sold the subject goods to M/s. Sinochem International Corporation.

57. Since there is no complete information for the entire export chain, the Authority rejects the complete response of the traders/exporters M/s. Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd., China PR, M/s. Sinochem International Corporation, China PR, M/s. Sinochem International (Overseas) Pte, Ltd, Singapore and Steel Mont Trading Ltd, United Kingdom. The Authority is, therefore, not in a position to give them the individual margin and thus considers them as non-cooperative.

Export Price for non-cooperative producers/exporters from China PR

58. The Authority has determined the export price for non-cooperative producers/exporters from China PR on the basis of the facts available from the DGCIS import data. Accordingly, the export price so determined for non-cooperative producers/exporters from China PR is shown in the dumping margin table below.

Export Price for Australia

Export Price for M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia

59. It is seen from questionnaire response submitted by M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia, that all the export sales to India (***MT) have been made through the trader M/s. Noble Resources International Pte Ltd, Singapore.

However, it is noted that neither any response has been submitted by M/s. BlueScope on behalf of this trader Noble Resources International Pte Ltd, Singapore nor this trader has filed any response directly. The Authority afforded reasonable opportunity to the producer for furnishing the details of the exporter but did not receive the information for the exporter. Since the essential information for the complete value chain up to the Indian customers, the adjustments claimed by Noble Resources while exporting to Indian customers, the terms... and conditions of such sales, etc. are not available for examination, the Authority, therefore, is not in a position to determine the individual dumping margin in respect of producer M/s. Blue Scope Steel (AIS) Pty Ltd., Australia on the basis of their data and thus considers them as non-cooperative.

Export Price for non-cooperative producers/exporters from Australia

60. The Authority has determined the export price for non-cooperative producers/exporters from Australia on the basis of the facts available from the DGCIS import data. Accordingly, the export price so determined for non-cooperative producers/exporters from Australia is shown in the dumping margin table below.

Dumping Margin

61. Considering the normal values and export prices for the subject goods, as determined above, the dumping margin for the subject goods as a whole has been determined as follows. It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than de-minimis and significant.

Dumping Margin Table

Country	Producer/Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
		US\$ / MT	US\$ / MT	US\$ / MT	%	% Range
China PR	All Producers/Exporters	***	***	***	***	55-65
		***	***	***	***	
Australia	All Producers/Exporters	***	***	***	***	20-30

F. ASSESSMENT OF INJURY

Views of the Domestic Industry

62. The submissions made by domestic industry with regard to injury and casual link are as follows:

- Volume of dumped imports from the subject countries have increased not only in absolute terms... but also as percentage of total imports and in comparison to domestic production and total demand in India.
- The domestic prices have significantly come down over the injury investigation period due to the decline in the landed value from the subject countries.
- Market share of the domestic sales has significantly come down over the injury investigation period.
- Output and the capacity utilisation of the domestic industry have come down significantly over the injury investigation period.
- Sales volume and sales have significantly come down over the injury investigation period.
- The profitability, cash flows and rate of return on capital employed have been seriously impacted over the injury investigation period.
- There is a positive price undercutting and significant price underselling for each of the subject countries in the period of investigation.
- The inventories of the subject goods have significantly increased over the injury investigation period.
- The number of employees engaged by the domestic industry has come down over the injury investigation period. Similarly, the wages have also come down in the period of investigation as compared to previous year 2012-13.
- The productivity has also come down over the injury investigation period. The ability to raise capital investment has also been affected in the period of investigation.

xi. The submissions of the interested parties are contradictory, as on the one hand they state that the injury analysis is to be made for all producers and on the other hand they state that the losses for the one producer cannot be considered as representative of the entire domestic industry. It is submitted that the analysis of the injury is to be made for all the producers forming part of the domestic industry as defined but not for single producer as suggested by them.

View of the exporters, importers/consumers and other interested parties

63. The submissions made by the interested parties with regard to injury and casual link are as follows:

- i. The import volumes, the demand and the market share are not correctly determined. It appears that the volumes in relation to the imports of PUC have been incorrectly determined as there is no indication that the Petitioners excluded the volume of PUC if it was imported by the companies that are producing Met Coke for their captive use.
- ii. Decline in prices of the domestic industry is due to decline in the raw material prices but not due to dumped imports. The cost of the domestic industry is going up as they have high fixed costs (manpower costs, inward transportation cost). The losses appear to be as a result of Gujarat NRE Coke Ltd. The losses of one company should not be considered as representative of the entire domestic industry. The losses of Gujarat NRE Coke Ltd. could be because of the high price of coal and the company continues to use the imported coal from its related entity in Australia.
- iii. The capacity utilisation has been consistently low throughout the injury period. This suggests that the increase in losses is not on account of the imports of PUC but for inefficiencies of the domestic industry. Decline in capacity is not due to the imports but due to their inefficiency.
- iv. Inefficiency in the method of production is leading to losses. The domestic producers are unable to provide good quality Met Coke and cannot meet the demand of steel, ferro-alloy and iron producers.
- v. There is high inland freight cost of Met Coke from south/western region to eastern region where most of the users are situated which discourages users of Met Coke to source the same from domestic producers. Also, the injury to the domestic industry is because of decline in the export volumes.
- vi. Imposition of duty would create extra burden on the secondary producers and it will result into increase in cost for the secondary producers. It will have adverse impact on the downstream industry. It will increase the cost of users. High Carbon Ferro Chrome industry is export intensive industry and imposition of duty would impact the cost and the prices and the fall in their exports.
- vii. Requirement of increasing supply of Met Coke cannot be supplied by the domestic industry. This will be a major setback for the Make in India campaign.
- viii. The Petitioners alleged underselling on the ground that the landed prices were significantly lower than the NIP. However, there is no mention of the range of NIP and how the NIP was determined and no calculation was provided. The Authority must take into account the utilisation of heat or the use of any by-product generated during the production of met coke. The same should be adjusted from the NIP calculation of the subject goods.
- ix. The total production of PUC by the Domestic Industry is not sufficient to cater to the demand for PUC in the domestic market in India. There is no sufficient evidence to prove that the domestic industry suffered material injury on account of dumped exports of PUC to India from Australia.
- x. The declining market share of the Petitioners is on account of the increasing demand of PUC in the domestic market. While the demand for PUC has increased over the years in the domestic market in India, the production capacity of the Petitioners has remained almost uniform and has reported slight increase from April 11-March 12 to the POI. Further, 2011-2012 is not an appropriate base year to assess injury.
- xi. The Petitioners willfully have mixed up two distinct and separate markets of PUC to depict an incorrect sales volume and value picture.
- xii. The data provided by the Petitioners with respect to wages completely refute any allegations of injury to the domestic industry. Injury to the domestic industry is due to increase in wages.
- xiii. A causal link is clearly lacking between the imports from Australia and the situation of the Indian domestic industry. There has been no negative impact from the allegedly dumped imports from Australia.
- xiv. There is a huge demand and supply deficit of PUC in the domestic market in India. The Petitioners have miserably failed to establish a causal link between exports from the subject countries and consequent injury being caused to the

domestic industry. It is a contradictory stand being taken by the Petitioners in their Petition where they have excluded Japan and Ukraine, which have also made substantial exports to India during the POI.

- xv. The return of 22% on capital employed is highly inflated and thus the non-injurious price determined by adopting 22% ROCE will be highly inflated and not based on real situation.

Examination by the Authority

64. Rule 11 of the AD Rules read with its Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." While considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

65. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

66. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry, para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages, growth, ability to raise capital investments."

67. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

Cumulative Assessment

68. Annexure II (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

(i) the margin of dumping established in relation to the imports from each country/ territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;

(ii) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

69. In the present case:-

(i) the margin of dumping from each of the subject countries is more than the limits prescribed above;

(ii) The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed above; and

(iii) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete inter se and with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. It is noted that there is no submission made by any interested party disputing cumulative assessment in the present case.

70. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports from the subject countries.

Demand and market share

71. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of domestic industry and other Indian producers have been added to the total imports into India and the same has been summarized below:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI April 14 - June 15 (Annualized)
Imports from Subject Countries (MT)	885453	170660	2082383	2531464
Imports from Australia (MT)	208007	40028	230896	233456
Imports from China (MT)	677446	130632	1851487	2298008
Imports from Other Countries (MT)	1421684	2963489	1843742	889330
Total Imports (MT)	2307137	3134149	3926125	3420794
Domestic Industry Sales (MT)	916027	1449781	1009658	904747
Sales of Other Domestic Producers (MT)	1220164	916452	673997	755872
Total Domestic Sales (MT)	2136191	2366233	1683655	1660619
Sales of Other Domestic Producers-who are Importers (MT)	411000	463000	889000	857000
Total Demand (MT)	4854328	5963382	6498780	5938413

72. It is noted that the overall demand for the product under consideration has increased over the injury investigation period.

Volume Effects of Dumped Imports**Import Volume and Market Share**

73. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms... or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCIS. The volume of imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI April 14 - June 15 (Annualized)
Imports from Subject Countries (MT)	885453	170660	2082383	2531464
Trend in Imports from Subject Countries	100	19	235	286
Imports from Other Countries (MT)	1421684	2963489	1843742	889330
Trend in Imports from other countries	100	208	130	63
Total Imports (MT)	2307137	3134149	3926125	3420794
Trend in Total Imports	100	136	170	148
% Share of Subject Countries in Total Imports	38%	5%	53%	74%
Trend in Share of Imports from Subject Countries in Total Imports	100	14	138	193
% Share of Other Countries in Total Imports	62%	95%	47%	26%

74. It is noted from the above table that imports of the subject goods from subject countries have significantly increased in POI as compared to base year 2011-12 and as compared to year 2012-13, the increase in imports in POI is almost 15 times. It is also noted that the share of the imports from the subject countries in total imports has increased to 74% from 38% in the base year 2011-12.

Imports in relative terms...

75. Imports in relation to consumption and production have been analysed as under:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI April 14 - June 15 (Annualized)
Imports from Subject countries (MT)	885453	170660	2082383	2531464
Total Domestic Production (MT)	1623436	1724319	1206650	1041819
% Share of Subject Countries in Total Domestic Production	55%	10%	173%	243%
Total Demand (MT)	4854328	5963382	6498780	5938413
% Share of Subject Countries in Total Demand	18%	3%	32%	43%

76. It is noted that imports in relation to production and consumption have significantly increased over the injury investigation period.

Price effect of imports

77. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

Price undercutting

78. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry.

Country	POI
Domestic Selling Prices (Rs./MT)	***
Landed Value (Rs./MT)	
Subject Countries	
Australia	***
China	***
Average	***
Price Undercutting (Rs./MT)	
Subject Countries	
Australia	***
China	***
Average	***

Price Undercutting (%)	
Subject Countries	
Australia	***
China	***
Average	***
Price Undercutting (%)—Ranges	
Subject Countries	
Australia	-2%-10%
China	1%-10%
Average	1%-10%

79. The Authority notes that the price undercutting for the subject countries is positive in the period of investigation.

Price-underselling

80. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries, as follows:

Country	POI
Desirable Selling Prices (Rs./MT)/NIP	***
Landed Value (Rs./MT)	
Subject Countries	
Australia	***
China	***

Average	***
Price Underselling (Rs./MT)	
Subject Countries	
Australia	***
China	***

Average	***
Price Underselling (%)	
Subject Countries	

Australia	***
China	***
Average	***
Price Underselling (%) - Ranges	
Subject Countries	
Australia	5-15%
China	10-20%
Average	10-20%

81. It is noted from the above table that there is a significant price underselling from each of the subject countries due to severely dumped imports of subject goods from the subject countries. This high level of price underselling clearly indicates that the domestic industry has suffered injury with regard to all parameters of injury.

Price suppression and depression

82. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period.

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI April 14 - June 15
Landed Value Rs. / MT	***	***	***	***
Indexed	100	98	74	59
Domestic Selling Price Rs. / MT	***	***	***	***
Indexed	100	92	78	78
Cost Rs. / MT	***	***	***	***
Indexed	100	91	121	104

83. It is noted from the table that the prices of the domestic industry have declined significantly in the POI as compared to base year 2011-12 due to consistent pressure from dumped imports from the subject countries. It indicates that the domestic prices are depressed due to the presence of dumped imports from the subject countries. It is also seen that the cost of the domestic industry increased over the injury investigation period although it is marginal, the domestic industry was prevented from increasing its prices due to the presence of the imports from the subject countries at dumped prices. Thus, the prices of the domestic industry are also suppressed.

Economic parameters of the domestic industry

84. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

85. Various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

i. Production, capacity and capacity utilization of the Domestic Industry

86. The production, domestic sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry have been stated as follows:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI April 14 - June 15 (Annualized)
Capacity (MT)	3094000	3163000	3298000	3348000
Total Production (MT)PUC	1623436	1724319	1206650	1041819
Capacity Utilization%	52%	55%	37%	31%
Domestic Industry Sales (MT)	916027	1449781	1009658	904747

87. The Authority notes that the capacity utilization of the domestic industry has deteriorated and has significantly come down over the injury investigation period.

88. It is noted that while the sales of the domestic industry went up in 2012-13 as compared to base year 2011-12, the same have significantly come down in the POI coupled with the decline in selling prices resulting into significant losses to the domestic industry.

ii. Market share

89. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI -April 14- June 15 (Annualized)
Domestic Industry Sales (MT)	916027	1449781	1009658	904747
Sales of Other Domestic Producers (MT)	1220164	916452	673997	755872
Total Domestic Sales (MT)	2136191	2366233	1683655	1660619
Sales of Other Domestic Producers Who are Importers (MT)	411000	463000	889000	857000
Imports from Subject Countries (MT)	885453	170660	2082383	2531464
Imports from Other Countries (MT)	1421684	2963489	1843742	889330
Total Imports (MT)	2307137	3134149	3926125	3420794
Total Demand (MT)	4854328	5963382	6498780	5938413
Domestic Industry's Market Share in Total Demand	19%	24%	16%	15%
Market Share of Total Domestic Sales in Demand	44%	40%	26%	28%
% Share of Subject Countries in Demand	18%	3%	32%	43%

90. It is noted that the share of imports from subject countries has increased significantly from 18% in base year 2011-12 and 3% in the next year to 43% in the POI whereas the market share of the domestic industry as well as total domestic sales in India have significantly come down over the injury investigation period. It is seen that in spite of the increase in total demand by more than 22%, the market share of the domestic sales instead of going up has significantly come down. It indicates that the imports from the subject countries have not only captured the growth in the demand in India but have also

taken over the significant market share of the domestic sales. Thus, the imports have caused material injury to the domestic industry.

iii. Profits, return on investment and cash flow

91. The cost of sales, selling price and profit/loss along with return on investment and cash flow of the domestic industry have been analysed as follows:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI -April 14- June 15 (Annualized)
Domestic Industry Sales (MT)	916027	1449781	1009658	904747
Indexed	100	158	110	99
Sales Value (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	100	145	86	77
Selling Price- Rs./ MT	***	***	***	***
Indexed	100	92	78	78
Cost (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Cost -Rs. / MT	***	***	***	***
Indexed	100	91	121	104
Profit (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	-100	-128	-1002	-571
Profit/Loss- Rs. / MT	***	***	***	***
Indexed	-100	-81	-909	578
Profit/Loss (%)	***	***	***	***
Indexed	-100	-88	-1165	-743
ROCE (%)	***	***	***	***
Indexed	100	97	-347	-171
Cash Flow (In Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	-100	-154	-2064	-1101

92. It is seen that the selling price of the domestic industry is below the level of cost in POI and there are significant losses to the domestic industry in POI as a result of dumped imports from the subject countries.

93. The domestic industry is also injured as there are significant cash losses and further, the return on investment is significantly negative in the POI.

iv. Inventories

94. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI-Apr 14 - June 15
Opening Stock (MT)	***	***	***	***
Indexed	100	137	153	170
Closing Stock (MT)	***	***	***	***

Indexed	100	112	124	139
Average Stock (MT)	***	***	***	***
Indexed	100	122	136	152

95. It is noted from the above table that the stock of the domestic industry has significantly increased in the POI as compared to base year 2011-12.

v. Employment and wages

96. The position with regard to employment and wages is as follows:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI -April 14- June 15 (Annualized)
No of Employees	***	***	***	***
Indexed	100	98	87	77
Wages Total (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	100	120	101	104

97. It is seen that the number of employees engaged by the company have come down over the injury investigation period. The wages have marginally increased over the injury investigation period.

vi. Productivity

98. The data relating to productivity shows as follows:

	April 11- March 12	April 12- March 13	April 13 - March 14	POI Apr 14 - June 15
Production (MT)	***	***	***	***
Employees	***	***	***	***
Production per Employee (MT)	***	***	***	***
Indexed	100	108	85	84

99. It is noted that the productivity per employee during the period of investigation has declined in the POI as compared to base year 2011-12.

vii. Magnitude of Dumping

100. Magnitude of dumping, as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry, shows that the dumping margins determined against the subject countries are above de minimis and significant.

viii. Ability to raise capital investment

101. It is noted that the domestic industry has incurred significant losses and the investment in the sector at present and in the near future as well is restricted due to presence of dumped imports from subject countries. The negative profitability, reduced cash flow and no returns clearly indicate that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is endangered by the dumped imports.

ix. Factors affecting domestic prices

102. Consideration of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material from subject countries are significantly below the selling price and

non-injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting and underselling in the Indian market. There is no viable substitute to this product. Demand for the product is not a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry. It is thus evident that the factors responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product from the subject countries. As the information would show, the imports prevented the domestic industry from increasing their prices in line with the increase in the cost.

x. Growth

103. Growth of the domestic industry is adverse, as growth with regard to all parameters such as sales, production, capacity utilisation, market share, inventories profits, return on investments, cash flows, etc. is significantly negative during period of investigation.

Conclusion on material injury

104. After examining the volume and price effects of imports of the subject goods from the subject countries and its impact on the domestic industry, it is noted that volume of imports of subject goods from subject countries have increased significantly in absolute terms... and in relation to production and consumption in India. It is noted that the domestic industry has suffered volume injury as well as price injury in terms... of decline in sales and market share, decline in production and capacity utilisation, increase in inventories, decline in number of employees, decline in domestic selling prices, price depression and price suppression, price undercutting and price underselling, significant losses, significant negative return on investments and significant cash losses because of the presence of dumped imports from the subject countries. Thus, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

Other Known Factors & Causal Link

105. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms... of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports, could have contributed to injury to the domestic industry.

(i) Volume and prices of imports from third countries

106. It is noted that the imports from other countries like Colombia, Japan, European Union, Russia and Ukraine are also above the *de minimis* limits in the period of investigation. However, the imports from these countries are at undumped prices and that the prices from these countries are higher than the export prices from each of the subject countries. The import of subject goods from all other sources is at below *de minimis* limits during the period of investigation. Thus, on the basis of import data, it is seen that the imports from subject countries are being made at dumped prices and are above the *de minimis* limits causing material injury to the domestic industry.

(ii) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

107. As noted earlier, demand has increased over the injury investigation period. Therefore, the domestic industry is not affected due to changes in demand.

(iii) Developments in technology:

108. There are no technology issues for production of the product concerned and therefore, technology used for production of PUC is not a factor causing injury to the domestic injury.

(iv) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

109. There is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

(v) Export performance of the domestic industry

110. The injury information examined by the Authority is for domestic operations only and, therefore, export performance has not caused injury to the Domestic Industry.

(vi) Productivity of the Domestic Industry

111. It is noted that the productivity has declined over the injury investigation period only due to significant increase in dumped imports over the same period as the domestic industry was not able to sell the subject goods in the domestic market otherwise the productivity of the domestic industry could have increased. Thus, the effect on the productivity of the domestic industry is only due to presence of dumped imports.

112. Besides, the Authority also examined the submissions with regard to other causal link factor such as there is high inland freight cost of Met Coke which discourages users of Met Coke to source the same from domestic producers. The

Authority notes that the Met Coke producers in India are reasonably spread all over India. The Authority also notes that applicant companies are located in south as well as in the western region. It is also stated by the domestic industry that there are several merchant producers of Met Coke who are located in East. The interested parties have cited the plants of the user companies like JSW, SAIL, Tata JaMs...hedpur, JSPL, Monnet etc. in support of their claim for higher domestic freight. However, the Authority notes that none of these companies have filed any objections in the present investigation. Therefore, there is no logic for the interested parties to contend it to be a factor of injury or causal link factor. It is thus noted that listed known other factors and as well as others do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors. The Authority examined whether the dumping of the product has caused injury to the domestic industry. The following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

(i) The imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market.

(ii) The domestic industry was prevented from increasing its prices. The price suppression suffered by the domestic industry is because of dumping of the subject goods by the subject countries.

(iii) The domestic industry is forced to sell at prices even below the cost of production which is resulting into significant financial losses. The price suppression caused by the imports thus results in financial losses in the POI.

(iv) Performance of the domestic industry was severely affected in terms... of decline in sales and market share, decline in production and capacity utilisation, increase in inventories, decline in number of employees, decline in domestic selling prices, price depression and price suppression, price undercutting and price underselling, significant losses, significant negative return on investments and significant cash losses with regard to profits and cash flow due to dumped imports from the subject countries.

113. It is, therefore, concluded that the domestic industry suffered material injury due to the dumped imports from subject countries.

Magnitude of Injury Margin

Injury Margin

114. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry so determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries determined on the basis of the average price reported by the exporters from the subject countries for computation of injury margin during POI. The injury margins so determined are as under:-

Injury Margin

Country	Producer/Exporter	Non-Injurious Price	Landed Price	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	% Range
Australia	All	***	***	***	***	5-15
China PR	All	***	***	***	***	10-20

G. POST DISCLOSURE STATEMENT COMMENTS

Post Disclosure comments of the opposing interested parties

115. Post disclosure comments of the opposing interested parties, in brief, are as follows:

- It is submitted that if some unrelated producers/traders who are separate entities and the cooperating producer/exporter has no control over their decision of not to file Exporters Questionnaire response with the Designated Authority, the cooperating producers/exporters are related companies should not be penalized as their own export chain and information is complete. They are the valid candidate to get individual Dumping Margin.

- ii. In such a situation where the Authority has complete information of one group, the Authority should have given individual Dumping Margin to the cooperating exporters and they qualify for that.
- iii. The Authority has not conducted any on-site verification to verify information/data submitted by the respondents. When there was doubt about the information/data submitted by the producers/exporters, on-site verification becomes more crucial to get better idea about the responses filed by the producers/exporters. Failure to not conduct on site verification by the Authority has made the investigation incomplete.
- iv. Information submitted by respondents may not be ideal in all respect but was complete to arrive at the reasonable result. While providing such a voluminous data and information running into thousands of pages and one omission in the initial questionnaire response cannot be termed as deliberate attempt to mislead the Authority when the Authority had subsequently received and accepted all the relevant information.
- v. The Law does not permit an Investigating Authority to reject export price of a fully cooperating producer/ exporter on the ground that some of its exports transactions are made through an unrelated trader who have not cooperated with the Authority. Only two conditions are specified where the export price claimed by the producer/exporter can be rejected and in such a situation also the Investigating Authority can construct the export price and cannot reject the same.
- vi. M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd, Australia should not be granted a “less favourable” outcome on account of non-participation by NRIPL, who failed to furnish requested information. In fact, BlueScope has cooperated with the investigating authority within the meaning of the Anti-dumping Rules and has supplied all the information and acted to the best of its abilities. It is requested to strike a balance between the efforts that can be expected from the interested parties in responding and the practical ability of those interested parties to meet fully with all demands made by the investigating authority.
- vii. Sinochem International Corporation submitted the documentary evidence substantiating that adequate efforts were made repeatedly to seek information of the suppliers of goods supplied by M/s. Tianjin Xinchuan Mineral Trading Co., Ltd. While Xinchuan helped and provided an EQR response through Sinochem, it had no ability to provide information of the suppliers which are unrelated to it. Moreover, Xinchuan also provided information of the suppliers of the product concerned that were resold by Sinochem to India during POI. Further, Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd. and Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. have reported sales to Sinochem in the Appendix 1 of their EQR responses as they were not aware if such sales were made to India or not.
- viii. Likewise, it is submitted that the Authority should not reject the responses of M/s. Million Link (Tian Jin) International Trade Co., Ltd., China PR, M/s. Million Link (China) Investment Ltd., Hong Kong, M/s. CNBM International Corporation and M/s. Tianjin Litong Energy Development Co., Ltd. as the failure of any unrelated parties to respond to the EQR shall not result in less favourable or even punitive results.
- ix. It is requested that the rejection of complete response of M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., M/s. China National Minerals Co., Ltd., China PR, and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd., Singapore, by the Authority is not in accordance with the Law and practice being followed by various Jurisdictions worldwide. Separate individual dumping margin should be granted to :
 - (i) M/s. Linhuan Coking & Chemical Co., Ltd., M/s. China National Minerals Co., Ltd., China PR and M/s. Minmetals South-East Asia Corporation Pte Ltd., Singapore, based on their responses filed.
 - (ii) Separate individual dumping margin should be granted to M/s. Hebei Yuzhou Coal Chemical Industry Co., Ltd., (Producer/Manufacturer), China PR and M/s. Tianjin Taijin International Trade Co., Ltd., (Exporter/Trader) China PR, based on their responses filed.
 - (iii) Separate individual dumping margin should be granted to M/s. Guxian Jinhua Coking Co., Ltd., China PR (Producer), M/s. Tianjin Rongsen Investment Co., Ltd., China PR and M/s. Hangzhou CIEC Resource Co., Ltd., China PR, based on its responses filed.
 - (iv) Separate individual dumping margin should be granted to M/s. Hebei Risun Coking Limited, M/s. Hebei CNC Risun Coking Limited, M/s. Beijing Risun Hongye Chemicals Company Limited, China PR, based on their responses filed.
- x. Blue Scope submits that Metallurgical Coke exported by BlueScope to India has i) specific market ii) specific customer. The Metallurgical coke exported is different from Market of Foundry Coke. BlueScope does not compete with this market segment to which Domestic Industry caters to and are covered by Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules, 1995. Therefore, BlueScope cannot be said to have caused any injury to the market segment to which the Petitioners cater to, on account of alleged dumped exports of PUC to India.

- xi. The PUC should not include the Met Coke with ash content less than 12.5% and ash content above 15%. NorMs... laid down by DGFT provide that Low Ash Met Coke is upto 15%. Met Coke containing low ash (upto 12.5%), low phosphorous (up to 0.018%) and low sulphur (upto 0.65%) or Met Coke containing low ash (upto 12%), low moisture (upto 5%), low phosphorous (up to 0.035%) and low sulphur (upto 0.65%) are to be excluded. The lump coke used by steel producing companies in their blast furnaces is to be excluded from the scope of the PUC as this is not produced by the domestic industry. The observation that the impact of using Met Coke between 15%-18% in place of Met Coke below 15% would be reduction in productivity and that it would be compensated with the cost savings on account of lower price of Met Coke with ash content between 15-18% as compared to Met Coke of ash content below 15% is erroneous. The users of met coke only use met coke having ash content upto 12.5% and, at best, blend the same with met-coke having ash content upto 15%. It is commercially imprudent to reduce productivity at the cost of using met coke having higher ash content. There is, in fact, a huge demand-supply gap between Met Coke having ash content less than 12.5% produced by the Domestic Industry and the requirement of such Met Coke of the Respondents. Even in the cases where pig iron/steel manufacturers procured Met Coke from the Domestic Industry, there have been complaints in relation to the quality or non-conformity with the ash requirements. To assess the correctness of the conclusion of the Authority, the Respondent has been repeatedly requesting the Authority for a month-wise production and sale data of Met Coke having ash content less than 12.5%.
- xii. The captive producers of Met coke cannot be legally excluded from the scope of the domestic industry. This understanding is supported by the determination of the Appellate Body of the WTO in United States–Anti-Dumping Measures on Certain Hot Rolled Steel Products from Japan and United States-Transitional Safeguard Measure on Combed Cotton Yarn from Pakistan. The production of Bengal Energy and Visa SunCoke Ltd. cannot be excluded for assessing the standing of the domestic industry. As per the data available in the public domain, the petitioner companies account for less than a major proportion of the domestic production and these petitioners are willfully trying to mislead the Authority into believing that they account for production of a major proportion of the PUC in India.
- xiii. The reliance cannot be placed on the decision of the CESTAT in Pig Iron Mfrs. Assn. v. Designated Authority reported at 2000 (116) E.L.T. 67 (Tribunal) as it was premised on the absence of any binding precedent by the WTO. The situation has changed now in light of the AB Reports (issued in 2001) and India is now obliged to follow these WTO decisions.
- xiv. Even assuming that the exclusion of the captive producers from the scope of the domestic industry is legal, it is not possible to analyse the injury to the Domestic Industry as one will not be able to assess the demand, market share, effect on price in the absence of details about production, sales and volume of Met Coke used by the captive user. In fact, it is imperative to take into account the sales of met coke by the captive producers to assess the demand and the market share. As has been mentioned, the Authority has not given details of the domestic sales in the merchant market in relation to those who produce Met Coke for captive use and also have sales in the merchant market.
- xv. The Authority is requested to give exemption to the manufacturers of pig iron or steel using a blast furnace, the manufacturers of steel using COREX technology, the manufacturers of pig iron using COREX technology and the manufacturers of ferro alloys as allowed to them in the previous anti-dumping investigation.
- xvi. Market intelligence also suggests that Gujarat NRE Coke Ltd imported coal from its related entity in Australia when the costs of the raw materials were the highest as the Australian entity was about to shut its operations. It must be noted that Gujarat NRE continues to use the same raw materials. The losses of Gujarat NRE Coke Ltd. could be because the high coal prices which the company continues to use – leading to higher costs. For assessing the raw material prices to calculate the NIP, the authority must account for the unreasonable high costs of Gujarat NRE. If the prices of Gujarat NRE are taken into account, it would go contrary to Annexure III of AD Rules that mandates the use of POI prices and not historical prices to compute the NIP.
- xvii. Injury to the domestic industry is due to the fall in their export sales. The losses to the domestic industry appear to be as a result of Gujarat NRE Coke Ltd. The losses of one company should not be considered as representative of the entire domestic industry. The losses of Gujarat NRE Coke Ltd. could be because of the high price of coal and the company continues to use the imported coal from its related entity in Australia.

Post Disclosure comments of the Domestic Industry

116. Post Disclosure Comments of the Domestic Industry, in brief, are as follows:

i. For determination of NIP of the subject goods of the applicant producers, namely, M/s. Bhatia Coke and Energy Ltd. and M/s. Basudha Udyog Pvt. Ltd., after making the adjustment of cost/credit of the power plant, it is stated that there are two ways to handle the heat so generated in the manufacturing process of Met Coke, i.e., either to get the heat exhausted in the atmosphere or get it captured for generation of power. It may be seen that the merchant manufacturers of Met Coke would over use the manufacturing process of exhausting the heat in the atmosphere and they do not capture the heat. This is because waste heat power generation is not commercially beneficial. It may be seen that to capture the heat for power generation, an additional / secondary power generation plant is required to be set up which involves significant capital cost along with the cost of operation including labour & management cost, maintenance cost, interest cost and depreciation cost. It may also be seen that whether or not to install standalone plant of Met Coke or to have power generation plant along with it are two independent decisions and are two independent plants and therefore, the adjustment of cost or credit of one plant with the other would be inappropriate and would unduly affect the cost of Met Coke or power.

ii. The various import transactions which are abnormally valued (wherever the price is higher than the NIP) may be excluded from the determination of landed value for the non-cooperative exporters from the subject countries. These abnormal value transactions may be present in the import data due to data inaccuracies and these transactions may also have been affected as a result of the involvement of several companies/parties from the subject countries in exports to India as none of the producers / exporters have provided complete trails of the export chain to India.

Examination by the Authority

117. The Authority notes that the post disclosure statement submissions made by the interested parties are mostly repetitive in nature. However, the Authority examines the issues to the extent considered relevant as under:

i. With regard to the request of BlueScope for accepting their response, the Authority notes that since the essential information for the complete value chain up to the Indian customers, the adjustments claimed by Noble Resources while exporting to Indian customers, the terms... and conditions of such sales, etc. are not available for examination, the Authority is not in a position to determine the individual dumping margin in respect of producer M/s. BlueScope Steel (AIS) Pty Ltd., Australia on the basis of their data.

ii. With regard to the contention of the responding producers/exporters from China PR that if some unrelated producers/traders who are separate entities and on whose decision of not to file Exporters Questionnaire Response with the Authority, the cooperating producer/exporter has no control, then the cooperating producers/exporters should not be penalized, particularly when their own export chain of related producers/exporters is complete. They are the valid candidate to get individual Dumping Margin. It has been contended by the interested parties that the authority should not have rejected questionnaire responses of the producers on the ground that full information on exports to India was not available. The interested parties have stressed that the requirement under the law is necessary information and as is reasonably available to the producers. Reference has also been made to the WTO decision with regard to standards that the Authority should lay down and the obligations of the interested parties for providing necessary information. In this regard, the Authority notes that when the subject goods produced by Chinese producers have been exported to India by some exporters, those producers cannot claim that they have no relationship with the exporters and cannot ask these companies to file the responses to complete the export chain. In the absence of completion of the export chain the Authority does not determine the individual dumping margin for the Chinese producers/exporters.

iii. With regard to exclusions from the product scope, the Authority notes that there is no justification for any exclusion from the product under consideration. The Met Coke with Ash content between 15%-18% is technically and commercially substitutable with the Met Coke below 15%. The impact of using Met Coke between 15%-18% in place of Met Coke below 15% would be reduction in productivity and that it would be compensated with the cost savings on account of lower price of Met Coke with ash content between 15-18% as compared to Met Coke of ash content below 15%. From the third party test reports supplied by the domestic industry, it is seen that the domestic industry manufactures Met Coke with ash content below 12.5%. The Authority also notes that it does not require any specific technology to manufacture Met Coke with low or high ash content. The production of Met Coke is dependent upon the ash contained in the coking coal. Lower the ash content of coking coal, the lower ash content would be there in Met Coke produced and vice versa. Therefore, there is no case of the interested parties for any exclusion from the product scope under the investigation. Further, the input-output norms... laid down by the DGFT are not binding on the product definition in the anti-dumping investigations as they are prescribed for different purpose. With regard to the exclusion of Met Coke containing low ash (upto 12.5%), low phosphorous (up to 0.018%) and low sulphur (upto 0.65%) or with moisture content of upto 5% from the scope of the product under consideration, it is noted that the domestic industry has provided sufficient evidence to show that they have produced and supplied the subject goods of the above description. The Authority also notes that there is no case for exclusion of lump coke from the scope of the product under consideration. After considering the information on record, there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject countries

are comparable in terms... of their characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. The users are using the dumped goods from the subject countries and the goods produced by the domestic industry interchangeably. With regard to demand-supply gap, if any, the Authority further notes that the purpose of anti-dumping duty in general is to re-establish fair competition in the domestic market but not to restrict availability of the product. Thus, the submissions of the interested parties on PUC and its availability are unfounded. With regard to providing month-wise production data to the interested parties, it is seen that the request of the interested parties is not tenable.

iv. With regard to the standing of the applicant producers, the Authority notes that the present application is filed by or on behalf of the manufacturers who are marketing / selling their production of Met Coke. It is stated that there are two different categories of producers of Met Coke in India, i.e., manufacture of Met Coke for captive use and manufacture of Met Coke for marketing / sales. The manufacturers who are producing Met Coke for their captive use are being excluded from the purview of the current investigation as their production is not in competition with the imported subject goods. Further, the economics of producers for captive consumption and of producers for sale are very different. The former saves on the costs of marketing sales, inventory etc. Therefore, the captive producers are being treated as a separate category of producers and have been excluded from the purview of the current investigation while determining the domestic industry. Thus, as per the information available on record, the production of the petitioners accounts for a major proportion of the total domestic production and is 48.35% of Indian production and their share along with the supporting three domestic producers, namely, Jindal Stainless Ltd., Shree Arihant Trade Links India Pvt. Ltd. and Ennore Coke Ltd. is 62.98%. The exclusion of Bengal Energy and Visa SunCoke from the domestic industry is justified as on the basis of the evidence available on record they have imported significant quantities of subject goods. Thus, in view of the above, the Authority concludes that the applicant producers have the standing in the investigation.

v. With regard to the submissions of the interested parties that reliance cannot be placed on the decision of the Hon'ble CESTAT in Pig Iron Mfrs. Assn. v. DA as there was no jurisprudence available at that time from WTO Appellate Body Reports in United States –Anti-Dumping Measures on Certain Hot Rolled Steel Products from Japan and United States-Transitional Safeguard Measure on Combed Cotton Yarn from Pakistan on the exclusion of the captive producers, the Authority notes that the facts in the current investigation and the aforesaid Appellate Body Reports are totally different. There was no determination made with regard to the standing of the domestic industry and it is amply clear from the decision of the Hon'ble Tribunal Pig Iron Mfrs. Assn. v. DA that the producers having captive consumption and the merchant producers are different categories of producers and, therefore, these two categories of producers can be dealt with as separate domestic industries. Thus, considering the legal provisions with regard to the determination of the standing and the decision of the Hon'ble Tribunal, the applicant companies meet the criteria of standing and are eligible to be considered as the domestic industry in this investigation.

vi. With regard to computation of demand of the product concerned, it is seen that the demand has been computed on the basis of the sales by merchant producers. Since the captive producers are not considered as part of the domestic industry, their sales have not been considered for the determination of demand. However, even if, the sales by the captive producers is included in the total demand, it does not change the fact that the imports of subject goods are taking place in India from subject countries at significantly dumped prices, the imports from the subject countries have significantly increased over the injury investigation period, the market share of the domestic industry has declined significantly. In fact, the injury to the domestic industry will be more pronounced after considering the sales by captive producers in the demand. Thus, there is no inconsistency in the demand computation or the analysis of the market share in the current investigation.

vii. With regard to the granting of exemption from anti-dumping duty to certain users in the current investigation in view of the exemptions granted to them in earlier investigation, the Authority notes that there is no legal basis in the Indian Anti-dumping law to exempt any user from the imposition of the anti-dumping duty. The analysis of the effect of levy of anti-dumping duty on the relative competitiveness of any other industry is outside the purview of the anti-dumping investigation. Further, the circumstances of each investigation may differ. The present investigation is independent of the past investigations. At present, the merchant met coke producers have the capacity to meet the demand of the manufacturers of pig iron or steel using blast furnace, the manufacturers of pig iron or steel using COREX technology and the manufacturers of ferro alloys.

viii. With regard to coal purchased by Gujarat NRE from its related entity in Australia, the Authority notes that Gujarat NRE had stopped buying / importing coking coal from its coal mines in Australia from October 2013. Therefore, there is no rational in the submissions that losses of Gujarat NRE Coke Ltd. are because of the high coal prices which the company continued to use.

ix. With regard to the determination of injury to the domestic industry, the information for the export operations has not been considered. Therefore, the injury information examined by the Authority is for domestic operations only and, therefore, export performance has not caused injury to the Domestic Industry.

x. With regard to the submissions of the interested parties that the losses to the domestic industry is because of Gujarat NRE losses, the Authority notes that the injury is analyzed on the basis of the information of all the constituents of the domestic industry and is not analyzed in isolation for a producer or part of the domestic industry.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

118. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

I. CONCLUSIONS AND RECOMMENDATION

119. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

(i) It is noted that the dumped imports from Australia and China PR increased significantly in the POI as compared to the base year 2011-12 justifying recommendation of the duty.

(ii) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal values. The dumping margins are positive and so significant that it justifies recommendation of duty.

(iii) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject countries.

(iv) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.

120. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all the interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is required to offset dumping causing injury.

121. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty table

Sl. No.	Sub-heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	27040030	Low Ash Metallurgical Coke excluding Metallurgical Coke with ash content in excess of 18%.	China PR	China PR	Any	Any	25.20	MT	USD
2	-do-	-do-	China PR	Any country	Any	Any	25.20	MT	USD

Sl. No.	Sub-heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
				other than the subject countries					
3	-do-	-do-	Any country other than the subject countries	China PR	Any	Any	25.20	MT	USD
4	-do-	-do-	Australia	Australia	Any	Any	16.29	MT	USD
5	-do-	-do-	Australia	Any country other than the subject countries	Any	Any	16.29	MT	USD
6	-do-	-do-	Any country other than the subject countries	Australia	Any	Any	16.29	MT	USD

**Note: Where there is overlapping of anti-dumping duty on the subject goods with respect to a subject country in different custoMs... notifications, the duty applicable to that subject country shall be one imposed under the custoMs... notification in which the said country has been specifically mentioned under the Column "Country of Origin".*

122. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the CustoMs... under the CustoMs... Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of custoMs... except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

123. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the CustoMs..., Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the CustoMs... Tariff Act.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority